राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 थलपति विजय का दांव पड़ा उल्टा? कैसे स्टालिन की....

मेसी की दरियादिली, आग प्रभावित क्षेत्रों के लिए दान दिए.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 104 | नई दिल्ली, गुरूवार, 06 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39.0°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	75%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,45,250
चांदी	2,40,000
सेंसेक्स	78,581.00
निफ्टी	24,524.65

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने कहा- राहुल गांधी नहीं चलने दे रहे संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ को देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बजाय लगातार गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में आज आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संविधान में अस्थाई प्रावधान के रूप में शामिल अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया, जिससे संविधान की मूल भावना का सम्मान हुआ। उन्होंने कहा कि तत्कालीन गृहमंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए इस ऐतिहासिक निर्णय को लागू किया। उन्होंने संसद के मौजूदा गतिरोध को दो विचारधाराओं की लड़ाई बताते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं, जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी देश को बांटने वाली राजनीति करते हैं और अराजक तत्वों का समर्थन करते हैं। उन्होंने भगोड़े अपराधियों के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है, जबकि 2004 से 2013 के दौरान औसतन केवल चार भगोड़े अपराधी प्रति वर्ष भारत लौटाए जा सके थे। भाजपा ने इसे मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति और मजबूत कानून व्यवस्था का परिणाम बताया। गौरव भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संसद में जाकर बहस करना, तथ्यों के साथ सरकार को घेरना और जनता के मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी लोकतंत्र के मंदिर से दूर भागते हैं।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर जुकरबर्ग को अल्टीमेटम

3 दिन में माफी मांगें, वरना कार्रवाई होगी; जंतर-मंतर प्रदर्शन के समय पोस्ट हुआ था वीडियो

प्रात: किरण, एजेंसी

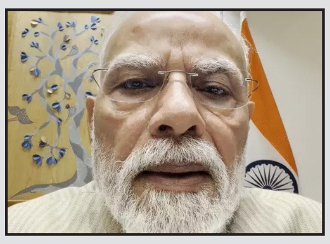

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में संसदीय समिति ने मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से 3 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और कुछ छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। इसी मामले में आईटी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिन की बैठक चल रही है। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को दिल्ली बुलाया है। 5 अगस्त को बैठक का पहला दिन था। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था। बाद में मेटा ने इसे फिर से फेसबुक पर डाल दिया।

इस विवाद की मुख्य वजह क्या है?

23 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर युवाओं के नाम एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। कुछ समय बाद मेटा ने यह पोस्ट हटा दी। बाद में कंपनी ने पोस्ट फिर से बहाल कर दी और कहा कि यह तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ था। मेटा ने इस पर माफी भी मांगी, लेकिन आईटी मंत्रालय ने कंपनी की सफाई को संतोषजनक नहीं माना।

दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल 2026 के मसौदे पर मंत्रिमंडल ने किया विचार

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली,। दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026 के मसौदे पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में विचार किया गया। इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्ली को देश में उद्यम स्थापित करने और संचालित करने के लिए सबसे आसान स्थान बनाने की दिशा में व्यापक सुधार लागू करना है। इससे दिल्ली में नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योगों का विस्तार होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं दिल्ली मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन बाद इस विधेयक को आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि यह प्रस्तावित कानून भारत सरकार के अनुपालन में कमी और विनियमन-मुक्ति पहल (चरण-क्क) के तहत तैयार किया गया है। यह जन विश्वास विधेयक, 2023 की भावना के अनुरूप है। दिल्ली सरकार भी अब उद्योगों और निवेशकों के लिए एक आधुनिक, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल व्यवस्था विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून के अंतर्गत कारोबार से जुड़ी विभिन्न मंजूरियां, पंजीकरण, लाइसेंस, एनओसी और अन्य अनुमतियों के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त होगी। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से एक ही ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकांश व्यावसायिक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

SC बोला- युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं, सरकार आक्रामक रवैये से बचे; CJP प्रदर्शन में हिंसा का मामला

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों यानी उखढ प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया।

1. भटके युवाओं को समझाने की जरूरतः चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए।

2. पुलिस संयम रखे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा दे; CJP ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभालनी चाहिए।

अभिजीत बोले- पॉलिटिकल पार्टी नहीं बनाएंगे

कॉकरोच जनता पार्टी प्रेशर ग्रुप की तरह काम करेगी, देश को जन-आंदोलन की जरूरत

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा, कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP फिलहाल राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी। अभी भारत को एक मजबूत प्रेशर ग्रुप की जरूरत है, इसलिए कॉकरोच पार्टी उसी भूमिका में काम करेगी।' दीपके ने कहा, अगर हम राजनीतिक पार्टी बनाते, तो हमारा आंदोलन सफल नहीं होता। आंदोलन इसलिए सफल हुआ, क्योंकि अलग-अलग विचारधाराओं और राजनीतिक दलों के लोग लोकतंत्र को कमजोर करने वाली चीजों के खिलाफ एक साथ आए। आज भारत को किसी नई राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि एक मजबूत जन आंदोलन की जरूरत है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में CJP की आज से दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में दीपके ने बताया कि इसमें जंतर-मंतर आंदोलन की समीक्षा, ए20 पेट्रोल, शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि संगठन को देशभर में कैसे मजबूत किया जाए।

ई 20 -पेट्रोल पर नितिन गडकरी से जुड़े पोस्ट हटाने के आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- ऐसी पोस्ट घिनौनी और अपमानजनक ; यूजर्स की जानकारी भी मांगी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने इन कंपनियों से कहा, भविष्य में भी अगर मंत्री की ओर से ऐसा कोई कंटेंट ध्यान में लाया जाता है, तो उसे भी हटाया जाएगा। गडकरी ने 27 जुलाई को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले कथित मुनाफे से जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया, 'लोग उनके खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट्स और मीम बना रहे हैं। इससे उनकी इमेज खराब हो रही है।' सुनवाई के दौरान मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) और एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) के वकील कोर्ट में मौजूद रहे।

कोर्ट ने प्लेटफॉर्म्स से मांगा जवाब

नितिन गडकरी ने 27 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। कोर्ट के फैसले के बाद गडकरी के वकील संदीप एस. लड्डा ने कहा- हमने कोर्ट को बताया था कि ई-20 नीति से जुड़े कंटेंट मानहानि करने वाले हैं। सोशल मीडिया का इस्तेमाल किसी की इमेज खराब करने के लिए किया जा रहा है और इसे रोकने के लिए कोई सही व्यवस्था नहीं है। कोर्ट ने प्लेटफॉर्म्स से सवाल किया कि ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए उनके पास एक प्रॉपर सिस्टम क्यों नहीं है।

यूपी के बिजनौर में हाईवे पर बह रही गंगा नदी

हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद ; झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 मौतें

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुईं। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फरुर्खाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिजार्पुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें हिमाचल की 160 और उत्तराखंड की 100 से ज्यादा सड़कें शामिल हैं। उत्तराखंड के देहरादून और बागेश्वर में 12वीं तक के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है।

भारतीय जहाज एमएसवी फैजे नूरे औलिया पर यमन के जलक्षेत्र के पास हमला सभी 14 भारतीय नाविक सुरक्षित

प्रात: किरण, एजेंसी

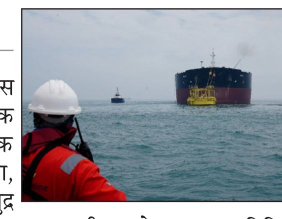

नई दिल्ली। यमन के जलक्षेत्र के पास लाल सागर में भारतीय ध्वज वाले एक जहाज ह्यफैजे नूरे औलियाह्ण पर एक अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया, जिसके कारण जहाज पलट गया और समुद्र में डूब गया। इस हमले में जहाज पर सवार 13 भारतीय वाले नाविक दल के 14 सदस्यों को बचा लिया गया है। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सवार्नंद सोनोवाल ने मंगलवार रात सोशल मीडिया पर इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि जहाज में सवार सभी नाविकों को यमनी तटरक्षक बल ने सुरक्षित बचा लिया गया है और उन्हें यमन के मोखा बंदरगाह लाया गया है। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए इस गैर-उकसावे वाली कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा, ह्लहमारे लोगों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुझे यह बताते हुए राहत मिल रही है कि सभी 14 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। मैंने महानिदेशक समुद्री प्रशासन (डीजीएमए) को सभी एजेंसियों के साथ तालमेल बना कर इस क्षेत्र में भारतीय नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने और बचाए गए चालक दल को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है।ह्व विदेश मंत्रालय ने भी देर रात इस हमले पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत इस निहत्थे वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि सऊदी अरब के रियाद स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और नाविकों की सुरक्षा व वापसी के लिए यमनी अधिकारियों के साथ सक्रियता से सहयोग कर रहा है।

पीएम मोदी ने 37 नए एनडीए सांसदों के साथ की बैठक

सदन में उपस्थिति और कामकाज में सक्रिय रूप से भाग लेने की दी सलाह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के 37 नए सांसदों के साथ नाश्ते पर एक विशेष बैठक की। इस दौरान राघव चड्ढा, नितिन नबीन और स्वाति मालीवाल समेत कई प्रमुख सांसद मौजूद रहे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सदन में ज्यादा वक्त बिताने और सीखने की सलाह बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सदन में अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। उन्होंने सलाह दी कि सांसद पक्ष और विपक्ष, दोनों के सदस्यों से सीखें और मिलकर आपसी समन्वय के साथ देशहित में काम करें। दूसरी ओर, संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। दोनों के बीच हुई इस बैठक में परिसीमन बिल समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

एथेनॉल से किसान की आमदनी बढ़ेगी: शिवराज सिंह चौहान

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंगलवार को कहा कि एथेनॉल संबंधी खेती उनके लिए एक बड़ा मौका है, बशर्ते इसकी नीति किसान केंद्रित हो और फसल का सही दाम सीधे किसान तक पहुँचे। यह बात अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति (एआईकेसीसी) के प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसानों ने श्री चौहान से यहां हुई एक बैठक में कही। इसमें पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु सहित देशभर के किसान नेता शामिल थे। बैठक में मुख्य फोकस एथेनॉल, किसानों की आय, एमएसपी, बाजार और राष्ट्रीय कृषि नीति पर रहा। किसानों ने श्री चौहान को बताया कि वे एथेनॉल के पक्ष में हैं, और चाहते हैं कि इस कार्यक्रम का असली लाभ किसान को मिले, केवल कंपनियों या बिचौलियों को नहीं। कृषि मंत्री श्री चौहान ने किसान नेताओं के सभी सुझाव ध्यान से सुने और उन्हें भरोसा दिलाया कि एथेनॉल पर किसानों की बात को सरकार गंभीरता से लेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि किसान नेताओं ने कहा कि गन्ना, मक्का, चावल और अन्य उपज से एथेनॉल बनने पर किसानों को ज्यादा खरीदार मिलेंगे, और फसल खराब होने या भंडारण की दिक्कत कम होगी। किसानों ने कहा कि वे एथेनॉल के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह समर्थन में हैं, लेकिन यह जरूरी है कि मक्का हो या गन्ना, किसी भी फसल के समुचित दाम किसानों को मिले। श्री चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार की सोच साफ है और वह यह कि एथेनॉल कार्यक्रम का फायदा खेत से लेकर फ्यूल टैंक तक पूरी चेन में हो, लेकिन सबसे बड़ा हिस्सा किसान के हित में जाए। श्री चौहान ने कहा कि एथेनॉल से देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी और किसानों की जेब भी, हमारा जोर इसी पर है कि किसी फसल और किसी राज्य के साथ अन्याय न हो। उन्होंने बैठक में भरोसा दिया कि मक्का, चावल, गन्ना और अन्य फीडस्टॉक के दाम और मांग का संतुलन बनाए रखने के लिए नीति की समीक्षा होगी। किसानझहित, विशेषकर मक्का किसानों के फायदे की दृष्टि से ही निर्णय लिए जाएंगे। एथेनॉल पर जो वैज्ञानिक अध्ययन और तकनीकी रिपोर्ट हैं, उनके माध्यम से नकारात्मक नैरेटिव का जवाब दिया जाएगा, और किसानों के साथ मिलकर तथ्यझआधारित संवाद चलाया जाएगा। बैठक में कई किसान नेताओं ने कहा कि एथेनॉल के नाम पर सोशल मीडिया और कुछ प्लेटफॉर्म पर भ्रम फैलाया जा रहा है।

रिजिजू ने राहुल-प्रियंका के साथ बैठक की

संसद परिसर में प्रदर्शन गृहमंत्री से जवाब की मांग

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 13वें दिन बुधवार को संसद परिसर में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, राम मंदिर चढ़ावा चोरी तथा अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरा और गृहमंत्री अमित शाह से संसद में जवाब देने की मांग की। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक विरोध मार्च भी निकाला। प्रदर्शन में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल तथा अन्य विपक्षी दलों के सांसद बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे। विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग किया गया और इस पूरे मामले की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। विपक्षी सांसदों ने मांग की कि गृहमंत्री संसद में आकर इन मुद्दों पर अपना पक्ष रखें। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि छात्रों पर गोली, पैलेट गन, आंसू गैस या लाठीचार्ज का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी किसी न किसी की अवश्य होगी। ऐसे आदेश किसी अधिकारी या सरकार के स्तर से ही दिए जाते हैं, इसलिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। देश की लोकतांत्रिक परंपरा यही रही है कि ऐसी घटनाओं के लिए जवाबदेही स्वीकार की जाए। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज केवल राहुल गांधी के खिलाफ मामले दर्ज कराने के लिए सक्रिय रहती हैं। उन्हें कानून की सही समझ नहीं है और वह जब चाहें पुलिस थाने पहुंच जाती हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

कर्णप्रयाग के कांडा मैखुरा में भारी बारिश से ढहा मकान, तड़के परिजनों ने भागकर बचाई जान

चमोली, एजेंसी। महिला घर की नीचे वाले हिस्से में सो रही थी। तड़के तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। खतरे का अहसास होते ही महिला घर से बाहर भागी। तभी घर का ऊपर का हिस्सा ढह गया। कर्णप्रयाग क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ग्राम पंचायत कांडा मैखुरा में एक आवासीय भवन ढहने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि समय रहते सतर्कता बरतने से एक बड़ा हादसा होने से बच गया और परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात जानकी देवी पत्नी स्वर्गीय अनुसूया प्रसाद डिमरी अपने घर की भूतल पर सो रही थीं। तड़के लगभग चार बजे अचानक एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। खतरे का अहसास होते ही जानकी देवी तुरंत भागकर मकान से बाहर आ गईं। उनके बाहर निकलते ही पूरा मकान देखते ही देखते ढह गया। उक्त मकान में त्रिलोक चंद डिमरी, नवीन डिमरी, बच्चे और उनकी माता जानकी देवी निवास करते थे। हादसे के बाद से पीड़ित परिवार गहरे सदमे और परेशानी में है। ग्राम प्रधान हेमंती मैखुरी और सामाजिक कार्यकर्ता देवी प्रसाद मैखुरी ने बताया कि घटना की सूचना तुरंत उपजिलाधिकारी और राजस्व उपनिरीक्षक को दे दी गई है। प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता और मुआयना करने की मांग की गई है।

भारी बारिश से आफत; किमाणा गांव में देर रात आया पानी और मलबा, दहशत में रातभर जागते रहे ग्रामीण

चमोली, एजेंसी। बारिश के दौरान गांव के ऊपरी हिस्से से भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा बहकर बस्ती तक पहुंच गया। जिससे गाद गांव के रास्तों, खेतों और घरों के आसपास जमा होने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गई हैं। विकासखंड के किमाणा गांव में देर रात भारी बारिश के बीच मलबा और पानी आने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीण रात भर जागते रहे और पहरेदारी करते रहे। बता दें कि यहां विगत दिनों से गांव के ऊपर से मलबा व पानी आने से गांव खतरे की जद में है। उधर, पिछले दिनों हुई बारिश के दौरान गांव के ऊपरी हिस्से से भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा बहकर बस्ती तक पहुंच गया। जिससे गाद गांव के रास्तों, खेतों और घरों के आसपास जमा होने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गई हैं। लगातार हो रहे भूस्खलन से गांव पर खतरा मंडरा रहा है। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि पहाड़ी से आ रहे मलबे और पानी के कारण कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है तथा कुछ गौशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि संभावित खतरे को देखते हुए प्रभावित परिवारों के लिए तिरपाल की व्यवस्था कर दी गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जा सके। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

बिष्ट इलेवन थल ने खेतभराड़ बॉयज को हराकर फाइनल में किया प्रवेश

थल(पिथौरागढ़), एजेंसी। रोमांच और संघर्ष से भरपूर फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में बिष्ट इलेवन थल और खेतभराड़ बॉयज बांसबगड़ के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। यहां निर्धारित समय तक दोनों टीमें तीन-तीन गोल से बराबरी पर रहीं, अंततः पेनल्टी शूटआउट में बाजी मारकर बिष्ट इलेवन थल ने फाइनल में प्रवेश किया। डॉ. बीरेंद्र सिंह जंगपांगी खेल मैदान में शुक्रवार को मैच काफी रोमांचक रहा। बांसबगड़ और बिष्ट इलेवन थल की टीम के बीच मुकाबला टक्कर का रहा। मैच का निर्णय पेनल्टी शूट आउट के आधार पर निकाला गया। बिष्ट इलेवन थल के खिलाड़ियों ने पेनल्टी शूट आउट में पांच गोल दागे। बांसबगड़ की टीम चार गोल ही कर सकी। ऐसे में थल ने 5-4 के अंतर से मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। अब बिष्ट इलेवन थल की टीम फाइनल में ओएफसी पिथौरागढ़ से भिड़ेगी। रेफरी राजा जोशी, लाइनमैन पारस कार्की, संजय साह रहे। मैच का आंखों देखा हाल नवराज भैसोड़ा, रिंकू सोरियाल ने सुनाया। यहां आयोजन समिति के अध्यक्ष अमित सत्याल, सचिव प्रथम बिष्ट, अमन सत्याल, रोहित पंत, करण बिष्ट, शमशेर चंद समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

पहली बार धौलाधार वन्यजीव अभयारण्य में हिम तेंदुए की फोटो कैमरा ट्रैप में कैद, पुख्ता साक्ष्य मिले

कोटद्वार, एजेंसी। पहली बार धौलाधार वन्यजीव अभयारण्य में हिम तेंदुए की फोटो कैमरा ट्रैप में कैद हुई। अभयारण्य में तउपस्थिति के पहली बार पुख्ता साक्ष्य मिले हैं।हिमाचल प्रदेश के धौलाधार वन्यजीव अभयारण्य में अध्ययन के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में हिम तेंदुए की फोटो कैप्चर हुई है। यह पहली बार है कि हिम तेंदुए के होने के पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। धौलाधार वन्यजीव अभयारण्य में भारतीय वन्यजीव संस्थान, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और हिमाचल वन विभाग संयुक्त रूप से अध्ययन कर रहे हैं। यहां पर अध्ययन के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में 2800 मीटर की ऊंचाई पर हिम तेंदुए का फोटोग्राफ आया है। इस अध्ययन से जुड़े और भारतीय वन्यजीव संस्थान के प्रोजेक्ट एसोसिएट अमरपाल सिंह बताते हैं कि दिसंबर-2025 में कैमरे लगाए थे।

कांवड़ मेले में देवदूत बनी एसडीआरएफ, गंगा में डूब रहे 22 कांवड़ियों की बचा चुकी जान, बिछड़ों का सहारा बनी हरिद्वार पुलिस

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले में करोड़ों शिवभक्तों की सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ की टीमें लगातार मुस्तैद हैं. गंगा के तेज बहाव और भारी भीड़ के बीच एसडीआरएफ अब तक डूब रहे 22 कांवड़ियों की जान बचाकर देवदूत साबित हुई है. हरिद्वार के गंगा घाटों पर सबसे अधिक फोकस रखते हुए तीन जिलों में एसडीआरएफ की नौ टीमें तैनात की गई हैं, जो चौबीस घंटे निगरानी और राहत बचाव कार्य में जुटी हैं.

एसडीआरएफ के आईजी योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान सबसे संवेदनशील क्षेत्र हरिद्वार के गंगा घाट हैं. इसी को देखते हुए नौ टीमों में से छह टीमें हरिद्वार, दो टीमें टिहरी और एक टीम पौड़ी में तैनात की गई हैं. सभी टीमें अपने अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रही हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके.

उन्होंने बताया कि गंगा का तेज बहाव हर वर्ष सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आता है. कई श्रद्धालु चेतावनी और सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी करते हुए गहरे पानी या तेज धारा वाले हिस्सों में उतर जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे समय में एसडीआरएफ के जवान अपनी जान जोखिम में डालकर रेस्क्यू अभियान चलाते हैं.

आईजी ने बताया कि सभी रेस्क्यू टीमों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है. तेज बहाव में बचाव कार्य के लिए मोटरबोट, लाइफ जैकेट, रस्सियां और अन्य आधुनिक रेस्क्यू संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं. किसी भी सूचना पर टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर देती हैं. गंगा घाटों के अलावा मनसा देवी और नीलकंठ महादेव मार्ग पर भी एसडीआरएफ की विशेष नजर है.

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए संभावित संवेदनशील स्थानों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है. जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत कार्य शुरू करने के लिए टीमें पूरी तरह तैयार रखी गई हैं.

कांगड़ा घाट पर विशेष फोकसः एसडीआरएफ की टीमें पूरे कांवड़ मेले के दौरान 24 घंटे ड्यूटी कर रही हैं. अभी तक गंगा में डूब रहे 22 कांवड़ियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई जा चुकी है. गंगा में डूबने के सबसे ज्यादा मामले कांगड़ा घाट पर ही सामने आए हैं. यहां बड़ी गंगा से भागीरथी बिंदु पर बनाए गए डैम से होते हुए तेज धारा हरकी पैड़ी की तरफ आती है. यहां पानी के बहाव के साथ ही गहराई भी ज्यादा है. जान जोखिम में डालकर कांवड़िए बीच धारा में बह जा रहे हैं और संतुलन खो रहे हैं. इसलिए यहां पर विशेष टीम एसडीआरएफ की तैनात की गई है, जो लगातार दिन रात मॉनिटरिंग कर रहीं है. पिछले कांवड़ मेले में भी यहां गंगा में रेस्क्यू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए थे. गंगा में डूबने के पांच मामले सामने आएः अभी तक गंगा में डूबने के पांच मामले सामने आ चुके हैं. पांच दिन पहले हरिद्वार के जटवाड़ा पुल के पास बीच गंगनहर में जाकर स्नान कर रहे चंडीगढ़ के चार कांवड़ियों की डुबने से मौत हो गई थी. हालांकि डूबने के कुछ देर बाद ही एसडीआरएफ की टीम ने सभी कांवड़ियों के शव बाहर निकाल लिए थे. वहीं सोलानी नदी में डूबने से भी एक कांवड़िए की मौत हो गई थी. एक स्थानीय युवक सोलानी नदी में अचानक डूबकर लापता हो था. सोमवार को एसडीआरएफ की टीम ने उसका शव नदी से खोजकर बाहर निकाला था. कांवड़ में हरिद्वार पुलिस बनी बिछड़ों का सहाराः कांवड़ मेले की भारी भीड़ में जहां करोड़ो शिवभक्त अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं. वहीं इस भीड़ में अपनों से बिछड़ने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं. ऐसे मुश्किल समय में हरिद्वार पुलिस केवल कानून व्यवस्था संभालने तक सीमित नहीं रही, बल्कि मानवता का परिचय देते हुए दो परिवारों को फिर से मिलाने का काम किया. मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता ने बिछड़े परिजनों को मिलाकर भावुक पल पैदा कर दिए. पहले चार दिनों से हरिद्वार में भटक रही मूक बधिर महिला को उसके परिजनों से मिलाया, वहीं एक पांच साल की बच्ची को सघन अभियान चलाकर मां से मिलाया गया. पहला मामला हरिद्वार के बहादराबाद बायपास का है. ड्यूटी पर तैनात सेक्टर ऑफिसर एसआई हेमदत्त भारद्वाज को खुर्जा निवासी सुनीता पत्नी मुरारी लाल बेहद परेशान हालत में मिलीं. उन्होंने बताया कि अत्यधिक थकान के कारण उन्होंने अपनी पांच वर्षीय बेटी नंदिनी को रास्ते में जा रहे एक पिकअप कांवड़ वाहन में बैठा दिया था, लेकिन वाहन आगे निकल गया. उनके पास वाहन का नंबर या उसमें सवार कांवड़ियों की कोई जानकारी नहीं थी. सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम को अलर्ट किया गया और बच्ची की जानकारी को सभी पुलिस ग्रुपों में शेयर किया गया.

इसके बाद पुलिस टीम महिला को सरकारी वाहन में साथ लेकर बहादराबाद बायपास, कोर कॉलेज, टोल प्लाजा और हाईवे पर चल रहे व रुके हुए पिकअप वाहनों की तलाश में जुट गई. लगातार प्रयासों के बाद साईं मंदिर के पास एक पिकअप वाहन में मासूम नंदिनी सकुशल मिल गई. बेटी को सुरक्षित देखकर मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े. उन्होंने हरिद्वार पुलिस का आभार जताया. वहीं दूसरा मामला हरिद्वार के कनखल क्षेत्र का है. एक मूक बधिर और बिना पढ़ी लिखी महिला अपनी दो वर्षीय बेटी के साथ शंकराचार्य चौक पर रोती हुई मिली थी. महिला न सुन सकती थी, न बोल सकती थी और न ही अपना पता बता पा रही थी. पुलिस उसे थाने लाई और महिला कर्मियों की देखरेख में रखा. सुरक्षा के मद्देनजर बाद में उसे वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया. पुलिस ने सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से महिला और बच्ची की जानकारी साझा कर परिजनों की तलाश शुरू की. करीब चार दिन की मेहनत के बाद महिला के ससुर राजकुमार हरिद्वार पहुंचे.

बदरीनाथ धाम में 25 लीटर शराब बरामद

चमोली, एजेंसी। धाम की गरिमा के साथ खिलवाड़ करना कुछ युवकों को भारी पड़ गया. ऑपरेशन 'प्रहार' के तहत बदरीनाथ पुलिस ने 25 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. वहीं, मंदिर परिसर में असभ्य हरकत करने वाले तीन युवकों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

बदरीनाथ धाम की पवित्रता एवं चारधाम यात्रा के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत कोतवाली बदरीनाथ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. पुलिस द्वारा बदरीनाथ धाम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने भृगुधारा गुफा जाने वाले पैदल मार्ग पर घेराबंदी करते हुए एक व्यक्ति को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है. जिसकी पहचान सुरेन्द्र सिंह 75

एक आरोपी गिरफ्तार

वर्ष,निवासी ग्राम भृगुधारा,थाना बदरीनाथ के रूप में हुई है.

पुलिस ने बताया गया कि, गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से 25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई. पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर उसके विरुद्ध थाना बदरीनाथ पर मु.अ.सं. 10/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है. साथ ही अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

वहीं दूसरी और पुलिस टीम द्वारा मंदिर परिसर के समीप पंजाब निवासी तीन युवकों को सार्वजनिक स्थान पर असभ्य एवं अशोभनीय हरकतें करते हुए पाया गया. श्रद्धालुओं की आस्था एवं धाम की गरिमा को देखते हुए तीनों युवकों को तत्काल कोतवाली लाया गया. उनके विरुद्ध पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई. पुलिस ने धाम की मर्यादा के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि,धाम की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों से पुलिस सख्ती के साथ निपटेगी.

बता दें इससे पूर्व में भी चेकिंग के दौरान एक वाहन से अलग-अलग पैकेटों में रखा गया लगभग 12 किलो से अधिक चिकन व मछली का मांस व शराब की बोतलें बदरीनाथ पुलिस ने बरामद की थी. बताते चलें कि,बदरीनाथ धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है. जहां धार्मिक परंपराओं के अनुरूप मांस व मदिरा का सेवन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है. ऐसे में किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री को धाम क्षेत्र में लाना धार्मिक भावनाओं को आहत करने के साथ-साथ स्थानीय नियमों का भी उल्लंघन है.

मसूरी बोर्ड बैठक में हंगामा, धरने पर बैठे सभासद, पर्यटन प्रभारी के इस्तीफे के ऐलान के बाद शांत हुआ माहौल

मसूरी, एजेंसी। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक मंगलवार को हंगामे की भेंट चढ़ गई. बैठक शुरू होते ही सभासद सचिन गुहेर ने उन पर लगाए जा रहे पैसों के लेनदेन के आरोपों का कड़ा विरोध किया और सदन के बीच धरने पर बैठ गए. उनके इस कदम से बैठक का माहौल अचानक गरमा गया और कुछ देर के लिए कार्यवाही ठप हो गई.

सभासद सचिन गुहेर के समर्थन में सभासद पवन थलवाल, विशाल खरोला, अमित भट्ट, गौरी थपलियाल, रुचिता गुप्ता, बबीता मल्ल और शिवानी भारती भी धरने पर बैठ गए. सभी सभासदों ने आरोपों को निराधार बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने और तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग की.

इसी दौरान सदन में पर्यटन प्रभारी को लेकर भी विवाद गहरा गया. कुछ सभासदों ने पर्यटन प्रभारी सीपी बडोनी से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग उठाई. इस मुद्दे पर सदन में जमकर बहस और नोकझोंक हुई, जिससे बैठक का माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया.

बढ़ते हंगामे के बीच पर्यटन प्रभारी सीपी बडोनी ने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की. इसके बाद माहौल धीरे-धीरे शांत हुआ और सभासदों की सहमति के बाद बोर्ड बैठक की कार्यवाही दोबारा शुरू की गई.

बैठक के शुरुआती घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया कि पालिका के भीतर कई मुद्दों को लेकर मतभेद गहराते जा रहे हैं. हालांकि हंगामे के बाद बैठक आगे बढ़ी, लेकिन शुरुआत में हुए विरोध और धरने की चर्चा पूरे दिन नगर की राजनीतिक और सामाजिक हलकों में होती रही.

रामनगर में छात्र दो गुटों में खूनी संघर्ष, चाकू और लोहे के कड़ों से हमला, दो छात्र गंभीर घायल

रामनगर, एजेंसी। मंगलवार को रामनगर में छात्रों के दो गुटों के बीच मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया. ग्राम जस्सागांजा में दिनदहाड़े हुए इस हमले में चाकू, लोहे के कड़े, लाठी और डंडों का इस्तेमाल किया गया. जिसमें दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों घायलों को उपचार के लिए रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है. मंगलवार दोपहर रामनगर के ग्राम जस्सागांजा क्षेत्र में उस समय अफरातफरी मच गई, जब छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मामूली कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देखते ही देखते दर्जनों युवक मौके पर पहुंच गए. दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई. आरोप है कि हमलावरों के हाथों में चाकू, लोहे के कड़े, लाठी और डंडे थे. जिनसे उन्होंने दो छात्रों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. घटना में घायल छात्र नीरज कुमार और राहुल ने बताया करीब 50 से 60 युवक उनके घर के पास पहुंचे. उन्होंने बिना किसी ठोस वजह के गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी. उनका आरोप है कि हमलावरों ने लोहे के कड़ों से नीरज के सिर पर कई वार किए. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं राहुल के हाथ पर चाकू से कई वार किए गए. जिससे वह लहूलुहान हो गया. बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है. घटना के बाद आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है. दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे गांव में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है. परिजनों ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है. मामले में रामनगर कोतवाल सुशील कुमार ने बताया घटना गंभीर है. पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर मिलने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया घायलों द्वारा बताए गए आरोपियों की पहचान कर ली गई है. उनकी तलाश के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

चारधाम के साथ अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने बनाया रिकॉर्ड; त्रियुगीनारायण में ढाई गुना बढ़े

पौड़ी, एजेंसी। चारधाम यात्रा में अब तक 45.84 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, जनवरी से जून तक जागेश्वर धाम में 1.74 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इस अवधि में यह संख्या 67 हजार 875 थी।

चारधाम के साथ अन्य ऐतिहासिक मंदिरों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का रिकॉर्ड बन रहा है। इस साल अब तक जागेश्वर व त्रियुगीनारायण में बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। वहीं, धारी देवी व पूर्णागिरि धाम में डेढ़ गुना श्रद्धालु बढ़े हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड को वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। चारधाम के साथ ही अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में दर्शन के लिए उमड़ रही भक्तों की लगातार बढ़ती संख्या को प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों को पर्यटन सर्किट से जोड़ने के साथ केदारखंड की तर्ज पर मानसखंड मंदिरमाला मिशन के तहत पौराणिक मंदिरों का विकास, बुनियादी सुविधाएं, सड़कों का विस्तार किया

जा रहा है। चारधाम यात्रा में अब तक 45.84 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, जनवरी से जून तक जागेश्वर धाम में 1.74 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इस अवधि में यह संख्या 67 हजार 875 थी। पूर्णागिरि धाम में जून माह तक 20,91,788 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बीते वर्ष इसी अवधि में 14,35,290 यात्रियों ने दर्शन किए थे। धारी देवी में दर्शनार्थियों की संख्या 5,42,626 रही है, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 2,83,275 था। त्रियुगीनारायण में भी श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष 3.40 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में भक्तों की संख्या 1.36 लाख थी।

हरिद्वार में कार में छिपकर बैठा था 7 फीट लंबा रेड स्नेक

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार शहर में तीन अलग अलग स्थानों पर सांप निकलने से लोगों में अफरा तफरी मच गई. वहीं कार में सांप निकलने से कार मालिक के होश फाख्ता हो गए. सांप करीब सात फीट लंबा था, जिसे धामन सांप कहा जाता है. रेस्क्यू टीम ने कार में सांप को पकड़ने का प्रयास शुरू किया, लेकिन सांप बैकलाइट के अंदर घुसकर बैठ गया. जिसके बाद उसे बमुश्किल रेस्क्यू किया गया.

गौर हो कि सांप निकलने की सूचना मिलते ही वन विभाग की क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची और तीनों सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ दिया. मानसून सीजन में सांप और अन्य वन्यजीव आबादी में घुस रहे हैं, जिससे अफरा तफरी का माहौल बन रहा है. वहीं वन विभाग ने मानसून सीजन में क्यूआरटी टीम को अलर्ट मोड पर रखा है.

पहली घटना सेक्टर 3 क्षेत्र की है, जहां एक कार के भीतर करीब सात फीट लंबा रेड स्नेक मिला. स्थानीय भाषा में इसे धामन सांप कहा जाता है. कार मालिक की नजर जब सांप पर पड़ी तो उसके होश उड़ गए और इसकी जानकारी मिलने पर घर में अफरा तफरी मच

गई. कार मालिक द्वारा तत्काल वन विभाग की क्यूआरटी टीम को इसकी सूचना दी गई. सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और टीम ने कार में सांप को पकड़ने का प्रयास शुरू किया, लेकिन सांप बैकलाइट के अंदर घुसकर बैठ गया.

जिसके बाद कार्र को एक धुलाई सेंटर तक पहुंचाया, जहां सीट कवर और बैकलाइट खुलवाकर सांप की तलाश की गई. काफी मशक्कत के बाद स्नेक कैचर भोला ने सांप को बाहर निकालकर का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया. इसके बाद कार मालिक ने राहत की सांस ली. दूसरी घटना राजलोक कॉलोनी में हुई, जहां एक मकान के अंदर करीब छह फीट लंबा कोबरा निकल आया. घर में कोबरा दिखाई देते ही परिवार के लोगों में दहशत फैल गई. लोगों ने वन विभाग को सूचना दी और सूचना पर पहुंची क्यूआरटी टीम ने कोबरा का रेस्क्यू शुरू किया.

कड़ी मशक्कत के बाद टीम में शामिल स्नेक कैचर भोला ने सावधानीपूर्वक कोबरा का रेस्क्यू किया. रेस्क्यू करने के बाद कोबरा सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया. वहीं तीसरा रेस्क्यू मनसा देवी मंदिर के पास जोगीवाला कॉलोनी में किया गया, यहां एक घर में अजगर सांप आने से अफरा तफरी मच गई. सूचना मिलते ही स्नेक कैचर जितेंद्र मौके पर पहुंचे और अजगर को सकुशल रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया. हालांकि तीनों मामले में किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ.

उड़ीसा में भाजपा सरकार ने डालमिया सीमेंट के लिए आदिवासियों से जबरन छीन ली 950 एकड़ जमीन: संजय सिंह

● ग्राम पंचायतों से बिना सहमति लिए भाजपा सरकार ने पुलिस के दम पर 12 गांवों की जमीनों पर अवैध कब्जा कर लिया: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले में आदिवासियों की 950 एकड़ जमीन अधिग्रहित कर डालमिया सीमेंट को देने रही भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पेसा एक्ट को दरकिनार कर डालमिया सीमेंट के विस्तार के लिए आदिवासी समाज से 950 एकड़ जमीन जबरन छीन लिया है। पेसा एक्ट कहता है कि आदिवासियों की जमीन लेने से पहले ग्राम पंचायतों की सहमति लेनी जरूरी है, लेकिन कोई सहमति नहीं ली गई और पुलिस के दम पर जबरदस्ती 5 ग्राम पंचायतों के 12 गांवों की जमीनों पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी सरकार दलितों, आदिवासियों और वंचितों से नफरत करती है। गरीबों और आदिवासियों से जमीन छीनकर अपने पूंजीपति मित्रों को देना ही इनका एकमात्र लक्ष्य बन गया है। बुधवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि पूरे देश में किसान, आदिवासी, दलित और वंचित तबके के लोगों की जमीनों को बिना मुआवजा दिए जबरन अधिग्रहित करना और पुलिस बल लगाकर उन्हें बेदखल करना भाजपा और मोदी सरकार का चरित्र बन गया है। जहां-जहां भी इनकी डबल या सिंगल इंजन सरकार है, उनका एक ही लक्ष्य है कि किसी भी तरह से पूंजीपतियों के लिए जमीन पर कब्जा किया जाए, चाहे इसके लिए गोली या डंडा ही क्यों न चलाना पड़े। बिहार में एक रुपए में 10 लाख आम-लीची के पेड़ और हजारों एकड़ जमीन अडानी को दे दी गई थी। इसी तरह, उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले में डालमिया सीमेंट के विस्तार के लिए आदिवासियों की करीब 950 एकड़ जमीन जबरन अधिग्रहित की जा रही है। संजय सिंह ने बताया कि कानून और नियम कहते हैं कि बिना पंचायत और आदिवासी समाज की सहमति के उनकी जमीन का अधिग्रहण या कब्जा नहीं किया जा सकता है। लेकिन सुंदरगढ़ में पांच पंचायत और लगभग 11-12 गांवों के लोगों से कोई सहमति नहीं ली गई और डंडे-लाठी के दम पर उनकी जमीनें कब्जा ली गईं। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है और मैंने इसे संसद में उठाने के लिए नोटिस भी दिया है। मोदी सरकार दलितों, आदिवासियों और गरीबों की विरोधी है। मैं उड़ीसा में भाजपा की डबल इंजन सरकार से कहना चाहता हूं कि आदिवासियों के साथ हो रहे इस अन्याय और अत्याचार पर ध्यान दे और तुरंत इस अवैध अधिग्रहण को रोकने का काम करे। इस दौरान सुंदरगढ़ में जमीन मालिक राकेश रोशन ने कहा कि बहुत दुख की बात है कि उड़ीसा के मुख्यमंत्री, हमारे सुंदरगढ़ जिले से आने वाले केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री और यहां तक कि देश की राष्ट्रपति भी आदिवासी हैं, लेकिन इतने बड़े पदों पर होने के बावजूद आदिवासियों की जमीनें छिनने से बचाई नहीं जा रही हैं। हमारी 950 एकड़ से ज्यादा जमीनें हमारी जानकारी और सहमति के बिना ही काट ली गईं। जब हम अपना धान बेचने गए, तब हमें पता चला कि हमारी जमीन कम हो गई है। हमारी यह लड़ाई 2018 से जारी है।

सियाम ने भी माना, ई-20 में ज्यादा क्लोराइड और नमी के कारण खराब हो रही गाड़ियां: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई-20 को लेकर सियाम से सौंपी गई रिपोर्ट को वापस कराने पर केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सियाम (सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स) की एक रिपोर्ट आई है, जिसमें साफ लिखा है कि ई-20 में बहुत ज्यादा क्लोराइड और नमी है, जिससे आपकी गाड़ियां खराब हो रही हैं। मोदी सरकार ने सियाम पर दबाव डालकर वो रिपोर्ट वापस करवा दी। क्यों? जब विज्ञान और इंजीनियरिंग कह रहे हैं कि ई-20 खराब है, तो मोदी सरकार इसे देश पर जबरन क्यों थोप रही है? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई-20 को लेकर सियाम की यह रिपोर्ट चौंकाने वाली है। सियाम ने रिसर्च की और ऑटोमोबाइल के सभी मैन्युफैक्चरर्स ने मिलकर यह पाया कि क्लोराइड और मॉइस्चर ज्यादा होने की वजह से ई-20 गाड़ियों को खराब कर रहा है। सियाम ने 28 जुलाई को मोदी सरकार को यह रिपोर्ट सौंपी थी। 4 अगस्त तक केंद्र सरकार ने सियाम पर जबरदस्ती करके यह रिपोर्ट वापस करा दी। रिपोर्ट वापस करने के बाद सियाम की तरफ से कहा गया कि शायद उनकी रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ी है और कुछ तथ्यों को दोबारा चेक करने की जरूरत है। एक तरह से मोदी सरकार जबरदस्ती करके पूरे देश पर ई-20 थोप रही है, लेकिन क्यों?

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा पेपर लीक ज्वलंत मुद्दा, कारणों की जांच करने की जरूरत: राज्यसभा सदस्य विजेंद्र प्रसाद

नई दिल्ली। परीक्षा पेपर लीक को देश का ज्वलंत मुद्दा करार देते हुए राज्यसभा सदस्य और प्रसिद्ध पटकथा लेखक वी विजयेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली होनी चाहिए जिसके तहत लीक की आशंका को कम करने के लिए परीक्षा शुरू होने से कुछ मिनट पहले प्रश्न पत्र तैयार और एन्क्रिप्ट किए जाएं। बाहुबली, आरआरआर और बजरंगी भाईजान जैसी सुपरहिट फिल्में लिखने वाले प्रसाद ने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा के समय के बीच के अंतर से लीक की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, फिलहाल, यह देश में एक ज्वलंत मुद्दा है। हमें पेपर लीक के पीछे के कारणों की जांच करने की आवश्यकता है क्योंकि प्रश्न पत्र की तैयारी और परीक्षा के समय के बीच अंतर होता है। लीक किसी भी स्तर पर हो सकता है जहां पेपर तैयार किया जाता है, मुद्रित किया जाता है, बाइंड किया जाता है, या ले जाया जाता है। इसे कैसे रोका जा सकता है, या इसकी आशंका न्यूनतम कैसे की जा सकती है। इस साल नीट परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों के बाद पेपर लीक का मुद्दा केंद्र में आया, जिसके बाद व्यंग्यपूर्ण डिजिटल संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

कांग्रेस करेगी एफसीआर विधेयक का विरोध, केसी बोले- दमनकारी कानून

नई दिल्ली। कांग्रेस विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 (एफसीआर संशोधन विधेयक) का संसद में विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार एफसीआर संशोधन विधेयक को पुराने स्वरूप में फिर से लाना चाहती है, जिससे कुछ संगठनों को विशेष छूट मिलेगी, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और पूरा विपक्ष इस दमनकारी विधेयक का पुरजोर विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वेणुगोपाल ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर पार्टी की चिंताओं को मजबूती से सरकार के सामने रखा है। कांग्रेस और विपक्ष का रुख पूरी तरह स्पष्ट है और सरकार एफसीआरए को पुराने स्वरूप में नहीं ला सकती। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठनों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों के साथ अलग व्यवहार किया जाएगा।

निवेश ठगी के कॉल सेंटर पर छापा इंदौर से 6 साइबर ठग दबोचे

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। द्वारका जिले की साइबर थाना पुलिस ने निवेश के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में चल रहे अवैध कॉल सेंटर पर छापा मारकर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह खुद को नामी निवेश कंपनी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को शेयर और फॉरेक्स ट्रेडिंग में ऊंचे मुनाफे का झांसा देता था। कार्रवाई के दौरान 28 सीपीयू, 25 मोबाइल फोन, 2 वाई-फाई राउटर, डीवीआर और रिकॉर्डिंग कैमरा समेत बड़ी मात्रा में डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए। मामले का खुलासा तब हुआ जब उत्तम नगर निवासी एक व्यक्ति ने 17.30 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पहले शेयर बाजार में निवेश कर भरोसा बनाया और बाद में फर्जी विदेशी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर भारी मुनाफे का लालच देकर लगातार रकम जमा करवाई। पैसे निकालने की कोशिश करने पर बहाने बनाकर नुकसान दिखाया गया और पूरी राशि हड़प ली गई। जांच के दौरान देश के कई राज्यों से 54.70 लाख रुपये से अधिक की ठगी के मामले इस गिरोह से जुड़े पाए गए। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने इंदौर के एक व्यावसायिक परिसर में दबिश देकर कॉल सेंटर का पदार्फाश किया। आरोपियों के कब्जे से मिले कंप्यूटरों में 1400 से अधिक स्प्रेडशीट मिली हैं, जिनमें हजारों लोगों के व्यक्तिगत व बैंकिंग विवरण दर्ज हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पिछले कुछ महीनों से यह धंधा चला रहे थे और उन्हें वेतन के साथ ठगी गई रकम पर कमीशन भी मिलता था। पुलिस गिरोह के मास्टरमाइंड और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

वीजा उल्लंघन पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा, ऑपरेशन विस्टा में 11 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। केंद्रीय जिला पुलिस ने वीजा नियमों के उल्लंघन पर कड़ा प्रहार करते हुए ऑपरेशन विस्टा 1.0 के तहत 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी दोहरे प्रवेश वीजा पर भारत आए थे, लेकिन प्रत्येक यात्रा के लिए निर्धारित 15 दिन की सीमा को पार कर अवैध रूप से राजधानी में रह रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से पासपोर्ट, वीजा और मोबाइल फोन बरामद कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई की शुरुआत पहाड़गंज इलाके में गश्त के दौरान हुई, जहां एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने पर पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। पूछताछ में सामने आया कि कई विदेशी नागरिक वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी दिल्ली में छिपकर रह रहे हैं। इसके आधार पर पुलिस टीम ने दक्षिणी दिल्ली के हौज रानी क्षेत्र में छापेमारी कर 10 अन्य लोगों को भी धर दबोचा। सभी के दस्तावेजों की जांच में वीजा शर्तों के स्पष्ट उल्लंघन की पुष्टि हुई। जांच के बाद सभी आरोपियों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से प्रतिबंध आदेश जारी करते हुए उन्हें सराय रोहिल्ला स्थित सेवा धाम निरोध केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि वीजा नियमों को सख्ती से लागू करने और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

भारत-श्रीलंका ने 35 करोड़ डॉलर की ऋण सहायता पर समझौतों का किया आदान-प्रदान

नई दिल्ली। श्रीलंका की एक दिन की यात्रा पर गए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को राजधानी कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान दोनों देशों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपये मूल्यवर्ग (आईएनआर) आधारित ऋण सहायता (लाइन ऑफ क्रेडिट) से जुड़े समझौतों का भी आदान-प्रदान किया। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री की राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ हुई बैठक में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के बाद दोनों पक्षों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रुपये आधारित लाइन ऑफ क्रेडिट से संबंधित समझौतों का आदान-प्रदान किया।

कांग्रेस में डॉ. अजय पांडेय को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं राजनीति की पाठशाला के संस्थापक डॉ. अजय पांडेय को कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने और छात्र-युवा वर्ग के बीच संगठन की पकड़ मजबूत करने की रणनीति के तहत डॉ. पांडेय के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि बीते कुछ वर्षों में डॉ. अजय पांडेय ने शिक्षा, युवाओं के राजनीतिक प्रशिक्षण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई है। यही कारण है कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता उन्हें संगठनात्मक भूमिका देने के पक्ष में बताए जा रहे हैं। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि आगामी संगठनात्मक फेरबदल में कई नए चेहरों को अवसर दिया जा सकता है और इसी क्रम में डॉ. पांडेय का नाम भी चर्चा में है। हालांकि, अभी तक कांग्रेस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक गलियारों में चल रही चचाओं के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व संगठन में होने वाले संभावित बदलावों को लेकर क्या निर्णय लेता है। फिलहाल डॉ. अजय पांडेय को जिम्मेदारी मिलने की अटकलों पर कांग्रेस की आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

संसद में चर्चा करने की बजाय लोकतंत्र के मंदिर से भागते हैं राहुल गांधी: भाजपा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व, अंशकालिक और गैर-जिम्मेदार नेता करार देते हुए कहा है कि विपक्ष के नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे संसद में जायें, चर्चा करें, तथ्य पेश करें और सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठायें, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि विपक्ष के नेता लोकतंत्र के मंदिर से ही भागते हैं। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में श्री गांधी पर निशाना साधा और कहा कि कल एक सार्वजनिक कार्यक्रम में श्री गांधी ने बयान दिया और गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कहा कि प्रधानमंत्री कौन होते हैं, जो छात्रों को माफ करें, और उसके बाद उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सोच जहरीली है। उन्होंने कहा, हम और 1.4 अरब भारतीय भी यह जान गये हैं कि श्री गांधी को ह्यमोदी फोबिया और आरएसएस फोबिया है। जो लोग अपनी लकीर को बढ़ा नहीं सकते, वे उनके बारे में ऐसे बेतुके बयान देते रहते हैं। श्री भाटिया ने कहा कि श्री गांधी ने कल कहा कि हमारे देश के बच्चे सड़कों पर हैं, उनको भूलने की बीमारी है। वह झारखंड के बारे में बात नहीं करेंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस पर एक शब्द नहीं कहा है। वहां भाजपा विपक्ष में है और अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए कह रही है कि मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जानी चाहिए। इस बारे में श्री गांधी, श्री सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का क्या कहना है? उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता की ज़िम्मेदारी है कि वह संसद की कार्यवाही में शामिल हों, बहस करें, तथ्य पेश करें और संसद के सामने जनता से जुड़े मुद्दे उठायें, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि विपक्ष के नेता लोकतंत्र के मंदिर में जाने से कतराते हैं। उन्हें इससे डर लगता है। उन्होंने कहा, आज हर भारतीय के लिए गर्व और गौरव का क्षण है। इसी दिन यानी पांच अगस्त 2019 को हमारे संविधान में दर्ज अनुच्छेद 370 को जड़ से उखाड़ फेंका गया था। यह ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया।ह्व उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पांच अगस्त 2019 को भारत के संविधान की भावना का सम्मान करते हुए अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था।

वियटजेट ने 2026 की पहली छमाही में जबरदस्त ग्रोथ दर्ज की और 600 से ज्यादा विमानों के ऑर्डर के साथ 2030 के विजन को आगे बढ़ाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत। वियटजेट एविएशन जॉइंट स्टॉक कंपनी (HOSE: VJC) ने 2026 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए शानदार फाइनेंशियल और ऑपरेटिंग नतीजे घोषित किए हैं। इसकी वजह यात्रा की मजबूत मांग और लगातार अंतरराष्ट्रीय विस्तार है। एयरलाइन 600 से ज्यादा नई पीढ़ी के विमानों के ऑर्डर के साथ अपनी लंबी अवधि की ग्रोथ स्ट्रैटेजी को भी आगे बढ़ा रही है, जो एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे बड़े ऑर्डर्स में से एक है। साथ ही, यह पैसेंजर ट्रांसपोर्ट, ग्राउंड हैंडलिंग, एयर फ्रेट, ट्रेनिंग, इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों को मिलाकर एक इंटीग्रेटेड एविएशन इकोसिस्टम भी विकसित कर रही है। 2026 की दूसरी तिमाही में, वियटजेट ने VND25.542 ट्रिलियन (लगभग US$972 मिलियन) का अलग रेवेन्यू और VND30.499 ट्रिलियन (लगभग US$1.16 बिलियन) का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया, जो साल-दर-साल क्रमशः 44% और 71% की बढ़ोतरी दिखाता है। टैक्स के बाद अलग और कंसोलिडेटेड प्रॉफि ट क्रमशः VND204 बिलियन (लगभग US$7.77 मिलियन) और VND349 बिलियन (लगभग वर$13.3 मिलियन) रहा। साल 2026 के पहले छह महीनों में, वियटजेट ने VND45.030 ट्रिलियन (लगभग US$1.71 बिलियन) का अलग रेवेन्यू और VND51.536 ट्रिलियन (लगभग US$1.96 बिलियन) का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल की तुलना में क्रमशः 26% और 44% की बढ़ोतरी दिखाता है। ये नतीजे पूरे साल के संबंधित लक्ष्यों का क्रमशः 58.5% और 59.4% थे। ल1 2026 के लिए अलग-अलग और कंसोलिडेटेड टैक्स-बाद का प्रॉफि ट क्रमशः VND1.126 ट्रिलियन (लगभग US$42.6 मिलियन) और VND1.372 ट्रिलियन (लगभग US$52.2 मिलियन) रहा, जो पूरे साल के संबंधित लक्ष्यों का क्रमशः 55.9% और 64.5% है। 30 जून 2026 तक, वियटजेट की कुल संपत्ति VND149.093 ट्रिलियन (लगभग US$5.68 बिलियन) थी। इसका नेट डेट-टू-इक्विटी रेश्यो 2.37 गुना और लिक्विडिटी रेश्यो 1.36 गुना बना रहा, जो एविएशन इंडस्ट्री के लिए सुरक्षित ऑपरेटिंग लेवल के दायरे में है। अगली पीढ़ी के बड़े एयरक्राफ़्ट ऑर्डर बुक में निवेश वियटजेट 2030 तक अपने इंटरनेशनल विस्तार और ग्लोबल नेटवर्क के विकास को सपोर्ट करने के लिए 600 से ज्यादा एयरबस और बोइंग विमानों के ऑर्डर के साथ अपनी लॉन्ग-टर्म ग्रोथ स्ट्रैटेजी को मजबूत कर रही है। इस साल की शुरूआत में, वियटजेट ने 44 एयरबस A320neo-फैमिली विमानों के लिए GTF इंजन लेने के लिए प्रैट एंड व्हिटनी के साथ समझौते पक्के किए और 12 बोइंग 737-8 विमानों के लिए फाइनेंसिंग का इंतजाम किया। सिंगापुर एयरशो 2026 में, वियटजेट और उसके सहयोगियों ने एशिया-पैसिफिक एविएशन फाइनेंशियल सेंटर शुरू करने की घोषणा की। यह पहल वियतनाम में प्रमुख वित्तीय संस्थानों और एविएशन कंपनियों को आकर्षित करने और देश के रीजनल एविएशन हब बनने के लक्ष्य को समर्थन देने के लिए शुरू की गई है। वियटजेट ईंधन की खपत को बेहतर बनाने, कार्यक्षमता बढ़ाने और उत्सर्जन कम करने के लिए ओपनएयरलाइंस और सटायर जैसी अंतरराष्ट्रीय समाधान प्रदाता कंपनियों के साथ साझेदारी करके अपने कामकाज और प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी शामिल कर रही है। नेटवर्क और एविएशन इकोसिस्टम का विस्तार वियटजेट ने द2/2026 में लगभग 33,000 उड़ानें भरीं और 62 लाख से ज्यादा यात्रियों को पहुँचाया। पहले छह महीनों में, एयरलाइन ने 72,000 उड़ानें भरीं और 1.34 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को पहुँचाया, जबकि कुल कार्गो वॉल्यूम लगभग 41,000 टन तक पहुँच गया। यह एयरलाइन अब 213 रूट पर उड़ानें चलाती है, जिनमें 167 इंटरनेशनल सर्विस शामिल हैं।

करावल नगर में अवैध विदेशी सिगरेट का जाल बेनकाब, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की विशेष स्टाफ टीम ने करावल नगर इलाके में अवैध रूप से लाई जा रही विदेशी सिगरेट की सप्लाई का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट की खेप इलाके में पहुंचने वाली है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम ने शिव विहार के महालक्ष्मी विहार स्थित नाला रोड के पास जाल बिछाया। शाम करीब साढ़े चार बजे तीन संदिग्ध युवक एक मोटरसाइकिल पर पहुंचे, जिनमें से दो के पास बोरियां थीं। काफी देर तक किसी ग्राहक का इंतजार करने के बाद जब वे लौटने लगे तो पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान 79 कार्टन बरामद किए गए, जिनमें कुल 12,640 विदेशी सिगरेट थीं। ये सिगरेट इंडोनेशिया निर्मित इन ब्लैक ब्रांड की बताई गई हैं। जांच में सामने आया कि बरामद सिगरेट पर देश में अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनी अंकित नहीं थी, जिसके कारण ये प्रतिबंधित श्रेणी में आती हैं। पुलिस ने सप्लाई में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पूछताछ में आरोपियों ने अवैध सप्लाई नेटवर्क से जुड़े होने की बात कबूल की है। पुलिस अब पूरे गिरोह और सप्लाई चेन की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

निलोठी एक्सटेंशन में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा पर शिकंजा, 300 रोल बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। बाहरी जिले के निलोठी एक्सटेंशन इलाके में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एंटी स्नैचिंग एवं चोरी निरोधक शाखा और थाना निहाल विहार की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से कुल 300 रोल प्रतिबंधित मांझा बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पतंगबाजी के दौरान होने वाली खतरनाक घटनाओं पर रोक लगाने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। चार अगस्त को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चंदर विहार इलाके में जाल बिछाया। मुखबिर के जरिए आरोपी को मौके पर बुलाया गया और निगरानी रखते हुए टीम ने छापा मारकर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक रोल मांझा बरामद हुआ, जिसके बाद पूछताछ में उसने पास के एक भवन में भारी मात्रा में मांझा छिपाने की बात कबूल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल निवासी प्रेम नगर के रूप में हुई है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर 299 अतिरिक्त रोल बरामद किए, जिससे कुल बरामदगी 300 रोल पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है और इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तानी से गैरकानूनी तरीके से लाया गया तीन करोड़ रुपये का 364 टन छुरा जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीसरे देशों के माध्यम से पाकिस्तान का माल गुप्त तरीके से भारत में लाने के खिलाफ अभियान में तीन करोड़ रुपये मूल्य का 364 टन छुहारा जब्त किया है । वित्त मंत्रालय की आरे से बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक एजेंसी ने खुफिया जानकारी के अधार पर पाकिस्तान से आयात पर प्रतिबंध को चमका दे कर यह छुहारे की खेप भारत में लाने के प्रयासों को विफल किया है। विज्ञप्ति के आधार पर खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में, डीआरआई के अधिकारियों ने कांडला बंदरगाह पर आयातित 364 टन छुहारों से भरे 13 कंटेनरों को जब्त किया, जिनकी कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह माल संयुक्त अरब अमीरात से आया हुआ बताया गया था, जबकि असल में पाकिस्तान से आया था। जांच से पता चला कि खजूर को पहले पाकिस्तान से दुबई ले जाया गया और फिर उसे दूसरे कंटेनरों में स्थानांतरित करके भारत निर्यात किया गया। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत पूरी खेप जब्त कर ली गई है। पिछले सप्ताह, डीआरआई के अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर लगभग 1.4 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 14 टन पाकिस्तानी गुग्गुल राल के आयात के प्रयास का पदार्फाश किया था। गुग्गुल राल के इस खेप को सोमालिया से उत्पन्न प्राकृतिक राल के रूप में गलत तरीके से घोषित किया गया था और दुबई के रास्ते भेजा गया था। जांच में पता चला कि खेप में गुग्गुल राल थी, जो पाकिस्तान से आई थी और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके इसे दूसरे देश में भेजा गया था। इस साजिश में शामिल दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। डीजीएफटी अधिसूचना संख्या 06/2025-26 दिनांक 02.05.2025 द्वारा संशोधित विदेश व्यापार नीति, 2023 के अनुसार, पाकिस्तान से उत्पन्न या निर्यात की जाने वाली सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन 02.05.2025 से प्रतिबंधित है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026 को ध्वनि मत से दी मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026 को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। साथ ही हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 6 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा से पारित यह विधेयक बैंकर्स बुक्स (बैंकों के रिकॉर्ड) से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाने और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाने, इसके साथ ही इससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करता है। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026 पेश किया था। यह विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम-1891 का स्थान लेगा। इस विधेयक का मकसद बैंकरों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाना है। विधेयक का लक्ष्य मौजूदा बैंकिंग सिस्टम की जरूरतों को पूरा करने के लिए कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाना है। विधेयक में यह प्रावधान भी है कि बैंकर की किताब का इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड सबूत के तौर पर स्वीकार्य, मान्य और कानूनी रूप से लागू करने योग्य होगा।

भोपाल में ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन शुरू, 100 से ज्यादा विदेशी मेहमान ले रहे हिस्सा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार से भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 की शुरुआत हो गई है। यहां कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन (मिंटो हॉल) में ब्रिक्स देशों के अधिकारियों की बैठक चल रही है। बैठक से पहले मिंटो हाल में सुबह 11 बजे सभी मेहमानों का फोटो सेशन हुआ। इसके बाद बैठकों का दौर शुरू हो गया। चार दिन तक चलने वाले इस वैश्विक सम्मेलन में भागीदार देशों के 100 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन में सांस्कृतिक सहयोग, विरासत संरक्षण और आपसी साझेदारी से जुड़े कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे। मिंटो हॉल परिसर में ज्ञान भारतम, प्रोजेक्ट मौसम और प्रोजेक्ट बृहत्तर भारत पर तीन विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है। ये प्रदर्शनियां इन चारों दिन आम जनता के लिए भी खुली है। प्रदर्शनियां भारत की पांडुलिपि विरासत, समुद्री सांस्कृतिक संबंधों और सभ्यतागत जुड़ाव को प्रदर्शित करने के साथ विरासत संरक्षण, सांस्कृतिक कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में भारत की पहलों को रेखांकित करेंगी।

राष्ट्रचिंतक रामबहादुर राय को दिया जाएगा पद्मभूषण युगतुलसी प. रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के तुलसी शोध संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं राष्ट्रचिंतक रामबहादुर राय को वर्ष-2026 के लिए ह्यपद्मभूषण युगतुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी बुधवार को मप्र जनजातीय संग्रहालय के निदेशक सुदेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि कि अलंकरण समारोह का आयोजन भोपाल के तुलसी मानस प्रतिष्ठान (मानस भवन) में गुरुवार, 06 अगस्त को 04 बजे किया जा रहा है। समारोह में राष्ट्रचिंतक रामबहादुर राय को उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। एक जुलाई, 1946 को गाजीपुर (उप्र) में जन्मे रामबहादुर राय हिन्दी के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं चिंतक हैं। वे वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष हैं। साथ ही वे देश की सबसे पुरानी बहुभाषी समाचार एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार के समूह संपादक हैं। समाज, राजनीति और समसामयिक विषयों पर उनके लेखन एवं संपादन को व्यापक सम्मान प्राप्त है। रामबहादुर राय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमए करने के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बिहार आन्दोलन में हिस्सेदारी और बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की 1971 में रिपोर्टिंग की। वे जे.बी. कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट में ट्रस्टी रहे। पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न योगदान-संवाददाता- जनसत्ता (1983), मुख्य संवाददाता-जनसत्ता (1984-86), विशेष संवाददाता-नवभारत टाइम्स (1986-91), ब्यूरो चीफ जनसत्ता (1991-96), सम्पादक जनसत्ता समाचार सेवा (1996-2004)। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में सतत सक्रिय लेखन।

जनसुनवाई सुशासन को सशक्त करने का मंच : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा जनसुनवाई केवल शिकायतों के निस्तारण का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सुशासन के संकल्प को सशक्त करने का मंच है। जनसुनवाई में पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत योजना, संपत्ति, नियमितीकरण सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी प्रकरणों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध समाधान एवं प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पेंशन से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को प्रत्येक मामले की जांच कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से पेंशन का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं।

इस अवसर पर अनेक महिलाओं ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक नई आशा जगाई है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुना और उसका समाधान किया जाए। दिल्ली की जनता की सेवा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भाजपा का हर इंजन भ्रष्ट, दवा के बाद अब एमसीडी के टोल टेंडर में 680 करोड़ का घोटाला- कुलदीप कुमार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी के टोल टैक्स के टेंडर में 680 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला सामने आने पर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता व विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है और इनका हर इंजन भ्रष्ट है। एक इंजन ने दवा और साइकिल खरीद घोटाला कर दिया और इनका दूसरा इंजन एमसीडी के टोल टेंडर में 680 करोड़ का घोटाला कर दिया है। इस घोटाले को अंजाम देने के लिए भाजपा शासित एमसीडी ने पहले स्टैंडिंग कमेटी को दरकिनार कर 5500 करोड़ का टेंडर निकाला और ब्लैक लिस्टेड कंपनी को मात्र 4820 करोड़ में ठेका दे दिया। जबकि 5500 करोड़ रुपए की बोली लगा रही कंपनी को इन्होंने टेक्निकल बिड के नाम पर बाहर कर दिया। आप की मांग है कि भाजपा सरकार टेंडर को रद्द करे और इस घोटाले की सीबीआई से जांच कराए। बुधवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है। पिछले 19 सालों में भाजपा ने एमसीडी को सबसे भ्रष्ट विभाग बना दिया है। दिल्ली में दवाओं और बच्चियों की साइकिलों में हुए घोटाले के बाद अब भाजपा की एमसीडी में भी एक बड़ा घोटाला सामने आया है। एमसीडी के पास कूड़ा उठाने और कर्मचारियों को सैलरी देने तक के पैसे नहीं हैं, लेकिन बड़े-बड़े ठेकेदारों पर मेहरबान है। दिल्ली में टोल कलेक्शन का राजस्व एमसीडी के पास जाता है। 5 जून 2026 को एमसीडी ने 5500 करोड़ रुपए का टोल कलेक्शन का टेंडर जारी किया, लेकिन इसके लिए स्टैंडिंग कमेटी को दरकिनार कर दिया गया, जबकि नियम के अनुसार 5 करोड़ से ऊपर का कोई भी प्रस्ताव बिना स्टैंडिंग कमेटी के नहीं लाया जा सकता। कुलदीप कुमार ने बताया कि टेंडर जारी करने के बाद इसमें ऐसी शर्तें लगाई गईं जिससे भाजपा की मनपसंद कंपनी को फायदा पहुंचाया जा सके और किकबैक लिया जा सके। शर्त रखी गई कि कंपनी के पास 122 करोड़ का सिंगल कॉन्ट्रैक्ट और 24 महीने का कॉन्ट्रैक्ट होना चाहिए। इस टेंडर में सबसे बड़े बिडर श्री साई एंटरप्राइजेज ने 5500 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, लेकिन एमसीडी ने चालाकी से उसे टेक्निकल बिड के नाम पर बाहर कर दिया और यह कॉन्ट्रैक्ट सहकार ग्लोबल लिमिटेड को 4820 करोड़ रुपए में दे दिया। एमसीडी ने 5500 करोड़ वाले बिडर को छोड़कर 4820 करोड़ वाले को टेंडर दे दिया, जिससे एमसीडी को सीधे 680 करोड़ का भारी नुकसान हुआ।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मिली गर्मी से राहत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह से रुक-रुक कर हुई बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। साथ ही कई क्षेत्रों में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। महरौली-बदरपुर रोड, दक्षिणपुरी सहित कई इलाकों की सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हिस्सों म् गरज-चमक, तेज हवाओं तथा मध्यम से भारी वर्षा की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। राजधानी दिल्ली में बुधवार को अब तक करावल नगर, दिलशाद गार्डन, सीमापुरी, बुद्धा जयंती पार्क, दिल्ली कैंट, इंडिया गेट, सफदरजंग, लोदी रोड, नेहरू स्टेडियम, आरके पुरम, डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर, हौज खास, मालवीय नगर, कालकाजी और तुगलकाबाद सहित कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे के बीच सर्वाधिक 49.3 मिमी वर्षा अयानगर में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा छतरपुर में 24 मिमी, सफदरजंग में 15.4 मिमी, पालम में 8.3 मिमी, लोधी रोड में 3.9 मिमी तथा रिज क्षेत्र में 3 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बारिश के चलते पूरे एनसीआर में मौसम सुहावना हो गया है। राजधानी के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। मौसम विभाग ने 06 अगस्त को बादल छाए रहने के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। 7 अगस्त को भी हल्की से मध्यम वर्षा के कई दौर और कुछ स्थानों पर तेज बारिश तथा आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है।

एयर इंडिया टबुर्लेंसः सभी घायल यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली। एयर इंडिया की थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रहे विमान में 04 अगस्त को टबुर्लेंस के कारण घायल सभी 13 यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। एयर इंडिया ने बुधवार को अपराह्न 3.30 बजे तक का अपडेट जारी करते हुए बताया कि अस्पताल में भर्ती कराये गये सभी 13 यात्रियों को डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी है। हालांकि चालक दल के चारों घायल सदस्य अब भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई2379 को 04 अगस्त को फुकेट से दिल्ली आते समय रास्ते में एयर टबुर्लेंस का सामना करना पड़ा। इस हादसे में विमान एक ही झटके में हवा में 300 फीट नीचे आ गया। इससे 13 यात्री और चालक दल के चार सदस्य चोटिल हो गये थे। विमान में उस समय तीन शिशुओं समेत 137 यात्री सवार थे।

एफसीआरए विधेयक का मौजूदा स्वरूप स्वीकार्य नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) विधेयक के मौजूदा स्वरूप को दमनकारी बताते हुए उसका कड़ा विरोध करते हुए कहा है कि पार्टी और पूरा विपक्ष इसे वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करेगा और सब मिलकर इसका पुरजोर विरोध करेंगे। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बुधवार को संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस और पूरा विपक्ष एफसीआरए विधेयक को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि आरएसएस से जुड़े संगठनों के लिए अलग व्यवस्था और अन्य गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के लिए अलग नियम रखने की सोच स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना था कि पार्टी इस ह्यदमनकारीह्ल विधेयक को पारित नहीं होने देगी। श्री वेणुगोपाल ने कहा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एफसीआरए विधेयक को लेकर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है। पार्टी और पूरे विपक्ष का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि एफसीआरए विधेयक को उसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आरएसएस सब कुछ कर सकता है, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों के लिए अलग नियम हों, ऐसी सोच स्वीकार्य नहीं है। हम इस दमनकारी विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे और इसे किसी भी कीमत पर पारित नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले से ही राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर चर्चा की मांग कर रही है क्योंकि पूरा देश इस मुद्दे को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों पर कथित अत्याचार और गोलीबारी के मुद्दे पर सदन में आकर बयान देना चाहिए। संसद बहस और चर्चा का मंच है, लेकिन सरकार चर्चा से बचते हुए विधेयकों को जल्दबाजी में पारित कराना चाहती है।

कैबिनेट सचिव को मिला एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को एक साल का सेवा विस्तार दिया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि समिति ने तमिलनाडू कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी श्री सोमनाथन को 30 अगस्त 2026 के बाद एक साल का सेवा विस्तार देना मंजूर किया है। श्री सोमनाथन 30 अगस्त 2024 से कैबिनेट सचिव के पद पर हैं। उससे पहले वह प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव भी रहे थे। कैबिनेट सचिव का पदभार संभालने से ठीक पहले वह वित्त सचिव और व्यय विभाग के सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने में तकनीक और सामुदायिक भागीदारी जरूरी : केंद्र

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम और लोगों तथा वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रालय की संसदीय परामर्श समिति की बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि विभिन्न राज्यों में मानव-वन्यजीव संघर्ष का स्वरूप अलग-अलग है। इससे निपटने के लिए एआई, ड्रोन, जीआईएस, जीपीएस ट्रैकिंग, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग को महत्व दिया जाना चाहिए। समिति को राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष पोर्टल और मानव-वन्यजीव संघर्ष उत्कृष्टता केंद्र की प्रगति से भी अवगत कराया गया।इस दौरान असम, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश ने संघर्ष कम करने के लिए अपनाए जा रहे उपायों और सामुदायिक भागीदारी के मॉडल प्रस्तुत किए गये। श्री यादव ने कहा कि वैज्ञानिक प्रबंधन, तकनीक आधारित निगरानी और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से ही मानव-वन्यजीव संघर्ष का प्रभावी समाधान संभव है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक विज्ञापनों के मामले में एनएचआरसी सख्त, दिल्ली पुलिस कमिश्नर को भेजा समन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापनों के मामले में लापरवाही बरतने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। आयोग ने बुधवार को समन जारी कर उन्हें 7 सितंबर को पेश होने का आदेश दिया। यह मामला बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक रिपोर्ट से जुड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि इंस्टाग्राम पर रेप वीडियो और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों वाले पेड विज्ञापन दिखाए जा रहे थे। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने पर यूजर्स को टेलीग्राम के चैनलों पर भेजा जा रहा था, जहां चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज मटेरियल (सीएसएएम) बेचा जा रहा था। एनएचआरसी ने इस खबर को खुद संज्ञान में लिया था। आयोग ने 8 जुलाई को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस भेजकर 15 दिन में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी थी। 15 दिन बाद भी जब रिपोर्ट नहीं आई तो एनएचआरसी ने 29 जुलाई को रिमाइंडर भेजा और 7 दिन का और समय दिया। चेतावनी भी दी कि अगर रिपोर्ट नहीं आई तो सख्त कदम उठाए जाएंगे। लेकिन तय समय में भी रिपोर्ट नहीं पहुंची। इसके बाद बुधवार को एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो की बेंच ने इसे बहुत गंभीर मानते हुए दिल्ली पुलिस कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का समन जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि कमिश्नर 7 सितंबर को सुबह 11:30 बजे मानव अधिकार भवन, नई दिल्ली में रिपोर्ट और देरी की वजह के साथ पेश हों। हालांकि आयोग ने यह भी कहा कि अगर 31 अगस्त तक रिपोर्ट भेज दी जाती है तो व्यक्तिगत पेशी की जरूरत नहीं होगी। समन में चेतावनी दी गई है कि अगर बिना वजह आदेश का पालन नहीं हुआ तो सीपीसी के नियम 16 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए थॉमस कुक इंडिया ने पेश किया जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ओम्नीचैनल विदेशी मुद्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने अपने वन करंसी कार्ड को नए स्वरूप में लॉन्च करते हुए जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड पेश किया है। जीरो मार्कअप और जीरो क्रॉस-करेंसी कन्वर्जन शुल्क जैसी सुविधाओं से लैस यह कार्ड विशेष रूप से उन भारतीय यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता देते हैं और नियमित रूप से विदेश यात्रा करते हैं। यह कार्ड अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के दौरान अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और किफायती भुगतान विकल्प उपलब्ध कराता है। जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड की प्रमुख विशेषताएँ कार्ड लोड करने पर जीरो फॉरेक्स मार्कअपः कार्ड खरीदते या रीलोड करते समय किसी भी प्रकार का फॉरेक्स मार्कअप शुल्क नहीं।जीरो क्रॉस-करेंसी कन्वर्जन शुल्कः अमेरिकी डॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं में भी भुगतान करते समय किसी अतिरिक्त कन्वर्जन शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता। साथ ही स्थानीय मुद्रा की उपलब्धता को लेकर भी चिंता नहीं रहती। मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षाः यात्री यात्रा से पहले कार्ड में अमेरिकी डॉलर (USD) लोड कर विनिमय दर को पहले ही लॉक कर सकते हैं। इससे भारतीय रुपये तथा अमेरिकी डॉलर जैसी प्रमुख वैश्विक मुद्राओं में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो जाता है। कार्ड लोड करने के बाद यदि अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है, तो ग्राहकों को उसका लाभ भी मिल सकता है। चयनित ब्रांड्स पर 10% कैशबैकः मैकडॉनल्ड्स, स्टारबक्स, केएफसी, ग्रैब, उबर, 7-इलेवन और केरीम जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स पर विशेष कैशबैक ऑफर। Google Pay के माध्यम से कॉन्टैक्टलेस Tap & Pay सुविधा। 7,50,000 तक का मुफ्त बीमा कवर। यात्रा के दौरान कार्ड खोने या चोरी होने की स्थिति में निःशुल्क आपातकालीन नकद सहायता और कार्ड रिप्लेसमेंट सुविधा। 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में मास्टरकार्ड स्वीकार करने वाले व्यापारी प्रतिष्ठानों पर उपयोग की सुविधा। यह कार्ड थॉमस कुक इंडिया के विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से खरीदा जा सकता है, जिनमें कंपनी की वेबसाइट (thomascook.in), मोबाइल ऐप (TC Pay), व्हाट्सऐप, कॉल सेंटर तथा इ४ल्ल४३ के माध्यम से ऑर्डर करने की सुविधा शामिल है।दीपेश वर्मा, चीफ बिजनेस ऑफिसर फॉरेन एक्सचेंज, थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड, ने कहा, आज के यात्री अंतरराष्ट्रीय खर्च के मामले में पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक हैं और डिजिटल माध्यमों का बेहतर उपयोग करते हैं। हमारा जीरो मार्कअप फॉरेक्स कार्ड आधुनिक यात्रियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

अदालत ने संसद की सुरक्षा, संरक्षा तंत्र की समीक्षा के अनुरोध वाली जनहित याचिका खारिज की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर चिंता जताने वाली एक जनहित याचिका बुधवार को खारिज कर दी। याचिका में संसद के निर्बाध संवैधानिक कामकाज को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया था। याचिका में 2001 में संसद परिसर पर हुए आतंकवादी हमले और 2023 में हुई सुरक्षा चूक का हवाला देते हुए अधिकारियों को मौजूदा संस्थागत सुरक्षा ढांचे की व्यापक समीक्षा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इसमें प्रशासनिक, संस्थागत, परिचालन, तकनीकी और साइबर सुरक्षा तंत्र की समीक्षा भी शामिल थी। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, ये अदालत के काम नहीं हैं। संसद के कामकाज के संबंध में ऐसा कोई निर्देश कैसे जारी किया जा सकता है? क्या आपको लगता है कि इस देश की संसद अपनी सुरक्षा का ध्यान रखने में सक्षम नहीं है? यह कैसी याचिका है? क्या हम संसद को यह निर्देश देने के लिए हैं कि उसके प्रशासनिक और परिचालन तंत्र को कैसे काम करना चाहिए? पीठ ने कहा कि संसद की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को सरकार को देखना होगा और याचिकाकर्ता के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में संसद सर्वोच्च है और उसकी सुरक्षा की समीक्षा समय की जरूरत है।

रजनीगंधा प्रायोजित जागरण फिल्म फेस्टिवल के 14वें संस्करण के साथ फिर आ रहा है सिनेमा का सबसे बड़ा कारवां

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

Premium Rajnigandha presents JAGRAN FILM FESTIVAL

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े सिनेमाई महोत्सवों में शुमार रजनीगंधा प्रेजेंट्स जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) के 14वें संस्करण का इंतजार अब खत्म होने वाला है। सिनेमा के इस बहुप्रतीक्षित महोत्सव का आयोजन 20 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में होगा। इसके बाद फिल्म महोत्सव देश के 14 प्रमुख शहरोंः कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, देहरादून, गोरखपुर, हिसार, लुधियाना, पटना, रांची, मेरठ और मुंबई का दौरा करेगा। इसका समापन 1 नवंबर 2026 को मुंबई में आयोजित जागरण फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स के साथ होगा। चार दिनों तक नई दिल्ली सिनेमा की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनी रहेगी। फिल्म महोत्सव का आगाज एक भव्य उद्घाटन समारोह से होगा, जिसमें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री के साथ फिल्म जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां, विभिन्न देशों के राजदूत और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। यह आयोजन भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में जागरण फिल्म फेस्टिवल की पहले से बनी पहचान को दिखाता है। फेस्टिवल में अभिनेता, निर्देशक, निमार्ता, लेखक, कास्टिंग डायरेक्टर, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, उभरती प्रतिभाएं और सिनेमा प्रेमी एक ही मंच पर जुटेंगे। पारंपरिक फिल्म प्रदर्शन से आगे बढ़ते हुए इसमें एक्सक्लूसिव प्रीमियर, मास्टरक्लास, कार्यशालाएं, गहरी सोच वाले संवाद और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस तरह जागरण फिल्म फेस्टिवल एक बार फिर सिनेमा की विविध विधाओं, नए विचारों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का उत्सव बनेगा। पिछले 14 वर्षों में जागरण फिल्म फेस्टिवल इस विश्वास के साथ देशभर में अपनी पहचान बना चुका है कि अच्छी कहानियां अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचनी चाहिए। समय के साथ यह आयोजन केवल एक फिल्म महोत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नए फिल्मकारों की खोज, सार्थक संवाद और रचनात्मक जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। यहां अनुभवी और प्रतिष्ठित फिल्मकार उभरती प्रतिभाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं, दर्शकों को नई सिनेमाई आवाजों से रूबरू होने का अवसर मिलता है और फिल्मों पर शुरू हुई चचार्एं पर्दा गिरने के बाद भी लंबे समय तक जारी रहती हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की कार्रवाई, 23 लाख की दवाएं बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने 23 लाख रुपए से ज्यादा की दवाएं पकड़ी। एक अंतरराष्ट्रीय यात्री इन दवाओं को बिना जरूरी कागजों के इथियोपिया के अदीस अबाबा ले जाने की कोशिश कर रहा था। सीआईएसएफ के जवानों को यात्री के व्यवहार में कुछ संदिग्ध लगा। प्रोफेशनल सतर्कता दिखाते हुए उन्होंने अदीस अबाबा जा रहे इस यात्री को रैंडम चेकिंग के लिए अलग कर दिया। बैगेज की एक्स-रे स्क्रीनिंग में कुछ तस्वीरें संदिग्ध लगीं। इसके बाद गहन जांच की गई। ईटीडी यानी विस्फोटक ट्रेस डिटेक्शन मशीन में जांच नेगेटिव आई, इसके बावजूद जवानों ने यात्री पर नजर रखी। इमिग्रेशन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जब यात्री कस्टम के डिपार्चर एरिया में पहुंचा तो उसे रोका गया। शारीरिक जांच में बैग से करीब 23.04 लाख रुपए कीमत की दवाएं मिलीं। पूछताछ में यात्री इतनी महंगी दवाएं ले जाने का कोई वैध दस्तावेज या पर्चा नहीं दिखा सका। इसके बाद यात्री को बरामद दवाओं के साथ आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ ने कहा कि यह कार्रवाई उनकी सतर्क स्क्रीनिंग और दूसरी एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल का नतीजा है। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स देश की प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स में से एक है। यह गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है और 10 मार्च 1969 को बनाई गई थी। सीआईएसएफ देश की प्रमुख सुरक्षा बल है जो परमाणु बिजलीघर, अंतरिक्ष केंद्र, तेल क्षेत्र, बंदरगाह और बड़ी इंडस्ट्रीज जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों की रक्षा करती है। यह कई व्यावसायिक एयरपोर्ट पर आतंकवाद रोधी व्यवस्था संभालती है, दिल्ली मेट्रो जैसी सेवाओं की सुरक्षा करती है, तय वीआईपी को सुरक्षा देती है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम-फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

1.41 करोड़ की ट्री मेंटेनेंस मशीनें 2 साल से बेकार

फरीदाबाद निगम ने पेड़ों की छंटाई के लिए खरीदी थी; मांगी रिपोर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । नगर निगम ने शहर में पेड़ों की कटाई और छंटाई आसान बनाने के लिए करीब दो साल पहले 1.41 करोड़ रुपए खर्च कर छह ट्री मेंटेनेंस प्लेटफॉर्म मशीनें खरीदी थी। इन मशीनों का मकसद सड़क किनारे झुके पेड़ों की सुरक्षित और जल्दी छंटाई करना था, ताकि हादसों का खतरा कम हो सके, लेकिन मशीनें खरीदने के बाद आज तक उनका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। अब उनकी गारंटी भी खत्म हो चुकी है। मामले का खुलासा आरटीआई कार्यकर्ता अजय सैनी द्वारा मांगी गई जानकारी से हुआ है। नगर निगम ने अपने जवाब में माना है कि मशीनों को चलाने के लिए प्रशिक्षित ड्राइवर उपलब्ध नहीं थे, इसलिए वे दो साल से निगम परिसर में खड़ी हैं।

मालियों पर निर्भर रहता था पूरा काम

शहर की ग्रीन बेल्ट में लगे पेड़ों की छंटाई अब तक माली करते रहे हैं। इस प्रक्रिया में काफी समय लगता है और कई बार समय पर पेड़ों की कटाई नहीं हो पाती। खासकर बारिश के मौसम में सड़क की ओर झुकी शाखाएं लोगों और वाहनों के लिए खतरा बन जाती हैं। इसी समस्या को देखते हुए नगर निगम ने आधुनिक मशीनें खरीदी थीं, लेकिन उनका लाभ लोगों को नहीं मिल सका।

एक मशीन की कीमत करीब 23 लाख रुपए

नगर निगम ने वर्ष 2025 में छह मशीनें खरीदी थी। इन पर कुल 1.41 करोड़ रुपए खर्च किए गए, यानी प्रत्येक मशीन की कीमत करीब 23 लाख रुपए रही। मशीनों को चलाने के लिए विशेष प्रशिक्षण जरूरी था, लेकिन किसी कर्मचारी को प्रशिक्षण नहीं दिया गया। इसके चलते मशीनें शुरू ही नहीं हो सकीं। आरटीआई के जवाब में निगम ने बताया कि मशीनों की गारंटी 23 मार्च को समाप्त हो चुकी है। यानी करोड़ों रुपए की मशीनें बिना इस्तेमाल के ही गारंटी अवधि पार कर गईं।

पहले भी हो चुकी ऐसी लापरवाही

आरटीआई कार्यकर्ता अजय सैनी ने कहा कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले सीएसआर के तहत नगर निगम को मिले ट्रैक्टर-ट्रॉली भी वर्षों तक परिसर में खड़े-खड़े खराब हो गए थे। उस समय दस्तावेज पूरे नहीं होने की वजह बताई गई थी। उनका कहना है कि सरकारी धन से खरीदे गए संसाधनों का समय पर उपयोग नहीं होना जनता के पैसे की बबार्दी है।

अधिकारियों ने मांगी रिपोर्ट

नगर निगम के एठनितिन कादियान ने कहा कि मशीनें अब तक इस्तेमाल क्यों नहीं हुईं, इसकी रिपोर्ट संबंधित एसडीओ और जेई से मांगी जाएगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रशिक्षित ड्राइवरों की व्यवस्था कर मशीनों को संचालन में लाया जाएगा।

गुरुग्राम में जिला परिषद कॉम्पलेक्स में मॉक ड्रिल

भूकंप-आग जैसी आपदा से निपटने का अभ्यास; इमरजेंसी रिस्पॉन्स की तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम में किसी भी आकस्मिक आपदा या आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस द्वारा आज एक विशेष मॉक एक्सरसाइज (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण अभ्यास सुबह 11 बजे से सिविल डिफेंस कार्यालय और जिला परिषद कॉम्प्लेक्स परिसर में किया गया। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा के समय विभिन्न सरकारी विभागों के बीच बेहतर और त्वरित कोऑर्डिनेशन स्थापित करना है। सिविल डिफेंस इंचार्ज मोहित ने बताया कि इस मॉक ड्रिल के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति में कम से कम समय में प्रभावी राहत एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने की प्रणाली का आकलन किया गया। इसके तहत भूकंप, आगजनी या किसी अन्य बड़े संकट की स्थिति की कृत्रिम परिस्थितियां (सिम्युलेशन) तैयार की गया। इसके बाद यह देखा गया कि सूचना मिलने पर विभिन्न टीमें कितनी मुस्तैदी और गति से रिस्पॉन्ड करती हैं।

पूरी प्रक्रिया को लाइव दोहराया

मॉक एक्सरसाइज में सिविल डिफेंस के वालंटियर्स के साथ-साथ जिला प्रशासन, पुलिस बल, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग और एम्बुलेंस सेवाओं की टीमों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। अभ्यास के दौरान घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, उन्हें तुरंत प्राथमिक इलाज देने और नजदीकी अस्पतालों में शिफ्ट करने की पूरी प्रक्रिया को लाइव दोहराया गया।

मिलेनियम सिटी में गगनचुंबी इमारतें

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जैसे तेजी से बढ़ते मिलेनियम सिटी में गगनचुंबी इमारतें और भारी आबादी है। ऐसे में किसी भी प्राकृतिक या मानव-निर्मित आपदा के समय जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करने के लिए ऐसी मॉक ड्रिल बेहद जरूरी हैं।

गुरुग्राम में बिजली कटौती से गुस्साए रेजिडेंट्स ने लगाया जाम

बिल्डर-निगम के खिलाफ नारेबाजी, पुलिस से बहस; बोले-पानी की सप्लाई भी ठप

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में सेक्टर 67 स्थित पिरामिड अर्बन होम्स सोसाइटी में लगातार हो रही भारी बिजली कटौती से तंग आकर नाराज रेजिडेंट्स ने मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया है। बारिश के बाद गर्मी और उमस के बीच घंटों बिजली गुल रहने से गुस्साए पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने सड़क पर उतरकर बिल्डर और बिजली निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस चक्का जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोसाइटी के निवासियों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से यहां बिना किसी पूर्व सूचना के कई घंटे तक बिजली काटी जा रही है। बिजली न होने के कारण घरों में पानी की आपूर्ति भी ठप हो गई है। जिससे दैनिक कार्य पूरी तरह प्रभावित हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि वे हर महीने भारी-भरकम मेंटेनेंस शुल्क चुकाते हैं, फिर भी उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। बार-बार शिकायत करने के बाद भी बिल्डर प्रबंधन और बिजली विभाग की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। पुलिस और निवासियों के बीच बहस

सड़क जाम होने और ट्रैफिक पूरी प्रभावित होने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और सड़क से हटने का प्रयास किया। हालांकि, बुनियादी सुविधाओं से वंचित और आक्रोशित लोग जल्द समाधान की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान पुलिस और सोसाइटी के लोगों के बीच काफी देर तक तीखी बहस और नोकझोंक हुई। निवासियों ने पुलिस से दोपहिया और अन्य वाहनों को रोकने की कोशिश की और कहा कि जब तक बिजली बहाल नहीं होगी, वे पीछे नहीं हटेंगे।

अधिकारी आश्वासन दे रहे

माहौल बिगड़ता देख मौके पर बिजली निगम के उच्च अधिकारियों को बुलाया गया। अधिकारियों और पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि ट्रांसफार्मर और तकनीकी खराबी को जल्द से जल्द ठीक कर नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। लोग लिखित आश्वासन की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस का सिपाही चला रहा था

फरीदाबाद में दो ATM चोरी की वारदातें सुलझीं, कर्ज में डूबने पर वारदात

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में भूपानी थाना क्षेत्र में गैस कटर से ATM मशीन काटकर लाखों रुपये चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने खुलासा कर दिया है। इस गिरोह को दिल्ली पुलिस के एक सिपाही के द्वारा चलाया जा रहा था। इसमें 5 आरोपियों को अरेस्ट किया गया है वहीं, एक अन्य आरोपी बिहार की जेल में बंद है, जिसे प्रोडक्शन वारंट पर फरीदाबाद लाया जाएगा। पुलिस को जांच के दौरान दो वारदातों के बारे में पता चला है। पहला मामला थाना भूपानी क्षेत्र का है। हिताची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि ने शिकायत दी थी कि 3 और 4 जुलाई की रात भूपानी मोड़ स्थित शॉप नंबर-1 में लगे HITACHI Money Spot ATM को गैस कटर से काटकर उसमें रखे 6 .53 लाख रुपये चोरी कर लिए गए। शिकायत के आधार पर थाना भूपानी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने विकास कुमार (24) निवासी बिहार, हुकमचंद (34) और अरविंद (26) निवासी गांव अटाली फरीदाबाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि दिल्ली पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात हुकमचंद इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। कर्ज में डूबे हुकमचंद ने अपने साथी अरविंद के साथ मिलकर ATM चोरी की साजिश रची। इसके बाद बिहार निवासी विकास और राजू को गिरोह में शामिल किया गया। दोनों गैस वेल्डिंग का काम करते थे और गैस कटर चलाने में माहिर थे। पुलिस जांच में सामने आया कि हुकमचंद ने चोरी के लिए अळट की रेकी की और गैस कटर सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराए। इसके बाद विकास और राजू ने गैस कटर से ATM काटकर उसमें रखी पूरी नकदी चोरी कर ली। इस मामले का एक अन्य आरोपी राजू फिलहाल बिहार में मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में जेल में बंद है। पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर फरीदाबाद लाकर पूछताछ करेगी। जांच के दौरान पुलिस ने सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में हुई दूसरी अळट चोरी की वारदात का भी खुलासा किया। गांव भैसरावली निवासी योगेश ने शिकायत दी थी कि 26 और 27 जुलाई की रात जेसीबी चौक के सामने पानी की टंकी के पास लगे HITACHI ATM को गैस कटर से काटकर करीब 5 लाख 71 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में पुलिस ने विकास कुमार (24), अभिषेक कुमार (19) और विशाल कुमार (19) निवासी बिहार को 2 अगस्त को उत्तर प्रदेश के लखनऊ के आलमबाग क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि पहले मामले के बाद सहआरोपी राजू जेल चला गया था। विकास ने हुक्मचंद से संपर्क तोड़ दिया।

गुरुग्राम में कांग्रेस नेताओं ने किया प्रदर्शन

बदहाल सड़कों को लेकर नाराजगी, गड्ढों में कमल के फूल के उल्टे कटआउट लगाए

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के सेक्टर 9 में ईएसआई अस्पताल के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों की बदहाली और जलभराव की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने गड्ढों वाली सड़क पर कमल के फूल के कटआउट उलटे रखकर अपना विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि शहर की मुख्य सड़कों पर चलना अब हादसों को न्योता देने जैसा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के दावों के बावजूद, हल्की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री, स्थानीय विधायकों और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के शहर में मौजूद रहने पर भी अधिकारी निष्क्रिय रहते हैं, जिससे जलभराव और भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने बताया कि सेक्टर 9 रोड पर एम्बुलेंस और अन्य वाहनों को कुछ मीटर की दूरी तय करने में 40 से 45 मिनट लग रहे हैं, जिससे मरीजों की जान को खतरा होता है। कार्यकर्ताओं ने सड़क मरम्मत के लिए बार-बार बजट पास होने के बावजूद भ्रष्टाचार के कारण स्थिति में सुधार न होने का आरोप लगाया।

फरीदाबाद में युवती ने फंदा लगाकर दी जान

नेपाल की रहने वाली, 10 महीने से कारोबारी के मकान में रह रही थी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के सेक्टर-21डी स्थित एक मकान में 23 वर्षीय घरेलू सहायिका का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान नेपाल निवासी कुंति (23) के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-21डी पुलिस चौकी प्रभारी प्रवीण ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली थी कि सेक्टर-21डी स्थित मकान नंबर-307 में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतरवाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मकान मालिक किशनलाल पेशे से कारोबारी हैं। कुंति पिछले करीब 10 महीनों से उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी। उसे रहने के लिए मकान में ही एक कमरा दिया गया था, जहां उसका शव फंदे से लटका मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुंति मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थी। वह विवाहित थी और उसका परिवार भी वर्तमान में फरीदाबाद में ही रह रहा है। घटना की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।२

मानेसर निगम में हाई-वोल्टेज ड्रामा, डिप्टी मेयर-पार्षदों में धक्का-मुक्की

मेयर की भाजपा में वापसी के बाद बढ़ा विवाद; महिला पार्षद से की अभद्रता

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले के मानेसर नगर निगम में राजनीतिक वर्चस्व की जंग पुलिस थाने तक पहुंच गई है। निर्दलीय मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर के भाजपा ज्वाइन करने के बाद तल्खी और बढ़ गई है। मंगलवार को मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर के ऑफिस में चल रही हाउस की मीटिंग में जब सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण कुमार ने बोलना चाहा तो मेयर समर्थक पार्षदों ने हंगामा कर दिया और गाली-गलौज, हाथापाई के साथ मारपीट तक की नौबत आ गई। यह हाई-प्रोफाइल ड्रामा उस समय हुआ, जब गुरुग्राम स्थित भाजपा के जिला मुख्यालय गुरुकमल में मुख्यमंत्री नायब सैनी भाजपा पदाधिकारियों को एकजुट होकर काम करने का पाठ पढ़ा रहे थे। यह पूरा मामला इसलिए ज्यादा गरमा गया है क्योंकि इसमें शामिल सभी मुख्य चेहरे बीजेपी से जुड़े हैं। इसे मानेसर निगम में ह्यबीजेपी बनाम बीजेपीह्न की अंदरूनी गुटबाजी के तौर पर देखा जा रहा है।

मेयर की दोबारा भाजपा में एंट्री ने सत्ता के संतुलन को बिगाड़ दिया है, जिससे सीनियर डिप्टी मेयर और अन्य पार्षद खुद को दरकिनार महसूस कर रहे हैं।

पार्टी ज्वाइनिंग के बाद से बढ़ी तल्खी

विवाद की असली जड़ मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर की बीजेपी में आधिकारिक वापसी को माना जा रहा है।

सांसद राव इंद्रजीत ने मेयर को पार्टी ज्वाइन करवाई, जिससे उनके राजनीतिक विरोधी राव नरबीर के समर्थक पार्षद असहज महसूस कर रहा था।

सदन की हालिया बैठक के दौरान यह अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई। विकास कार्यों, अधिकारों और राजनीतिक रसूख को लेकर पार्षदों और मेयर के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस देखते ही देखते व्यक्तिगत आरोपों और हंगामे में बदल गई।

गुरुग्राम में फर्जी डोमिसाइल केस में लॉ स्टूडेंट की सफाई

बोला- RWA चुनाव की रंजिश में फंसाया, सीएम विंडो का किया मिसयूज

प्रात : किरण संवाददाता

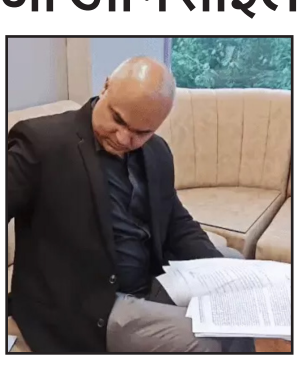

गुरुग्राम । में फर्जी दस्तावेजों के जरिए डोमिसाइल बनवाने के आरोपों का सामना कर रहे नितिन नंदा नाम के लॉ स्टूडेंट ने इसे निराधार और आरडब्ल्यूए चुनाव की रंजिश का नतीजा बताया है। उन्होंने शिकायतकर्ता पर सीएम विंडो के मिसयूज करने और झूठी शिकायत की आड़ में उन्हें ब्लैकमेल, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी रूप से प्रताड़ित का प्रयास करने का आरोप लगाया है। गलत डोमिसाइल के आरोपों पर पत्रकारों से बातचीत में नितिन नंदा ने कहा कि सभी आरोप बिल्कुल झूठे हैं। शिकायतकर्ता ने मेरी पत्नी के बीच चल रहे व्यक्तिगत पारिवारिक विवाद का गलत फायदा उठाया और तथ्यों को मरोड़कर झूठा केस बनाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि वे सेक्टर-102 स्थित एक आवासीय सोसाइटी में रहते हैं।

सोसाइटी में सचिव पद पर लड़ा था चुनाव

दरअसल कुछ समय पहले उन्होंने सोसाइटी के आरडब्ल्यूए सचिव पद के चुनाव में शिकायतकर्ता के विरुद्ध चुनाव लड़ा था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद शिकायतकर्ता जगदीप श्योराण ने व्यक्तिगत रंजिश के चलते उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान शुरू कर दिया। उन्हें झूठे मामलों में फंसाने, विभिन्न सरकारी एवं प्रशासनिक मंचों पर मनगढ़ंत शिकायतें दर्ज कराने, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी रूप से प्रताड़ित करने तथा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने का लगातार प्रयास किया।

शिकायतकर्ता पर पहले दो केस दर्ज

नितिन नंदा ने आरोप लगाया कि वे हरियाणा के रहने वाले हैं और शिकायतकर्ता ने व्यक्तिगत रंजिश के कारण न केवल उन्हें प्रताड़ित करने के लिए लगातार झूठी और दुर्भावनापूर्ण शिकायतों का सहारा लिया, बल्कि अन्य लोगों को भी इसी तरह परेशान किया जा रहा है। जबकि खुद शिकायतकर्ता के खिलाफ पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने लगभग हर सरकारी और प्रशासनिक मंच पर झूठी एवं मनगढ़ंत शिकायतें की गईं। सबसे पहले सीएम विंडो के माध्यम से एसडीएम कार्यालय में डोमिसाइल प्रमाण-पत्र को लेकर झूठी शिकायत दर्ज कराई गई।

गवाहों और सरपंच तक को दी जा रही धमकी

उन्होंने बताया कि एसडीएम कार्यालय द्वारा जारी किए गए डोमिसाइल से संबंधित प्रत्येक पहलू की विस्तृत एवं निष्पक्ष जांच की गई। जांच के दौरान सांचोली गांव की सरपंच एवं अन्य गवाहों के बयान विधिवत दर्ज किए गए तथा सभी संबंधित दस्तावेजों का गहन सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि जब एसडीएम कार्यालय और सीएम विंडो के माध्यम से शिकायतकर्ता को कोई सफलता नहीं मिली, तो उसने पुलिस के समक्ष भी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस द्वारा स्वतंत्र जांच किए जाने के बाद भी शिकायत गलत पाई गई। अब सांचोली गांव के गवाहों और सरपंच तक को कथित रूप से डराना-धमकाना शुरू किया गया है। ताकि वे मेरे खिलाफ झूठी शिकायत या बयान दर्ज करवा सकें। विभिन्न माध्यमों से मुझ पर दबाव बनाने का प्रयास किया और वीडियो जारी कर मेरे विरुद्ध निराधार एवं मनगढ़ंत आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि प्रशासनिक और पुलिस जांच में उन्हें हर स्तर से क्लीनचिट मिल चुकी है। उनका कोई भी दस्तावेज फर्जी नहीं है।

प्रॉपर्टी डीलर को लूटने वाले दो डिलिवरी ब्वॉय अरेस्ट

फरीदाबाद में कार में 2 घंटे किडनैप करके रखा, ऑफिस से घर जाते समय की वारदात

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । में प्रॉपर्टी डीलर को किडनैप करके कर 4600 रूपए सहित दूसरे सामान की लूट करने वाले दो डिलिवरी ब्वॉय को क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने अरेस्ट कर लिया है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। वारदात को उस समय अंजाम दिया गया था जब 26-27 जुलाई की रात को पीडित अपनी कार से घर जा रहा था। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास वह यूरिन पास करने के लिए रूका था। अउढ क्राइम अमन यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया है। जबकि तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

ऑफिस बंद करके घर लौट रहा था

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत कॉलोनी का रहने वाला अमरेश पाठक प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। 26-27 जुलाई की रात को वह ऑफिस बंद करके अपनी सफेद स्विफ्ट कार से घर के लिए लौट रहा था। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास वह बाथरूम जाने के लिए रूका था। इसी दौरान पहले वहां पर मौजूद तीन युवकों ने उसको पकड़ कर कार की पिछली सीट पर बैठा लिया।

2 घंटे तक बंधक बनाकर रखा

तीनों आरोपियों ने अमरेश को करीब 2 घंटे तक उसकी की कार में बंधक बना कर रखा । तीनों ने इस दौरान उससे 4600 रूपए नगद, एक सैमसंग मोबाइल फोन, एक आईफोन-14, दो डेबिट कार्ड तथा हाथ की घड़ी लूट ली। घटना के बाद आरोपी उसको कार सहित थाना भूपानी क्षेत्र के गांव टिकावली के पास छोड़कर फरार हो गए। आरोपी जाते समय कार की चाबी अपने साथ ले गए।

आरोपियों मे दो डिलिवरी ब्वॉय शामिल

क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने मामले की जांच करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हेमंत उर्फ अन्नू (24),राजा (18) शामिल है। दोनों ही गांव चोन्डेरा, जिला बुलंदशहर यूपी के रहने वाले है।

पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता बने भाजपा प्रदेश महामंत्री

फर्रुखनगर में समर्थकों ने दीं शुभकामनाएं, बोले- क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को देंगे प्राथमिकता

प्रात : किरण संवाददाता

फर्रुखनगर। में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पटौदी के पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता को भाजपा का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है। उनके जन्मदिवस और नई जिम्मेदारी मिलने के अवसर पर पटौदी क्षेत्रवासियों तथा पार्टी कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर दूर-दराज से आए समर्थकों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें फूलमालाएं, पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र व पगड़ी भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी। पत्रकार वार्ता में सत्यप्रकाश जरावता ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष और प्रांतीय नेतृत्व ने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, मैं उसके लिए सदैव आभारी रहूंगा।

निष्ठा और समर्पण से पूरा करूंगा जरावता

ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण से निभाते हुए उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे। उन्होंने अपने जन्मदिवस पर मिले इस अपार स्नेह और कार्यकताओं के उत्साह को अपनी असली ताकत बताया। पूर्व विधायक ने यह भी दोहराया कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान, जनसेवा और विकास कार्यों की गति में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर वक्ताओं ने सत्यप्रकाश जरावता के जनहित और क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाए जाने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और कार्यकताओं को नई दिशा प्राप्त होगी। कार्यक्रम में सरपंच एसोसिएशन अध्यक्ष सरपंच बिल्लो रानी, राजपाल चौहान, मंडल महामंत्री शिवचरण सिमार, रवि पार्षद जाटौली, ज्ञानचंद बंगालिया, पम्मी प्रधान, अमित कारोला सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लेडी टीचर का हत्यारा बोला-2 साल से रिलेशन में थे

दावा-7 दिन साथ रही, फिर पति के पास लौटी; बातचीत बंद करने पर हत्या की

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । में स्कूल में घुसकर लेडी टीचर संध्या (33) की 34 बार चाकू से गोदकर हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी अमित ने कहा कि संध्या पिछले दो साल से उसके साथ रिलेशनशिप में थी। संध्या कुछ महीने पहले उसके साथ चली गई थी और करीब सात दिन तक उसके साथ रही। बाद में पति का फोन आने पर वह वापस लौट गई। अमित ने बताया कि जब उसने संध्या को रोकने की कोशिश की तो उसने वापस जाने की बात कही थी। इसके बाद करीब डेढ़ महीने से उसने उससे बातचीत बंद कर दी थी। उसने संध्या को लौटने के लिए कहा था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसी वजह से उसने उसकी हत्या कर दी। वहीं, संध्या के पति विकास ने कहा, मुझे अमित सामने चाहिए। उसे मौत की सजा मिले। मैं अपनी पत्नी की हत्या का बदला चाहता हूं।

संध्या का पति बोला– पीछा नहीं छोड़ रहा था अमित

संध्या के पति विकास ने बताया कि पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के दौरान अमित ने संध्या को परेशान किया था। उस समय एक बच्चे की पढ़ाई को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद संध्या ने वह स्कूल छोड़ दिया और दूसरे स्कूल में पढ़ाने लगी, लेकिन अमित वहां भी उसे परेशान करने पहुंच जाता था। मैं कुछ लोगों को साथ लेकर अमित के घर भी गया था। उसके परिजनों ने भरोसा दिलाया था कि आगे से ऐसा नहीं होगा। गांव के सरपंच ने भी समझाया था कि वह दोबारा संध्या को परेशान नहीं करेगा। हमने इस मामले की शिकायत पुलिस को भी दी थी।

दो महीने से संध्या को मारने की प्लानिंग कर रहा था

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी अमित पिछले दो महीने से संध्या की हत्या की साजिश रच रहा था। वारदात को अंजाम देने के लिए उसने पहले ही चाकू खरीद लिया था। वह संध्या के अकेले मिलने का इंतजार कर रहा था और पिछले दो महीने से उसकी दिनचर्या व स्कूल आने-जाने के समय पर नजर रखे हुए था। चूंकि संध्या रोज अपने पति के साथ स्कूल आती-जाती थी, इसलिए उसे मौका नहीं मिल रहा था। 3 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 9 बजे वह स्कूल पहुंचा और गैलरी में संध्या पर चाकू से कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल संध्या को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अउढ क्राइम अमन यादव ने बताया कि पुलिस हत्या की साजिश, चाकू खरीदने, रेकी करने और वारदात की तैयारी समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

फरीदाबाद में करंट लगने से महिला की मौत

घर में पानी भरने के लिए मोटर चला रही थी; पाइप लगाते वक्त लगा झटका

फरीदाबाद के मुजेसर थाना क्षेत्र के गांव गौंछी में बारिश के दौरान करंट लगने से 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला घर में पानी भरने के लिए लगी मोटर चलाने गई थी। मोटर में पाइप लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान गांव गौंछी निवासी रोशन खातून (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बारिश के कारण मोटर में करंट आ गया था। जैसे ही रोशन खातून ने मोटर में पाइप लगाया, उसका हाथ मोटर से छू गया और उसे तेज करंट लग गया। परिवार के सामने हुआ हादसा घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर मौजूद थे। महिला के पति मोहम्मद अरमान एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। हादसे के बाद परिजन तुरंत उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्या: 09C-क.वि.-नई दिल्ली-2026-27 दिनांक : 05.08.2026

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली मंडल में कैटेनरी तार का संवर्धन/प्रतिस्थापन (सातवां चरण)।
2	अनुमानित लागत	रु. 1,80,29,018.38/-
3	बयाना राशि	रु. 3,60,600/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	17.08.2026 (00:00 बजे) से 31.08.2026 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	31.08.2026 (15:00 बजे)
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

2698/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

भावनाओं का अवसरवादी आहतपन

निर्मल रानी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे में कथित हेराफेरी के मुद्दे को उठाने के मकसद से गत 31 जुलाई को पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में साधू के वेश में एक प्रतीकात्मक नाटक किया था। इस दौरान विपक्ष के भी कई नेता वहां मौजूद रहे। इसी प्रदर्शन में राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से दानपात्र में पैसे डालने का प्रयास किया। इसके बाद पप्पू यादव ने दानपेटी लेकर भागने का नाटक किया और समाजवादी पार्टी के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने उन्हें पकड़ने का अभिनय किया। इस नाट्य मंचन रुपी प्रदर्शन के बाद भाजपा,विश्व हिंदू परिषद , बजरंग दल, व इसके समर्थक संत समाज ने इसे सनातन धर्म और साधु-संतों की छवि का अपमान बताया। सत्ता समर्थक कई संतों ने भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा संसद में ह्यइस प्रकार भगवा वस्त्र और साधू का रूप धारण कर व इसका नाट्य मंचन कर साधु वेश का मजाक उड़ाया गया है, जिससे सनातन धर्म और संतों की आस्था को ठेस पहुंची है। लिहाजा इस मामले के विरोध में भाजपा नेताओं और धार्मिक संगठनों ने कानूनी कदम उठाए। दिल्ली,वाराणसी,हरिद्वार,प्रयागराज,मथुरा,नागपुर,जम्मू सहित देश के अन्य कई शहरों में पप्पू यादव, राहुल गांधी और सपा सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने को लेकर कहीं पुलिस में शिकायतें व एफ आईआर दर्ज की गईं तो कहीं विरोध प्रदर्शन किये गये। कई मठों, मंदिरों और अखाड़ों ने पप्पू यादव के प्रवेश पर रोक लगाने और संसद से उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की। लोकसभा स्पीकर ने भी इसतरह का प्रदर्शन करने पर नाराजगी जताई और इसे संसदीय गरिमा के विरुद्ध बताया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर तो विभिन्न हिंदू संगठनों और अनेक साधु-संतों ने एकत्रित होकर सद्बुद्धि हवन और धार्मिक अनुष्ठान किया। इसके अलावा दिल्ली में पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन के आधिकारिक आवास के बाहर हिंदू संगठनों ने जोरदार नारेबाजी की और उनका सामाजिक व धार्मिक बहिष्कार करने की मांग की। इसी बीच सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर उन पर हमले की कोशिश हुई है, जहाँ गत 2 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दो युवकों ने पप्पू यादव पर चप्पल फेंकी और कथित तौर पर उनपर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि घटनास्थल पर मौजूद सांसद समर्थकों ने दो आरोपियों को तुरंत पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इन हमलावर आरोपियों का भी यही कहना था पप्पू यादव द्वारा सनातन धर्म, साधु-संतों और भगवा वस्त्रों का कथित तौर पर अपमान किया गया है और वे इसी पर आपत्ति जताने वहां गये थे। उधर पप्पू यादव ने भी दावा किया है कि उन्हें लगातार जान से मारने और जिंदा जलाने की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन वे इससे डरने वाले नहीं हैं। सांसद उदित राज व शिवसेना सांसद संजय राउत जैसे अनेक नेताओं ने पप्पू यादव से मिलकर उनके प्रति समर्थन भी व्यक्त किया है। इन नेताओं ने पप्पू यादव पर हुये हमले को ह्यकायरानाह्न करार देते हुए कहा कि पप्पू यादव ने राम मंदिर के चंदे में हुई कथित हेराफेरी का मुद्दा उठाकर कुछ भी गलत नहीं किया। इन नेताओं ने प्रदर्शन का पुरजोर समर्थन किया था। इन नेताओं ने कहा कि भगवा रंग किसी पार्टी के नाम रजिस्टर्ड नहीं है और पप्पू यादव ने चंदा चोरी की झांकी दिखाकर सही सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी संसद परिसर के भीतर और बाहर इस पूरे विवाद में पप्पू यादव की लड़ाई का समर्थन किया। पप्पू यादव ने भी कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी देश के 100 करोड़ लोगों की आस्था और सनातनी विचारों को बचाने के लिए उनके साथ खड़े हैं। परन्तु समय समय पर लोगों की ह्यधार्मिक भावनाएं ह्य आहत होने को लेकर देश में यह सवाल भी पूछा जाने लगा है कि जब सत्ताधारी नेताओं द्वारा न केवल साधु वेशभूषा का बल्कि सीधे देवी देवताओं तक का मजाक उड़ाया जाता है, उन्हें अपमानित किया जाता है उस समय आखिर इन लोगों की भावनायें कहाँ चली जाती हैं ? याद कीजिये जब गत 4 जुलाई को भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर आए थे उस समय एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक एक रोड शो आयोजित किया गया था।

हिरोशिमा दिवस : युद्ध नहीं, शांति ही मानवता का भविष्य

6 अगस्त को विश्वभर में हिरोशिमा दिवस मनाया जाता है। पाठक जानते होंगे कि यही वह दिन है, जब वर्ष 1945 में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर पहला परमाणु बम गिराया था। इस दिन विश्वभर में परमाणु हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है तथा शांति, परमाणु निरस्त्रीकरण और मानवता का संदेश दिया जाता है। आज, लगभग आठ दशक बाद भी, यह दिन केवल इतिहास का स्मरण भर नहीं है, बल्कि वर्तमान विश्व को चेतावनी देने वाला एक अवसर भी है। कहना गलत नहीं होगा कि आज पूरी दुनिया मानो बारूद के ढेर पर खड़ी है। हर ओर युद्ध, संघर्ष और तनाव का वातावरण दिखाई देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल के बीच बढ़ता तनाव और टकराव, गाजा में जारी संघर्ष तथा अन्य क्षेत्रीय विवाद वैश्विक शांति के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। वास्तव में, युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होते, बल्कि वे नई समस्याओं की शुरूआत करते हैं। शांति ही मानवता का सबसे शक्तिशाली अस्त्र है। यही संदेश हमें भगवान गौतम बुद्ध के उपदेशों में भी मिलता है। धम्मपद, जो बौद्ध साहित्य के सबसे लोकप्रिय और प्रेरणादायक ग्रंथों में से एक है, गौतम बुद्ध के 423 उपदेशों (गाथाओं) का संग्रह है। इसमें कहा गया है-ह्लन हि वेरेण वेराणि सम्मन्तीध कुदाचनं।अवेरेण च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।।ह्ल अर्थात वैर से वैर कभी समाप्त नहीं होता; वैर केवल प्रेम, करुणा और अहिंसा से ही समाप्त होता है। यही सनातन सत्य है। सच तो यह है कि गौतम बुद्ध का यह संदेश आज के युद्धग्रस्त विश्व में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। युद्ध हो या सीमा पर तनाव, आतंकवाद हो या नक्सलवाद अथवा किसी भी प्रकार का सशस्त्र संघर्ष-इनकी सबसे बड़ी कीमत हमेशा आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। हजारों निर्दोष लोगों की जान चली जाती है, लाखों लोग अपने घर छोड़ने को विवश हो जाते हैं और आने वाली पीढ़ियाँ भय, असुरक्षा तथा मानसिक आघात के वातावरण में जीवन बिताने को मजबूर हो जाती हैं। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि हिरोशिमा दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि युद्ध का अंतिम परिणाम केवल विनाश होता है। 6 अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम ने पूरी दुनिया को यह भयावह सच्चाई दिखाई थी कि यदि युद्ध की आग परमाणु हथियारों तक पहुँच जाए, तो उसका दुष्परिणाम केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी मानव सभ्यता को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वास्तव में, हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध ने मानवता को कभी नहीं जीता। हर युद्ध में एक इंसान दूसरे इंसान से लड़ता है, लेकिन अंततः कोई वास्तविक विजेता नहीं होता। यदि कुछ बचता है, तो वह है-उजड़े हुए शहर, बिछड़े हुए परिवार, मासूम बच्चों की चीखें, माताओं की सूनी गोद, युद्ध का काला धुआँ, लहू से सनी धरती और पीढ़ियों तक न भरने वाले घाव। इतिहास गवाह है कि युद्ध केवल सीमाएँ बदलते हैं, मनुष्य का भाग्य नहीं। तलवारें, मिसाइलें और बम कभी शांति स्थापित नहीं कर सकते; वे केवल भय, घृणा और विनाश को जन्म देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्र हथियारों की होड़ के स्थान पर संवाद, कूटनीति और सहयोग का मार्ग अपनाएँ। विश्व शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी नैतिक दायित्व है कि वह सहिष्णुता, करुणा और भाईचारे के मूल्यों को अपनाए। यदि मानवता ने इतिहास से सबक नहीं लिया, तो भविष्य में फिर किसी ऐसी त्रासदी का सामना करना पड़ सकता है, जिसकी भरपाई सदियों तक संभव नहीं होगी। अंत में यहां पर यही कहना उचित होगा कि मानव सभ्यता का भविष्य युद्ध की विजय में नहीं, बल्कि शांति की विजय में सुरक्षित है। यही वह मार्ग है जो मानवता को विनाश से बचाकर सह-अस्तित्व, सद्भाव और स्थायी शांति की ओर ले जाता है।

कांवड़ यात्रा और बेरोजगार युवाओं का मुद्दा: आस्था और अवसर के बीच का अंतर

भारत में युवाओं की आबादी काफी अधिक है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को देश की ताकत के रूप में देखा जाता है। हर साल लाखों युवा स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय से लाभकारी रोजगार की आशाओं और सपनों के साथ निकलते हैं। वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, अनेकों नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं और भर्ती सूचनाओं का इंतजार करते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के पास डिग्री तो है, लेकिन या तो उनके पास नौकरी नहीं है या वे अंशकालिक रूप से काम करते हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव भी हो सकते हैं। बेरोजगारी आत्मविश्वास को कम कर सकती है, आर्थिक स्वतंत्रता में देरी कर सकती है, परिवारों पर दबाव बढ़ा सकती है और कुछ मामलों में निराशा और हताशा का कारण बन सकती है। कांवड़ यात्रा इस पीढ़ी से जुड़ी है, जो सबसे युवा पीढ़ियों में से एक है। ये लोग गांवों, कस्बों और शहरों से आते हैं। इनमें छात्र, किसानों के बच्चे, दिहाड़ी मजदूर, युवा पेशेवर और बेरोजगार स्नातक शामिल हैं। तीर्थयात्रा में उनकी भागीदारी उनके अपने विश्वास और संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए यह कहना कि बेरोजगारी लोगों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है या धार्मिक यात्राएं बेरोजगारी का कारण बनती हैं, सरल और अनुचित होगा।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

हर साल श्रावण के पवित्र महीने में, उत्तर भारत की सड़कें केसर से भर जाती हैं, क्योंकि लाखों कांवड़िया कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। वे हरिद्वार और गंगोत्री जैसे तीर्थ स्थलों से पवित्र गंगाजल लेकर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर भगवान शिव को अर्पित करते हैं। यह भक्ति, अनुशासन, सहनशीलता और सामूहिक आस्था का एक अद्भुत उदाहरण है। इन तीर्थयात्रियों में युवाओं की संख्या काफी अधिक होती है। उनका उत्साह और शारीरिक शक्ति भारत के युवाओं की अपार ऊर्जा का प्रमाण है। हालांकि, इन युवा तीर्थयात्रियों के साथ एक बड़ा सवाल उठता है: इनमें से कितने लोग साल के बाकी समय में नौकरी की तलाश करते हैं और एक स्थिर भविष्य बनाने की कोशिश करते हैं? यह धार्मिक आस्था का अपमान नहीं है। बल्कि यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक मुद्दों में से एक के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक तरीका है। आस्था मन को पोषण देती है और रोजगार गरिमा, सुरक्षा और उद्देश्य प्रदान करता है। युवाओं को इन दोनों में से किसी एक को चुनने के लिए कहना राष्ट्र की समस्या नहीं है। बल्कि, समस्या एक ऐसा वातावरण विकसित करना है जिसमें आस्था और अवसर सामंजस्यपूर्ण ढंग से एक साथ मौजूद हों। भारत में युवाओं की आबादी काफी अधिक है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को देश की ताकत के रूप में देखा जाता है। हर साल लाखों युवा स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय से लाभकारी रोजगार की आशाओं और सपनों के साथ निकलते हैं। वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, अनेकों नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं और भर्ती सूचनाओं का इंतजार करते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के पास डिग्री तो है, लेकिन या तो उनके पास नौकरी नहीं है या वे अंशकालिक रूप से काम करते हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव भी हो सकते हैं। बेरोजगारी आत्मविश्वास को कम कर सकती है, आर्थिक स्वतंत्रता में देरी कर सकती है, परिवारों पर दबाव बढ़ा सकती है और कुछ मामलों में निराशा और हताशा का कारण बन सकती है। कांवड़ यात्रा इस पीढ़ी से जुड़ी है, जो सबसे युवा पीढ़ियों में से एक है। ये लोग गांवों, कस्बों और शहरों से आते हैं। इनमें छात्र, किसानों के बच्चे, दिहाड़ी मजदूर, युवा पेशेवर और बेरोजगार स्नातक शामिल हैं। तीर्थयात्रा में उनकी भागीदारी उनके अपने विश्वास और संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए यह कहना कि बेरोजगारी लोगों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है या धार्मिक यात्राएं बेरोजगारी का कारण बनती हैं, सरल और अनुचित होगा। ये धारणाएं गलत हैं क्योंकि ये सामाजिक व्यवहार की जटिलता और आर्थिक वास्तविकताओं को ध्यान में नहीं रखती हैं। हालांकि, यह एक दिलचस्प विरोधाभास है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलने वाले युवा जिस दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हैं, वह अनुकरणीय है, और उनमें वह अनुशासन, सहनशीलता और प्रतिबद्धता भी है जो किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है। शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता, विनिर्माण, वैज्ञानिक अनुसंधान और रोजगार के क्षेत्रों में, यदि समान अवसर उपलब्ध हों, तो यह विशाल मानव संसाधन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़े प्रेरकों में से एक हो सकता है। न केवल पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा और श्रमिकों की अपेक्षाओं के बीच भी एक बड़ा अंतर है। आवश्यक कौशल रखने वाले स्नातकों के लिए भी रोजगार के अवसर अक्सर सीमित होते हैं, और उद्योगों में कुशल श्रमिकों की कमी है। यह विरोधाभास मानव संसाधन आवश्यकताओं और शिक्षा प्रणाली के बीच असंतुलन को दशार्ता है। इसलिए स्कूलों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ कौशल, आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षणों पर भी ध्यान देना होगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कौशल विकास, स्वरोजगार, स्टार्टअप इकोसिस्टम, विनिर्माण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई पहल और नीतियां शुरू की हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कई युवाओं को नए अवसर मिले हैं। लेकिन, भारत की विशाल युवा आबादी को देखते हुए, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। केवल नीतियां इस समस्या का समाधान करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। लेकिन समाज का भी एक कर्तव्य है। कई परिवारों में सरकारी नौकरी पाना ही सफलता का मुख्य मापदंड बना हुआ है। आधुनिक अर्थव्यवस्था में सरकारी नौकरी के कई विकल्प मौजूद हैं और उन सभी पर विचार करना चाहिए। अर्थव्यवस्था के नए क्षेत्र रोजगार सृजित कर रहे हैं, विशेष रूप से उद्यमिता, डिजिटल सेवाएं, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, पर्यटन, रचनात्मक उद्योग और प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियां। किशोरों को इन अवसरों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, न कि केवल सामान्य अवसरों पर। सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कांवड़ यात्रा की रिपोर्टिंग आमतौर पर या तो इसकी धार्मिक भव्यता के संदर्भ में की जाती है या कुछ विशिष्ट मुद्दों के संदर्भ में। इसमें युवाओं की भागीदारी से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है। आस्था और कर्म के विचार को दरकिनार करने के बजाय, सार्वजनिक प्रार्थनाओं को इस तथ्य पर केंद्रित किया जाना चाहिए कि इन संगठनों या तीर्थयात्राओं में दिखाई देने वाली प्रतिबद्धता और समर्पण को सामाजिक कार्य, पर्यावरण संरक्षण, आपदा राहत, रक्तदान अभियान और राष्ट्र निर्माण की पहलों में लगाया जा सकता है। भारतीय सभ्यता में कर्म और आध्यात्मिकता कभी एक-दूसरे के विरोधी नहीं रहे हैं। बल्कि, यह पवित्रता और कर्तव्य के बीच संतुलन का उत्सव रहा है। ध्यान, अनुशासन, सादगी और आंतरिक शक्ति, ये सभी भगवान शिव द्वारा प्रतीकित हैं। उनके उपदेश भक्तों को यह याद दिलाते हैं कि आध्यात्मिक विकास हमेशा जिम्मेदार कर्मों के साथ होता है।

बांकीपुर-जब अहंकार जनता से टकराता है, तब लोकतंत्र अपना निर्णय सुनाता है

बांकीपुर का परिणाम भी केवल एक विधायक चुनने की प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि इसने बिहार की राजनीति में सक्रिय प्रमुख दलों और नेताओं के लिए अलग-अलग संकेत छोड़े हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि इस परिणाम से बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी या सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिखी जा चुकी है। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि मतदाताओं ने सभी दलों को यह याद दिलाया है कि जनता किसी की स्थायी जागीर नहीं है। कुछ लोग इस परिणाम को पूरी तरह प्रशांत किशोर (पीके) की राजनीतिक सफलता के रूप में देख रहे हैं। दूसरी ओर कुछ लोग इसे जन सुराज के उभार का प्रमाण बता रहे हैं। लेकिन यदि राजनीतिक घटनाओं का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। किसी भी चुनाव में जीत केवल विजेता की ताकत से नहीं होती है, बल्कि प्रतिद्वंद्वियों की कमजोरियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बांकीपुर के परिणाम में भी यही बात दिखाई देती है। यह केवल एक व्यक्ति या एक दल की सफलता नहीं है, बल्कि कई राजनीतिक भूलों का संयुक्त परिणाम प्रतीत होता है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से बिहार के शहरी क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखने का दावा करती रही है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय दर्शन का एक मूल सिद्धांत है कि मनुष्य जब तक स्वयं को छोटा मानता है, तब तक ईश्वर की कृपा का पात्र बना रहता है। भगवान शिव के संदर्भ में भी यही कहा जाता है कि भोलेनाथ अपने भक्त की विनम्रता से प्रसन्न होते हैं, न कि उसके वैभव या शक्ति से। किंतु जैसे ही व्यक्ति स्वयं को सर्वशक्तिमान समझने लगता है, उसी क्षण उसके पतन की भूमिका भी तैयार होने लगती है। राजनीति भी इस नियम से अलग नहीं है। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है। नेता चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, यदि उसके भीतर अहंकार प्रवेश कर जाए तो जनता उसे आईना दिखाने में देर नहीं लगाती। पटना के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम इसी लोकतांत्रिक चेतना का एक प्रतीक माना जा सकता है। सामान्य तौर पर उपचुनावों को स्थानीय समीकरणों का चुनाव माना जाता है, लेकिन कई बार एक सीट का परिणाम व्यापक राजनीतिक संदेश भी दे जाता है। बांकीपुर का परिणाम भी केवल एक विधायक चुनने की प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि इसने बिहार की राजनीति में सक्रिय प्रमुख दलों और नेताओं के लिए अलग-अलग संकेत छोड़े हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि इस परिणाम से बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी या सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिखी जा चुकी है। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि मतदाताओं ने सभी दलों को यह याद दिलाया है कि जनता किसी की स्थायी जागीर नहीं है। कुछ लोग इस परिणाम को पूरी तरह प्रशांत किशोर (पीके) की राजनीतिक सफलता के रूप में देख रहे हैं। दूसरी ओर कुछ लोग इसे जन सुराज के उभार का प्रमाण बता रहे हैं। लेकिन यदि राजनीतिक घटनाओं का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। किसी भी चुनाव में जीत केवल विजेता की ताकत से नहीं होती है, बल्कि प्रतिद्वंद्वियों की कमजोरियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बांकीपुर के परिणाम में भी यही बात दिखाई देती है। यह केवल एक व्यक्ति या एक दल की सफलता नहीं है, बल्कि कई राजनीतिक भूलों का संयुक्त परिणाम प्रतीत होता है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से बिहार के शहरी क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखने का दावा करती रही है। लेकिन जब कोई राजनीतिक संगठन लगातार सफलता प्राप्त करता है तो उसके भीतर आत्मविश्वास और अहंकार के बीच की दूरी बहुत कम रह जाती है। यदि कार्यकताओं और स्थानीय नेतृत्व को यह महसूस होने लगे कि जनता हर परिस्थिति में साथ रहेगी, तो यह लोकतंत्र की वास्तविकता से दूरी बनाने जैसा है। मतदाता हमेशा अपने सम्मान और अपेक्षाओं को प्राथमिकता देता है। जैसे ही उसे लगता है कि उसकी राय को हल्के में लिया जा रहा है, वह मतदान के माध्यम से संदेश देने का अवसर नहीं छोड़ता। बांकीपुर का परिणाम इसी दृष्टि से भाजपा के लिए आत्ममंथन का अवसर भी माना जा सकता है। जनता दल (यूनाइटेड) लंबे समय से बिहार की राजनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ रही है। लेकिन हाल के वर्षों में उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को बनाए रखने की रही है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गठबंधन की राजनीति में बार-बार बदलते समीकरणों ने पार्टी की वैचारिक स्पष्टता को प्रभावित किया है। यदि कार्यकर्ता और मतदाता दोनों ही भ्रम की स्थिति में हों तो उसका प्रभाव चुनावी प्रदर्शन पर पड़ना स्वाभाविक है। बांकीपुर का परिणाम इस दृष्टि से जदयू के लिए भी एक चेतावनी माना जा सकता है कि केवल संगठनात्मक संरचना पर्याप्त नहीं होती है, राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट होना चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव स्वयं को बिहार की सबसे बड़ी विपक्षी ताकत के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन राजनीति केवल जनसभाओं और सोशल मीडिया की लोकप्रियता से नहीं चलती। यदि चुनावी परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप न आएं तो सबसे पहले नेतृत्व की रणनीति पर प्रश्न उठते हैं। बांकीपुर में अपेक्षित प्रदर्शन न होना यह संकेत देता है कि विपक्ष के सामने भी संगठन, उम्मीदवार चयन और मतदाताओं से संवाद जैसे कई मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में कोई भी राजनीतिक दल स्थायी विजेता या स्थायी पराजित नहीं होता। जनता हर चुनाव में नया मूल्यांकन करती है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति के सबसे चर्चित चुनावी रणनीतिकारों में रहे हैं। उन्होंने अनेक राज्यों में विभिन्न दलों के लिए चुनावी रणनीतियां तैयार की। लेकिन किसी नेता के लिए चुनाव जिताने और स्वयं चुनावी राजनीति में सफल होने के बीच बड़ा अंतर होता है। राजनीति में केवल रणनीति नहीं, बल्कि जनविश्वास, संगठन, धैर्य और दीर्घकालिक स्वीकार्यता भी आवश्यक होती है। इसलिए किसी एक चुनावी परिणाम के आधार पर किसी को भविष्य का निर्विवाद नेता घोषित करना भी जल्दबाजी होगी। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां अंतिम निर्णय जनता का होता है। सत्ता में बैठा दल हो या विपक्ष, नया राजनीतिक विकल्प हो या पुराना नेतृत्व, सभी को अंततः मतदाता के सामने जवाब देना पड़ता है। जब जनता यह महसूस करती है कि उसके विश्वास को स्वाभाविक मान लिया गया है, तब वह मतदान के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता का परिचय देती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम केवल जीत और हार का आंकड़ा नहीं है।

घर तक पहुंचा नल, लेकिन पानी की जिम्मेदारी किसकी?

सिमरन कुमारी

कल्पना कीजिए उस परिवार की, जहां घर में कमाने वाला केवल एक व्यक्ति है और पांच लोगों का पेट उसी की दैनिक मजदूरी से चलता है। महीने की आमदनी पहले ही इतनी सीमित है कि राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवाई और दूसरे जरूरी खर्चों के बाद कुछ बचता नहीं। ऐसे परिवार के घर का नल अगर खराब हो जाए या पाइपलाइन में टूट-फूट हो जाए और पानी आना बंद हो जाए तो उसके सामने सबसे पहला सवाल यही होगा कि मरम्मत के पैसे कहां से आएंगे? कई बार ऐसी स्थिति में परिवार की महिलाएं फिर से पुराने स्त्रोतों की ओर लौटने को मजबूर हो जाती है। वह पानी के बर्तन उठाती है, हैंडपंप तक जाती है, कतार में खड़ी होती है और घर की जरूरत के मुताबिक पानी लाती है। यानी जिस सुविधा ने उसके श्रम को कम किया था, उसके खराब पड़ते ही वही श्रम फिर उसके हिस्से में लौट आता है। दरअसल, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में घरों तक नल का पहुंचना सिर्फ पानी आने का एक साधन नहीं है, बल्कि उसने महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाया है। जिन परिवारों की महिलाओं और किशोरियों को कभी पानी भरने के लिए दूर जाना पड़ता था, उनके लिए घर में नल लगना सुविधा के साथ समय और श्रम की बचत भी है। मुजफ्फरपुर के ग्रामीण इलाकों में भी हर घर नल जल योजना के पहुंचने से अनेक परिवारों को इसका लाभ मिला है। खासकर महिलाओं के लिए इसका अर्थ है कि पानी लाने में लगने वाला समय अब दूसरे कामों, पढ़ाई या आजीविका से जुड़े कामों में लगाया जा सकता है। लेकिन किसी सरकारी योजना की असली सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने घरों तक पाइप और नल पहुंच गए, बल्कि इससे होती है कि वे नल कितने समय तक लगातार काम करते हैं। बिहार में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुंचाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के 18 जुलाई 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 1.6755 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 1.6036 करोड़ परिवारों तक नल से जलापूर्ति दर्ज की गई है, यानी लगभग 95.71 प्रतिशत ग्रामीण परिवार नल जल आपूर्ति से जुड़े हैं। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा केवल 1.89 प्रतिशत था। यह उपलब्धि बताती है कि घरों तक पानी पहुंचाने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने में राज्य ने बड़ी दूरी तय की है। मुजफ्फरपुर और गया में अप्रैल 2025 में किए गए एक अध्ययन में भी ग्रामीण परिवारों में 94 प्रतिशत से अधिक के पास नल का कनेक्शन पाया गया था। अध्ययन के अनुसार 93.80 प्रतिशत परिवारों को कम से कम 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी मिल रहा था और 95.12 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उन्हें महीने में 25 से 30 दिन पानी मिल रहा है। आंकड़े निश्चित रूप से उम्मीद पैदा करते हैं, लेकिन इनके पीछे एक दूसरी तस्वीर भी है, जिस पर उतनी ही गंभीरता से बात करने की जरूरत है और वह है इसके रखरखाव में आने वाले खर्च की. सवाल यह है कि किसी योजना की जिम्मेदारी सरकार और पंचायत के लिए कहां तक है और नागरिकों के लिए कहां से शुरू होती है? नल लगाकर पानी पहुंचा देना पहला कदम है, लेकिन पाइपलाइन, पंप, मोटर, टंकी और वितरण व्यवस्था को चालू हालत में रखना उतना ही जरूरी है। जल जीवन मिशन में पेयजल योजनाओं की योजना, क्रियान्वयन, संचालन और रखरखाव की मूल जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। केंद्र सरकार राज्यों को तकनीकी और वित्तीय सहायता देती है। साथ ही केंद्र ने राज्यों को ऐसी व्यवस्था बनाने की सलाह दी है जिसमें योजनाओं को ग्राम पंचायतों या ग्राम स्तर की जल एवं स्वच्छता समितियों को सौंपकर उनके माध्यम से संचालन और रखरखाव किया जाए। बिहार में ग्रामीण पेयजल योजना का क्रियान्वयन पंचायती राज विभाग से भी जुड़ा है और वार्ड स्तर पर सात सदस्यीय वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति की व्यवस्था बताई गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि पाइप टूटने पर गरीब परिवार को अपनी जेब से हर बार मरम्मत करानी चाहिए। अगर योजना की सार्वजनिक पाइपलाइन या उससे जुड़ी सरकारी जलापूर्ति व्यवस्था में खराबी आई है, तो उसके लिए जिम्मेदार स्थानीय तंत्र को शिकायत दर्ज कराकर मरम्मत की व्यवस्था करनी चाहिए। समस्या यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लोगों को यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि खराब नल की शिकायत कहां करें, किस अधिकारी या समिति से संपर्क करें और शिकायत के बाद कितने समय में समस्या का समाधान होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर कांवड़ यात्रा पूरी तरह प्रतिबंधित

बागपत। श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा को लेकर बागपत पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। बुधवार को मीडिया सेल जनपद बागपत की ओर से जारी एडवाइजरी में स्पष्ट किया गया है कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर कांवड़ यात्रा पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। पुलिस के अनुसार मवीकलां कट बैरियर (थाना कोतवाली बागपत) सहित जनपद के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग और डायवर्जन लागू किए गए हैं। कांवड़ यात्रियों को केवल निर्धारित कांवड़ मार्ग से ही गुजरने की अनुमति दी गई है। इसके साथ ही प्रमुख कट प्वाइंट्स और बैरियरों पर पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग और निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और पुलिस द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करें। यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने, अन्य यात्रियों का सम्मान करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय का कहना है कि एक्सप्रेसवे जैसे तेज रफ्तार मार्गों पर कांवड़ यात्रा की अनुमति नहीं है, क्योंकि इससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। ऐसे में सभी श्रद्धालु सुरक्षित कांवड़ मार्ग का ही उपयोग करें।

यूपी विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरने पर बैठे सपा विधायक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष आज फिर समाजवादी पार्टी के विधायक धरने पर बैठे। मंगलवार को विधानसभा में हंगामा के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने समाजवादी पार्टी के विधायक इंजीनियर सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने धरना दिया था और आज बुधवार को भी समाजवादी पार्टी के विधायक धरने पर बैठे हैं। इस धरने में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे समेत अन्य लोग मौजूद हैं। प्रदर्शन धरने पर बैठे विधायकों के हाथों में सरकार विरोधी नारे लिखे हुए पोस्टर हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी से लेकर किसानों की समस्याओं, महिलाओं, युवाओं और छात्रों की समस्या को लेकर लिखे हुए पोस्टर लिए हुए हैं। सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे हैं।

सोनभद्र सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, दो घायल

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर मधुपुर फ्लाईओवर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक ही बाइक पर सवार चार लोगों में से दो लोगों की मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये है। पड़री गांव निवासी सुभाष यादव (27) अपने रिश्तेदार के यहां सुकृत गया था। वह वहां से बुधवार को तेतरा देवी (70) और आर्यन (7) अपनी मां के साथ चारो लोग एक ही बाइक पर सवार हो कर मधुपुर के लिये निकले थे। दोपहर 11:30 बजे वह लोग मधुपुर फ्लाईओवर के समीप पहुँचते ही थे तभी पीछे से एक बस उन लोगों को टक्कर मारते हुए निकल गई। इस दुर्घटना में सुभाष एवं तेतरा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बच्चे और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मधुपुर भेजवाया जहां बच्चे को प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

वाराणसी : पहले ही कर लें पानी का इंतजाम, बाधित हो सकती है जलापूर्ति

वाराणसी। जलकल विभाग भेलूपुर से होने वाली पेयजल आपूर्ति बुधवार की शाम बाधित हो सकती है। जलकल विभाग की ओर से इसके बाबत सूचना दी गई है। साथ ही लोगों से पहले ही पानी का भंडारण करने की अपील की गई है, ताकि उन्हें दिक्कत न झेलनी पड़े। दरअसल, भदैनी विद्युत उपकेंद्र पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाने का काम किया जाएगा। इसे जलकल का फीडर प्रभावित रहेगा। ऐसे में बुधवार 5 अगस्त की शाम को होने वाली पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। जलकल सचिव ने सभी नागरिकों से अपील किया है कि समस्या को देखते हुए पहले ही पानी का भंडारण कर लें। ताकि उन्हें दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

सपा कार्यकताओं ने किया जनेश्वर मिश्र को नमन

पुष्पांजलि अर्पित कर संगठन मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के आदेश पर बुधवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में समाजवादी चिंतक एवं ह्यछोटे लोहियाह्न के नाम से विख्यात स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसके बाद जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव की अध्यक्षता में पार्टी की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने जनेश्वर मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सादगी, समाजवाद और जनसेवा की मिसाल कायम की। सात बार केंद्रीय मंत्री रहने के बावजूद उन्होंने सादगीपूर्ण जीवन जिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण उन्हें ह्यछोटे लोहियाह्न के नाम से जाना जाता था। मुख्य अतिथि एवं प्रदेश सचिव रमेश प्रजापति ने अपने संबोधन में भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग आज विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सरकारी व्यवस्था को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की। पूर्व मंत्री जगराम सिंह ने किसानों को पर्याप्त मूल्य, उर्वरक और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं पूर्व मंत्री एवं प्रदेश सचिव डॉ. लाखन सिंह पाल ने कहा कि देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और किसानों की उन्नति आवश्यक है। उन्होंने कार्यकताओं से मिशन-2027 की सफलता के लिए अभी से संगठन को मजबूत करने और एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जिलामहासचिव चन्द्रपाल सैनी ने किया। इस अवसर पर पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फीस बढ़ाने वाले सात स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। गौतम बुद्धनगर जिला प्रशासन ने सात प्राइवेट स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन स्कूलों पर उत्तर प्रदेश फीस रेगुलेशन एक्ट के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। इन्होंने तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई या बिना मंजूरी के अलग-अलग शुल्क लगाए हैं। जिलाधिकारी मेधा रूपम के अनुसार, स्कूलों पर जुर्माना लगाने का फैसला उनकी अध्यक्षता में हुई जिला फीस रेगुलेटरी कमेटी की बैठक में लिया गया। कमेटी ने 2026-27 अकादमिक सत्र के लिए प्राइवेट स्कूलों की प्रस्तावित फीस बढ़ोतरी की समीक्षा की। कमेटी ने उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्ट के नियमों के पालन की जांच की। समीक्षा बैठक में पाया गया कि दह प्राइवेट स्कूलों ने 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए 7.23 फीसदी की अधिकतम तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई। नोएडा के सेक्टर 21 के एक अन्य स्कूल ने कम्पोजिट फीस के अलावा अलग से सालाना फीस भी वसूली। यही नहीं 2025-26 एकेडमिक सेशन के लिए, अपना फीस स्ट्रक्चर भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया। इस तरह इन स्कूलों ने गलतियां कीं। कमेटी ने इन गलतियों को उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्ट के तहत पहली बार की गई गलती माना। कमेटी ने सात स्कूलों में से हर एक पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। प्रशासन ने कहा कि जिन स्कूलों में तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई गई थी, उनको पहले नोटिस जारी करके एक्ट के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, नोटिस के बावजूद सात स्कूल इन उल्लंघनों को ठीक करने में नाकाम रहे। कमेटी ने सात स्कूलों के रवैये को गलत माना और इनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू की। गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने कहा कि ह्यउत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्टह्न के तहत प्राइवेट स्कूल कानूनी नियमों का पालन किए बिना तय सीमा से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकते हैं। जिला प्रशासन के इस फैसले से जिले के तमाम प्राइवेट स्कूलों को एक सीधा संदेश जाएगा कि यदि नियम कायदे नहीं माने तो ऐक्शन तय है।

दो दिन में 60 मिमी से अधिक बारिश, अब तक 231 मिमी बरसात, अगले दो दिन बारिश के आसार

प्रात : किरण संवाददाता

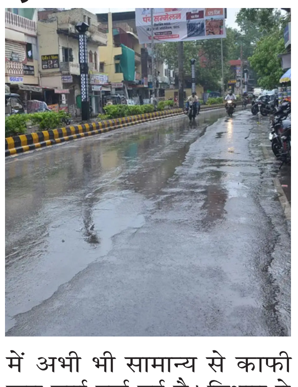

वाराणसी। काशी में पिछले दो दिनों के दौरान हुई 60 मिलीमीटर से अधिक बारिश के बाद मौसम में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। लगातार हुई वर्षा से शहरवासियों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार सारनाथ, बाबतपुर, जौनपुर, अयोध्या, भदोही, चुर्क और महराजगंज सहित कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक जिले में अब तक 231 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है, जबकि इस अवधि तक सामान्य रूप से 407 मिलीमीटर बारिश हो जानी चाहिए थी। यानी जिले में अभी भी सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज हुई है। विभाग ने अगले पांच दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। हालांकि इस दौरान भारी बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसूनी द्रोणी (मानसून ट्रफ) अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसककर अनुपगढ़, दिल्ली, शाहजहांपुर, छपरा होते हुए मणिपुर तक गुजर रही है। साथ ही एक चक्रवाती परिसंचरण उत्तर प्रदेश से होकर गुजर रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि गंगा के मैदानी क्षेत्रों में मानसून फिलहाल सक्रिय बना हुआ है। अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश में सामान्य मानसूनी परिस्थितियों के प्रभाव से कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों को मौसम के ताजा अपडेट पर नजर बनाए रखने और बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

हाथरस : नगर पालिका अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार सीज, कूड़ा टेंडर में मिली अनियमितताएं

-डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में वित्तीय अनियमितता के आरोप के बीच कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में नगर पालिका परिषद हाथरस की अध्यक्ष श्वेता चौधरी के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए गए हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की निविदा प्रक्रिया में गंभीर वित्तीय और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आरोपों की जांच के बाद राज्यपाल ने कार्रवाई करने की स्वीकृति दी है। मंगलवार देर रात शासन ने आदेश जारी किया। मामले की शुरूआत 30 अगस्त 2024 को हुई थी, जब वार्ड-35 के सभासद मनीष अग्रवाल और वार्ड-34 के सभासद पं. सुनील अग्निहोत्री ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा था। शिकायत में 35 वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए निविदा प्रक्रिया और कार्यादेश जारी करने में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। आरोप था कि इससे नगर पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचा। शिकायत को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने तथ्यों की जांच के लिए समिति गठित की। समिति ने निविदा प्रक्रिया और संबंधित अभिलेखों की जांच कर अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी। शासन स्तर पर रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद कार्रवाई का निर्णय लिया गया। जांच में अध्यक्ष श्वेता चौधरी को कर्तव्य पालन में चूक, गंभीर प्रशासनिक अनियमितता, नगर पालिका निधि को हानि पहुंचाने, निधि के दुरुपयोग तथा पालिका हित के प्रतिकूल कार्य करने का प्रथमदृष्टया दोषी माना गया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 48(2) के प्रावधानों के तहत की गई है। शासन के आदेश के अनुसार, अध्यक्ष के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार अब जिला मजिस्ट्रेट अथवा उनके द्वारा नामित ऐसे अधिकारी के पास रहेंगे, जो डिप्टी कलेक्टर से नीचे के पद का नहीं होगा।

मुझे शादी से दूर रखना भोले बाबा- कांवड़िया

बागपत। बागपत से गुजर रही कांवड़ यात्रा में एक ऐसी अनोखी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। हरियाणा के रहने वाले बुजुर्ग कांवड़िया रामफल पिछले 23 वर्षों से लगातार कांवड़ ला रहे हैं, लेकिन उनकी मन्नत कुछ अलग है–वह भगवान भोलेनाथ से शादी से दूर रहने का वरदान मांगते हैं। रामफल बुधवार को हरिद्वार से गंगाजल लेकर भडल मार्ग से होते हुए बागपत पहुंचे। रास्ते में पड़ाव के दौरान बातचीत में उन्होंने बताया कि समाज में बदलते रिश्तों और टूटते भरोसे ने उन्हें विवाह से दूर रहने का फैसला लेने पर मजबूर किया। उनका कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसे उदाहरण देखे, जहां रिश्तों में विश्वास की कमी ने परिवारों को तोड़ दिया। इसी अनुभव के कारण उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लिया है। रामफल बताते हैं कि वह पिछले 23 साल से हर साल कांवड़ लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं और यही प्रार्थना करते हैं कि उनकी शादी न हो।

योगी सरकार की पहल से कानपुर में पोल्ट्री व्यवसाय को मिली नई रफ्तार

- 14 पंजीकृत फार्मों से हर दिन 60 हजार अंडों का उत्पादन
- स्थानीय बाजार की मांग पूरी कर रहे चौबेपुर, बिल्हौर और बिठूर के पोल्ट्री फार्म
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती, कुक्कुट विकास नीति से युवाओं को मिल रहा रोजगार

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की स्वरोजगार और कृषि-संबद्ध विकास योजनाओं का असर धरातल पर साफ दिख रहा है। कानपुर नगर जिले में ह्यकुक्कुट विकास नीतिह्न के प्रभावी क्रियान्वयन से कुक्कुट पालन व्यवसाय को एक नई रफ्तार मिली है। वर्तमान में जिले में 14 बड़े पोल्ट्री फार्म पूर्ण रूप से पंजीकृत होकर व्यावसायिक स्तर पर संचालित हो रहे हैं। इन फार्मों से प्रतिदिन 50 हजार से लेकर 60 हजार अंडों का उत्पादन हो रहा है। जिले के चौबेपुर, बिल्हौर, बिठूर, कल्याणपुर और पतारा जैसे विकास खंडों में स्थापित ये 14 आधुनिक पोल्ट्री फार्म स्थानीय बाजार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर ही भारी मात्रा में अंडों की उपलब्धता होने से न केवल दूसरे जिलों और राज्यों पर निर्भरता कम हुई है, बल्कि आम जनता को भी सही दरों पर ताजा उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो पा रहा है। इसके साथ ही इन फार्मों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में सैकड़ों स्थानीय युवाओं और श्रमिकों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिले हैं।

सरकारी प्रोत्साहन और आधुनिक तकनीकों से बढ़ा दायरा

योगी सरकार द्वारा पोल्ट्री पॉलिसी के तहत दिए जा रहे वित्तीय प्रोत्साहन, आसान ऋण व्यवस्था और तकनीकी मार्गदर्शन के कारण नए उद्यमी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। कालोरा एग्रो फार्म, आर०आर० एग्रो, डी०जी०एन०एस०, टी०डी० एग्रो और राज पोल्ट्री फार्म जैसे पंजीकृत संस्थान अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन क्षमता में लगातार इजाफा कर रहे हैं। इससे न केवल पोल्ट्री संचालकों की आय बढ़ी है, बल्कि जिले की आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है। मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी अनुराग सिंह ने बुधवार को बताया कि योगी सरकार की कुक्कुट विकास नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में पोल्ट्री उद्योग को बढ़ावा देकर किसानों और युवाओं की आय में वृद्धि करना है। कानपुर में 14 पंजीकृत फार्म हैं। पशुपालन विभाग लगातार इन फार्मों को तकनीकी सहायता, नियमित टीकाकरण और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है। हमारा लक्ष्य जिले में पोल्ट्री नेटवर्क को और अधिक पारदर्शी व मजबूत बनाना है ताकि कानपुर उत्पादन के मामले में पूरे प्रदेश के लिए एक मॉडल बन सके।

वाराणसी: नियम के विपरीत देशी शराब की दुकान से सुबह-सुबह शराब की बिक्री, पुलिस ने की कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सिगरा थाना क्षेत्र में निर्धारित समय से पहले खुलेआम शराब की बिक्री किए जाने की सूचना पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा कस दिया। थाना प्रभारी शिवकांत मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सिगरा स्थित एक देशी शराब की दुकान पर छापेमारी की। इस दौरान सेल्समैन मिजार्पुर के अदलहाट निवासी जितेंद्र कुमार गुप्ता को हिरासत में ले लिया। पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि दुकान पर निर्धारित समय से पहले ही शराब की बिक्री शुरू कर दी जाती है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच के दौरान अनियमितता मिलने पर तत्काल कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने संचालकों को आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित समय का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी। साथ ही स्पष्ट किया गया कि भविष्य में समय से पहले शराब की बिक्री या अन्य किसी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पंचर मिस्त्री की मौत

-बिजली केबल जोड़ते समय हुआ हादसा, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। पड़री थाना क्षेत्र के डगमगपुर में बुधवार सुबह बिजली केबल जोड़ते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक पंचर मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। अहरौरा थाना क्षेत्र के पटियटा खुटहा गांव निवासी अजहरुद्दीन (40) पिछले तीन वर्षों से डगमगपुर स्थित क्रेशर प्लांट के पास पंचर बनाने की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया जा रहा कि दुकान की बिजली आपूर्ति बाधित होने पर बुधवार सुबह करीब सात बजे वह केबल जोड़ने के लिए नीम के पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने की इच्छा जताई, जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई और पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

सई नदी में युवती ने लगाई छलांग तलाश जारी, पुल पर साइकिल और चप्पल मिलने से मचा हड़कंप

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित सिकरारा थाना क्षेत्र में बरगुदर पुल से बुधवार सुबह सई नदी में 19 वर्षीय युवती के छलांग लगाने की आशंका के बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटनास्थल पर युवती की साइकिल और चप्पल मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।डीह जहाँनिया गांव निवासी मुन्ना लाल प्रजापति की पुत्री श्वेता प्रजापति (19) के सई नदी में कूदने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण बरगुदर पुल पर पहुंच गए। पुल पर उसकी साइकिल और चप्पल मिली, जिसके आधार पर नदी में छलांग लगाने की आशंका जताई जा रही है।सूचना मिलते ही सिकरारा थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों एवं ग्रामीणों की मदद से सई नदी में व्यापक खोज अभियान शुरू कराया गया। नदी के दोनों किनारों पर भी तलाशी ली जा रही है।ग्राम प्रधान जितेंद्र यादव भी मौके पर मौजूद रहे और पुलिस-प्रशासन के साथ राहत एवं खोज अभियान में सहयोग किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी युवती की तलाश में जुटे हुए हैं।मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला नदी में छलांग लगाने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। युवती का कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस, गोताखोरों और ग्रामीणों की संयुक्त टीम लगातार सई नदी में तलाश अभियान चला रही है।

निमार्णाधीन हाईवे के गड्ढे में डूबे दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत, गांव में मातम

- बारिश के पानी से भरा था पिलर का गड्ढा, केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने जताया शोक

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में चील्ह थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में मंगलवार देर शाम दर्दनाक हादसे में निमार्णाधीन हाईवे के लिए खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हाईवे की पुलिया पर पिलर निर्माण के लिए गहरा गड्ढा खोदा गया था, जिसमें लगातार बारिश के कारण पानी भर गया था। इसी गड्ढे में हरसिंहपुर गांव निवासी सुरेश यादव का सात वर्षीय किशन और कडेदीन यादव के छह वर्षीय सत्यम डूब गए। दोनों आपस में चचेरे भाई थे। काफी तलाश के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष चील्ह वैद्यनाथ सिंह ने बताया कि हरसिंहपुर गांव में दो बालकों के पानी से भरे गड्ढे में डूबने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। दोनों बच्चों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।अनुप्रिया पटेल ने जताया शोक, प्रतिनिधिमंडल पहुंचा गांव केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने दोनों बच्चों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उनके निर्देश पर अपना दल (एस) का प्रतिनिधिमंडल दुर्गेश पटेल के नेतृत्व में आधी रात हरसिंहपुर पहुंचा और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की।

संसदीय आचरण की परिधि लांघना इस संस्था के लिए अत्यंत हानिकारक है : सतीश महाना

प्रात : किरण संवाददाता

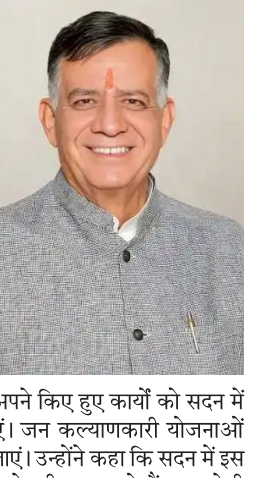

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सुबह 11:00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विधानसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को सदन में हुए हंगामे को निंदनीय बताया। संसदीय आचरण की परिधि लांघना इस संस्था के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि कल जो कुछ भी हुआ, वह संवैधानिक संस्था के लिए उचित नहीं था। हमें यह तय करना होगा कि हम अगली पीढ़ी को विरासत में क्या दे रहे हैं। पीठ से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि लोकतंत्र में पक्ष, विपक्ष, संवाद, सहमति और असहमति हो सकती है। यह भी लोकतंत्र का हिस्सा है। मुझसे किसी ने पूछा तो मैने कहा कि विपक्ष सरकार की तारीफ करने के लिए नहीं है। जनता की समस्याओं को उठाने के लिए है। सरकार का काम है कि अपने किए हुए कार्यों को सदन में बताएं। जन कल्याणकारी योजनाओं को लाएं। उन्होंने कहा कि सदन में इस प्रकार के भी क्षण आते हैं जब थोड़ी असहज स्थिति पैदा होती है, फिर भी पिछले साढ़े चार वर्षों में सदन चला रहा है। ऐसा नहीं है कि कल से पहले पिछले साढ़े चार सालों के दौरान विपक्ष के सदस्य बेल में नहीं आए। वह आए और समय और परिस्थितियों को देखते हुए अपनी बात को कहकर वापस अपनी सीट पर चले गए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मै इस बात को कहना चाहता हूं कि अंबेडकर ने कहा था कि यह वक्त बताएगा कि समस्या संविधान में नहीं है, व्यक्ति में हो सकती है। पिछले साढ़े चार सालों में हमारी यह पूरी कोशिश रही है कि संविधान की गरिमा और उसकी महत्ता के अनुकूल सदन की कार्यवाही बढ़ाई जाए। अध्यक्ष के रूप में मैं देश में पहली बार सदस्यों की योग्यता के हिसाब से वगीर्कृत किया। बताया कि विधायिका किसी से कम नहीं है। सदन में डॉक्टर्स, इंजीनियर, अधिवक्ता, शिक्षाविद निर्वाचित हुए हैं। सदन की एक पुरानी घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे याद है तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और नेता प्रतिपक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य थे, मैंने उस वक्त भी कहा था कि नेता सदन का सम्मान होना चाहिए। सदन के सदस्य शपथ लेते हैं तो उसमें यह निहित है कि वह नेता सदन का सम्मान करेंगे। यदि सदन के नेता का सम्मान यदि हम लोग स्वयं पार्टी से ऊपर उठकर नहीं करेंगे तो यह संस्था निष्प्रभावी तो हो ही जाएगी, हम सब सदस्यों का भी मान सम्मान रहेगा, इसका भी मुझे शक है। उन्होंने कहा कि वाद विवाद, सहमति और असहमति लोकतंत्र का अंग है। परंतु भाषा की मयार्दा हमें ध्यान में रखनी होगी। संसदीय आचरण की परिधि लांघना इस संस्था के लिए अत्यंत हानिकारक है। परंतु कल जो सदन में हुआ, उससे मैं दुखी और निराश हूं। मुझे पहली बार यह एहसास हुआ कि मेरे प्रयास में या तो कोई कमी रह गई है या फिर डॉक्टर अंबेडकर की बात सही है कि कमी संविधान में नहीं बल्कि व्यक्तियों में है। कल एक सदस्य के आचरण ने मुझे आहत किया।

कांवड़ यात्रा: सुरक्षा इंतजामों पर डीआईजी व एसपी की समीक्षा बैठक आयोजित

डायवर्जन योजना, सुरक्षा व्यवस्था और अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अमरोहा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। बुधवार को थाना गजरौला में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मुरादाबाद परिक्षेत्र श्री मुनिराज एवं पुलिस अधीक्षक अमरोहा श्री लखन सिंह यादव ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी एवं एसपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें और कांवड़ मार्गों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। संवेदनशील स्थलों, बैरियरों तथा प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न रहे। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, डायवर्जन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कराने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल, आवश्यक संसाधन और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। बैठक में सोशल मीडिया की निगरानी को भी महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाली पोस्टों पर कड़ी नजर रखी जाए और ऐसे मामलों में तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। स्थानीय प्रशासन तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कांवड़ यात्रा को निर्विघ्न एवं सुरक्षित संपन्न कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त, 125 होटल-ढाबों का निरीक्षण, 81 खाद्य नमूने जांच को भेजे

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कांवड़ मार्ग पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर विभाग की टीम लगातार होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, मेडिकल स्टोर तथा कांवड़ सेवा शिविरों का निरीक्षण कर रही है। सहायक आयुक्त (खाद्य) ने बताया कि अभियान के तहत अब तक 125 होटल, ढाबों एवं रेस्टोरेंटों का निरीक्षण किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान संचालकों को प्रतिष्ठानों के बाहर रेट सूची प्रदर्शित करने, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा सभी खाद्य सामग्री को ढककर रखने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से कुट्टू के आटे, खोया तथा अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और ताजगी पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन अभियान के दौरान 81 खाद्य नमूने एकत्र किए गए हैं। इनमें खाद्य तेल, दूध, पनीर, मावा, ड्राई फ्रूट, आइसक्रीम, शरबत, मख्खन तथा आटा सहित अन्य खाद्य पदार्थ शामिल हैं। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कांवड़ मार्ग पर स्थित मेडिकल स्टोरों तथा सेवा शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही औषधियों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालुओं को केवल मानक गुणवत्ता की दवाएं एवं खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि कांवड़ यात्रा की अवधि तक निरीक्षण, सैंपलिंग और प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भव्य और गरिमामयी होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह, मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

9 अगस्त से सेल्फी विद तिरंगा अभियान शुरू, हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड होंगी तस्वीरें

बिजनौर। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने बुधवार को प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे प्रदेश में भव्य, गरिमामयी, राष्ट्रभक्ति की भावना तथा व्यापक जनसहभागिता के साथ किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले वर्ष ह्यसेल्फी विद तिरंगाह्ल अभियान में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर रहा था। इस बार भी प्रदेश को शीर्ष स्थान दिलाने के लिए सभी जनपदों में व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाए। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस तथा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार से जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) तथा अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रतिभाग किया। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा ह्यहर घर तिरंगाह्ल पोर्टल लॉन्च किया गया है, जिस पर जनपदवासी 9 अगस्त से तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तिरंगों का निर्माण राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों तथा शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष तिरंगा रैली, तिरंगा कॉन्सर्ट और तिरंगा प्रदर्शनी जैसे विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 9 से 17 अगस्त तक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, निजी कंपनियों एवं घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, जबकि 15 अगस्त को सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, शहीद स्मारकों तथा अमृत सरोवरों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होंगे। विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्लोगन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के तीन विद्यालयों को सम्मानित भी किया जाएगा। इसके अलावा 14 और 15 अगस्त को प्रदेश के सिनेमा घरों में राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान का विशेष आयोजन किया जाएगा। प्रशासन ने जनपदवासियों से राष्ट्रीय पर्व को उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाने तथा ह्यहर घर तिरंगाह्ल अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की है।

चांदरानी ढाबा का विधि विधान से हवन पूजन कर फीता काटकर किया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

मसबासी। नगर में मुरादाबाद नैनीताल मार्ग पर स्थित चांदरानी ढाबा का प्रमुख समाजसेवी एवं बाहरी दिल्ली के पूर्व भाजपा जिलाअध्यक्ष संसार सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सतनाम सिंह ढिल्लों, तथा नगर पंचायत मसवासी के अध्यक्ष दिनेश गोयल के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया गया। पहले ढाबे में विधि विधान से हवन पूजन इत्यादि किया गया उसके बाद फीता काटा गया तथा अतिथियों का शॉल उढाकर तथा बुके देकर एवं पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया 'ढाबा संचालक चंद्र प्रकाश मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि ढाबे में शादी विवाह, नामकरण, वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन तथा सभी कार्यक्रमों के लिए बैंकट हाल भी उपलब्ध है इसके अलावा ढाबे में हर समय हर तरह का शुद्ध शाकाहारी भोजन, ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर भी उपलब्ध रहेगा तथा पार्किंग की भी सुविधा है ' इस मौके पर नगर तथा आसपास के क्षेत्र के काफी संख्या में लोग मौजूद रहे तथा उन्होंने इस मौके पर शुभकामनाएं दी ' इस मौके पर पीयूष मौर्य, चंद्रप्रकाश मौर्य , दलजीत सिंह राणा शांतिलाल चौहान, सतपाल हुड्डा, सूरज प्रकाश जोशी, पंकज जोशी, विनय गुप्ता, दीप गोयल, प्रदीप परमार, संजीव वर्मा राजकुमार चौहान, परमिंदर मौर्य, डॉ नासिर अली , तथा काफी संख्या में लोग मौजूद रहे '

संक्षिप्त खबरें

नासी की सदस्यता के लिए बीएचयू के तीन संकाय सदस्य चयनित

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के तीन संकाय सदस्यों का वर्ष 2026 के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (नासी), प्रयागराज की प्रतिष्ठित सदस्यता के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। नासी द्वारा जारी चयनित अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव प्रताप सिंह तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार वर्मा का चयन ह्यकृषि एवं पादप विज्ञानह्ल श्रेणी में किया गया है। वहीं, सेंटर फॉर एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन एंड सर्जरी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विभव गौतम को ह्यजैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकीह्ल श्रेणी में नासी की सदस्यता के लिए चुना गया है। यह जानकारी बीएचयू के जनसंपर्क कार्यालय ने बुध दी। बताया गया कि विश्वविद्यालय के तीन संकाय सदस्यों का नासी की सदस्यता के लिए चयन होना पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव और उत्कृष्टता की बात है। यह उपलब्धि अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक के प्रति बीएचयू की निरंतर प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

सपा कार्यालय में धूमधाम से मनाई जनेश्वर मिश्र की जयंती

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यालय ककोर में बुधवार को समाजवादी चिंतक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद यादव ह्यकक्काह्ल ने कहा कि जनेश्वर मिश्र का पूरा जीवन समाज के गरीब, किसान, मजदूर और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है और कार्यकर्ताओं को उनके बताए मार्ग पर चलकर संगठन को मजबूत बनाना चाहिए। पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामबाबू यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र सादगी, ईमानदारी और संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखा। ऐसे महान नेताओं के आदर्श नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने जनेश्वर मिश्र के बताए सिद्धांतों को आत्मसात करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

जनता का समर्थन और प्यार भरा आशीर्वाद साथ है तो, चुनाव लड़ूंगा भी और जीतूंगा भी: मनोज धामा

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। कहते है जनता का समर्थन और भरोसा ही किसी जननेता की असली ताकत होती है, जिसके बल पर वह चुनावी मैदान में उतरने और जीत हासिल करने का हौसला रखता है। ऐसा ही कुछ नजारा पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोज धामा के बैहटा हाजीपुर नहर स्थित कैंप कार्यालय पर देखने को मिल रहा है. पिछले कुछ दिनों से कार्यालय पर प्रतिदिन सैकड़ों की तादाद में पहुंच रहे क्षेत्रीय नागरिक उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी के लिए एक नई ऊर्जा और जोश भरने का काम कर रहे हैं। धामा ने भी लोगों के आग्रह को स्वीकार करते हुए कहा कि आपका प्यार भरा समर्थन मेरे साथ है तो ह्लचुनाव लड़ूंगा भी और जीतूंगा भीह्ल,अब इसके लिए हमने पूरी तरह कमर कस ली है। पूर्व लोनी नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि इस बात को झूठलाया नहीं जा सकता की लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है। इसके लिए जनसेवा और जमीनी स्तर पर किया गया काम ही उम्मीदवार की सबसे बड़ी पूंजी और ताकत बनता है। माना कि चुनाव लड़ना और जनता के बीच अपनी बात रखना हर राजनीतिक कार्यकर्ता का अधिकार है. इसके अंतर्गत चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही जिस तरह हमे जनता का आशीर्वाद और समर्थन मिल रहा है. इससे चुनावी विजय का विश्वास और अधिक मजबूत होता है। सही मायनों में यही जीत का आधार भी है।

समर्थकों कहिन:

-इंतजार अली ने कहा कि अभी तक चुनाव अभियान शुरू नहीं हुआ है, इसकी हर किसी को इंतजार है। हालांकि हमारा दावा है कि हर बिरादरी की एकजुटता के बलबूते मनोज धामा इस बार रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगे।

-सुशील कुमार ने दावा किया कि कारण चाहे जो भी हो, इस बार अन्य भावी प्रत्याशियों के मुकाबले जिस तरह क्षेत्रीय जनता का समर्थन मनोज धामा के साथ नजर आ रहा है. उसे देखकर लगता है इस बार मनोज धामा रिकॉर्ड वोटों से चुनाव जीतेंगे।

-सोती धामा के अनुसार किस पार्टी का उम्मीदवार कौन होगा? यह तो अभी समय के गर्भ में है। फिर भी लोनी की जनता को मनोज धामा पर विश्वास है। कोई चाहे जितने दावे ठोकता रहे, क्षेत्रीय विकास और जनता के भले के लिए उनसे अच्छा जन प्रतिनिधि मिलना है कि मुश्किल है।

-समाज सेवी मंजू का कहना है कि मनोज धामा जब मैदान में उतरेंगे तो कार्यकर्ता उनकी बड़ी जीत के लिए दिन-रात ताकत लगा देंगे. हम लोगों को रिकॉर्ड कायम करना है, ताकि कोई दूसरा उम्मीदवार उनके सामने फिर से चुनाव लड़ने की हिम्मत न कर सके।

डीएम ने लोनी के पाइपलाइन कावड़ यात्रा मार्ग का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर मुरादनगर-लोनी पाइपलाइन मार्ग से आने वाली कांवड़ यात्रा धीरे-धीरे अपने चरम की ओर पहुंच रही है। इसके मध्य नगर टीला मोड़ से लोनी बॉर्डर पाइपलाइन मार्ग पर व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की चूक ना हो इसके लिए शासन स्तर के अधिकारी लगातार अपनी पैनी नजर रखे हुए हैं। पुलिस अधिकारी अधीनस्थ संग कावड़ मार्ग और कैंप का निरीक्षण कर रहे है. और रणनीति के तहत सेक्टर बनाकर कांवड़ियों के लिए सुरक्षा का माहौल तैयार किया जा रहा है। साथ ही यातायात प्लान किस तरह से धरातल पर चल रहा है उसका अवलोकन भी किया जा रहा। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए 5 अगस्त को प्रशासनिक अधिकारियों ने एक बार फिर कांवड़ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम और पुलिस अधिकारियों ने संभावित भीड़ को देखते हुए मार्गों, बैरिकेडिंग और नियंत्रण कक्षों की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान डीएम रविंद्र कुमार और पुलिस अधिकारियों ने लोनी क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण करते हुए अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को यात्रा मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने संबंधी आवश्यक निर्देश भी दिए।

ओवर स्पीडिंग के विरुद्ध यातायात पुलिस मुजफ्फरनगर का विशेष अभियान, 54 वाहनों के किये चालान।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं सुरक्षित सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर श्री संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अतुल कुमार चौबे के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात नगर श्री राधा रमण एवं यातायात प्रभारी श्री राकेश कुमार के नेतृत्व में यातायात पुलिस मुजफ्फरनगर द्वारा थाना नई मंडी क्षेत्र में ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अतुल कुमार चौबे स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर चेकिंग अभियान का निरीक्षण करते हुए ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई कराई। अभियान के दौरान ओवर स्पीडिंग करते पाए गए 54 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें 21 रोडवेज बसें भी शामिल हैं। अभियान का उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा आमजन एवं कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जनसंदेश- यातायात पुलिस मुजफ्फरनगर जनपदवासियों एवं वाहन चालकों से अपील करती है कि–

1. यातायात नियमों का पालन करें एवं सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुँचें।
2. शराब पीकर वाहन न चलाएं।
3. वाहन चलाते समय धैर्य एवं सतर्कता बरतें।
4. दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।
5. तीन सवारी बैठाकर वाहन न चलाएं।
6. निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मुजफ्फरनगर पुलिस आमजन से अपील करती है कि आपकी थोड़ी-सी सावधानी किसी की जान बचा सकती है। सुरक्षित रहें, यातायात नियमों का पालन करें तथा कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित एवं सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

कॉटन वेस्ट कारोबारियों की आवाज बने महबूब अली, सदन मे उठाई

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री/ उत्तर प्रदेश लोक लेखा समिति के सभापति महबूब अली ने विधानसभा सत्र के दौरान जनपद अमरोहा के प्रमुख कॉटन वेस्ट एवं ढोलक उद्योग से जुड़े कारोबारियों के हितों का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने याचिका के माध्यम से इन कारोबारियों को पूर्व की भांति विद्युत सब्सिडी प्रदान किए जाने की मांग की। सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में कॉटन वेस्ट और ढोलक उद्योग बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका का आधार है। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान इन कारोबारियों को बिजली सब्सिडी दी जाती थी, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिलती थी और उद्योग को भी बढ़ावा मिलता था। उन्होंने विधानसभा में मांग की कि पूर्व की व्यवस्था को पुनः लागू करते हुए कॉटन वेस्ट एवं ढोलक कारोबारियों को बिजली सब्सिडी का लाभ दिया जाए। इस पर संबंधित विभागीय मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करते हुए कारोबारियों को विद्युत सब्सिडी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

बिजनौर में विशाल रोजगार मेले का आयोजन 800 युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्रिएटिव फार्मिंग प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा ग्राम नवादा चौहान, नेहतौरझ्रशादीपुर रोड पर बुधवार को एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में बिजनौर सहित आसपास के क्षेत्रों से करीब 800 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की। रोजगार मेले का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बिजनौर की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक बिजनौर तथा जिला रोजगार अधिकारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने रोजगार मेले का अवलोकन कर इसकी सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के कौशल विकास और रोजगार सृजन के प्रयासों को ऐसे आयोजन नई गति प्रदान करते हैं। रोजगार मेले में क्रिएटिव फार्मिंग प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, पनेला एग्रो प्रोडक्ट्स तथा मिल्क-राइज डेयरी फार्मर्स प्राइवेट लिमिटेड सहित विभिन्न संस्थानों ने अपने स्टॉल लगाए। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों से सीधा संवाद किया, उनके आवेदन प्राप्त किए तथा उपलब्ध रोजगार अवसरों और भविष्य की भर्ती प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवाओं ने भी अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार पाने के लिए कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक विजेन्द्र कुमार ने कहा कि उनकी संस्था का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। कार्यक्रम का संचालन शिशिर भटनागर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में गजेन्द्र सिंह, पंकज, विमल चंदोला, संजीव, रजत, शिवकुमार, प्रतिभा, मुनेश, राहुल, नीमा, वैशणवी, अर्चना, उस्मान, दिनेश, लक्ष्य, विशाल, सत्यप्रकाश, स्वराज तथा गजेन्द्र सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समापन समारोह में सभी मुख्य अतिथियों, सहभागी कंपनियों, सहयोगियों एवं उपस्थित अभ्यर्थियों का आभार व्यक्त किया गया। अतिथियों ने इस पहल को जनपद के युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने और बेरोजगारी कम करने की दिशा में प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के निरंतर आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव आयोजित, किसानों को दी आधुनिक पशुपालन की जानकारी

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। दुग्ध विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बुधवार को विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य डेयरी एवं पशुपालन से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा किसानों एवं पशुपालकों को आधुनिक डेयरी प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराना था। कॉन्क्लेव में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए पशुपालकों एवं किसानों को आधुनिक डेयरी प्रबंधन, नंदबाबा दुग्ध मिशन, औपचारिक डेयरी प्रसंस्करण (दुग्ध नीति-2022), चारा प्रबंधन, पशुओं की पहचान, रोगों की रोकथाम, निगरानी, नियंत्रण एवं टीकाकरण सहित विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, कृषि वैज्ञानिक डॉ. के.के. सिंह, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. घनश्याम वर्मा तथा इंडियन बैंक के प्रबंधक ने किसानों को डेयरी विकास योजनाओं एवं ऋण सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन कर आय बढ़ाने के उपाय भी बताए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 के चयनित लाभार्थियों को चयन-पत्र वितरित किए। उन्होंने किसानों से पशुपालन को आधुनिक तकनीकों के साथ अपनाने तथा सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल ने सभी अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं उपस्थित पशुपालकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डेयरी क्षेत्र के विकास में किसानों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

8वें वेतन आयोग में शामिल करने सहित विभिन्न मांगों को

प्रातः किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन जनपद शाखा बिजनौर की मासिक बैठक बुधवार को पुराना महिला चिकित्सालय, सिविल लाइन स्थित संगठन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता ओमवीर सिंह मलिक ने तथा संचालन जिला मंत्री योगेश्वर ने किया। बैठक में वक्ताओं ने 8वें वेतन आयोग में पुराने पेंशनरों को शामिल किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। वक्ताओं ने कहा कि वित्त विधेयक-2025 में पेंशनरों को आयोग के दायरे से बाहर रखे जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। संगठन ने मांग की कि तिथि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए तथा सभी पुराने पेंशनरों को भी 8वें वेतन आयोग का लाभ दिया जाए। संरक्षक एस.के. मिश्रा ने भारत सरकार के 29 अगस्त 2008 के राजपत्र में प्रकाशित निर्णय के अनुरूप कर्मचारी, शिक्षक एवं पेंशनरों के लिए अलग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) लागू करने तथा पेंशन के राशिकरण की कटौती 10 वर्ष बाद समाप्त करने की मांग की। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के संरक्षक देशराज सिंह ने 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद प्रत्येक पांच वर्ष पर पेंशन में पांच प्रतिशत की वृद्धि तथा पेंशन को आयकर से मुक्त रखने की मांग उठाई। जिला मंत्री योगेश्वर ने कोरोना काल के 18 माह के महंगाई राहत (डीआर) के एरियर का भुगतान किए जाने और वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में 50 प्रतिशत की रियायत बहाल करने की मांग की। हरवीर सिंह ने कहा कि यदि केंद्र सरकार प्रदेश के पेंशनरों को 8वें वेतन आयोग के दायरे में शामिल नहीं करती है तो पेंशनर्स आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक में प्रीतम सिंह, बलबीर सिंह, महेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह मलिक, धर्मपाल सिंह, विजेंद्र सिंह राठी, राजवीर सिंह, शमशेर सिंह राठी, एस.यू. अंसारी, यशपाल सिंह, रियाज अहमद, बलजीत सिंह, बाबूराम मेहरा, नरपाल मलिक सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर रोहतास सिंह, जयपाल सिंह, अमन सिंह, बृजेश सिंह, कल्याण सिंह, वीरेंद्रपाल सिंह, टीकम सिंह, लीलापत, गजराज सिंह, ओमपाल सिंह, बुद्ध प्रकाश शर्मा, धर्मपाल सिंह, आशुतोष शर्मा, कुलबीर सिंह, सुवेद्र सिंह, लेखराज सिंह, राजकुमार अग्रवाल, महबूब अहमद, लियाकत हुसैन, रमेश सिंह सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे। बैठक के अंत में अध्यक्ष ओमवीर सिंह मलिक ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की।

ऑपरेशन वात्सल्य अभियान के तहत थाना रामराज पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, 12 घंटे के अन्दर गुमशुदा युवती को सकुशल किया बरामद।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर श्री संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में गुमशुदा की तलाश हेतु चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन वात्सल्य के अन्तर्गत, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जानसठ सुश्री ऋषिका सिंह तथा थानाध्यक्ष रामराज श्री ज्ञानेन्द्र सिरोही के कुशल नेतृत्व में थाना रामराज पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम ने त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए गुमशुदा युवती को मात्र 12 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 04.08.2026 को वादी निवासी ग्राम बहादरपुर, थाना रामराज, मुजफ्फरनगर द्वारा अपनी बहन (उम्र लगभग 21 वर्ष) के घर से नाराज होकर चले जाने के संबंध में थाना रामराज पर गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना रामराज पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा तत्काल तलाश अभियान प्रारंभ किया गया। टीम द्वारा सतर्कता एवं तकनीकी प्रयासों के आधार पर गुमशुदा युवती को थाना गोविन्दनगर, जनपद मथुरा क्षेत्र से मात्र 12 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। युवती के सकुशल मिलने पर उसके परिजनों ने मुजफ्फरनगर पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए थाना रामराज पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही की सराहना की।

बरामद करने वाली पुलिस टीमः-

1. उ0नि0 हर्षित शर्मा थाना रामराज, मुजफ्फरनगर।
2. का0 2126 धर्वेन्द्र थाना रामराज, मुजफ्फरनगर।
3. म0का0 686 निशा थाना रामराज, मुजफ्फरनगर।

लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

टाइम्स ऑफ इंडिया ने रिवा किशन के हवाले से लिखा 'मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।'

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, 'मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।'

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं 'उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाई से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।'

....गलती से सीखूंगी

उन्होंने कहा 'मैंने इस सफर को कभी ऐसा नहीं माना कि मुझे अपने पिता से अलग होना है, न ही ऐसा कि यह मुझे विरासत में मिल जाएगा। उनकी विरासत उनकी अपनी है, मेरी जिम्मेदारी अपनी खुद की पहचान बनाना है। अगर मैं कामयाब होती हूं, तो मैं चाहूंगी कि यह मेरी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की वजह से हो। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो मैं उससे सीखना चाहूंगी। मैं और और मजबूत होकर वापसी करना चाहूंगी।

'हीर रांझा' पर अपडेट, क्या रोहित सराफ निभाएंगे लीड रोल

फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कई एक्टर्स के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें रोहित सराफ का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रोहित जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन साजिद अली ने अब इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।

कास्टिंग पर बात करते हुए साजिद अली ने कहा, 'अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। ये पुरानी खबर फिर से सामने आ गई है, पता नहीं कहां से।' उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म की फीमेल लीड, जिसे एक नई एक्ट्रेस माना जा रहा है, वह भी अभी तक तय नहीं हुई है।

साजिद अली ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के बीच में शुरू होगी, उससे पहले नहीं। उन्होंने कहा, 'अभी ज्यादा बात करने जैसा कुछ नहीं है, लेकिन हम अक्टूबर के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। हम देहरादून में शूट करेंगे।'

'हीर रांझा' के बारे में

साजिद अली के निर्देशन में बनने वाली 'हीर रांझा', 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा होगी। मेकर्स के मुताबिक, यह फिल्म दर्शकों के साथ इमोशनल जुड़ाव को आगे बढ़ाएगी। मेकर्स ने कहा कि, 'यह फिल्म क्लासिक रोमांस पर आधारित होगी, लेकिन आज के समय के हिसाब से बनाई जाएगी। 'हीर रांझा' नई पीढ़ी के लिए प्यार को नए तरीके से दिखाएगी और एक इमोशनल और पोएटिक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। टाइटल सामने आते ही 'लैला मजनू' के फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखी गई है।'

फातिमा ने खुद को क्यों बताया मुसीबत खड़ी करने वाली लड़की

फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान हैं। बात खत्म।'

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

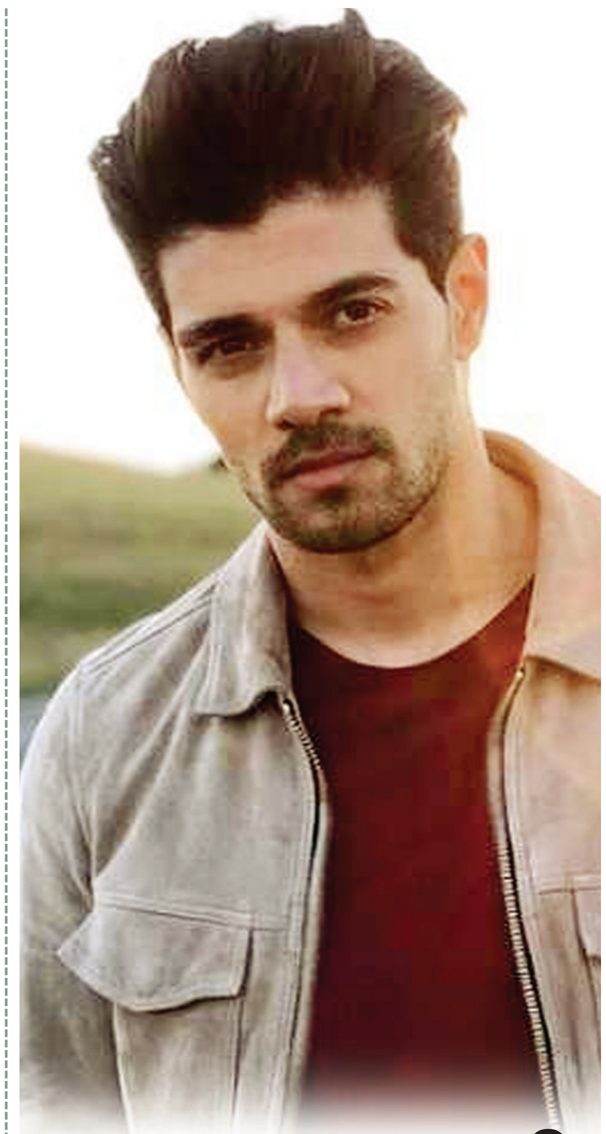

14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने में बिताए

एक्ट्रेस जिया ने 2013 में सुसाइड कर लिया था। इसकी वजह से कई साल तक सूरज पंचोली पर मुकदमा भी चला। अब सूरज ने इस मामले में अपना पक्ष फैंस के सामने रखा और उनसे अपील भी की है।

सूरज ने शेयर की पोस्ट

अभिनेता सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया के जरिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सभी मीडिया संस्थानों से निवेदन है। कृपया स्पष्ट करें कि आपके किन सवालों के जवाब नहीं मिले और कृपया अपने तथ्यों की जांच सही तरह करें। मैंने 14 साल तक चले मुकदमे का सामना किया। मामला तथ्यों, सबूतों और कानून के आधार पर तय किया गया था। मुझे बरी कर दिया गया था, और कानूनी कार्यवाही से संबंधित कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका जवाब न मिला हो। अदालत के सभी रिकॉर्ड और मुकदमे की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में कोई राय बनाने से पहले फैक्ट को समझना चाहता है, वह उन्हें देख सके।'

'मैं सिर्फ बीस साल का था'

अपनी पोस्ट में सूरज ने आगे लिखा, 'जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने मेरा जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।' इसके बाद उन्होंने बताया, 'जिया के सम्मान के कारण, मैंने कभी भी सार्वजनिक रूप से उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की जो उन्होंने मुझसे साझा कीं। मैंने अपने साथ हुए हर कष्ट के बावजूद उनकी निजता को सुरक्षित करना चुना। मैं बदले में केवल यही निष्पक्षता और सम्मान चाहता हूं।'

मुकदमे ने बर्बाद कर दिए बेहतरीन साल

अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, 'मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था। इसके बजाय, मैं एक ऐसे मुकदमे के बोझ तले जी रहा था जिसने मेरे बीसवें और तीसवें दशक के एक बड़े हिस्से को बर्बाद कर दिया। सिर्फ मैं ही जानता हूँ कि हर दिन मेरे मन और दिल में क्या बोझ रहता था। कानून की अदालत ही एकमात्र ऐसी जगह थी जहाँ मैं अपनी बेगुनाही साबित कर सकता था। मैंने न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा किया, और 14 साल बाद मैं निर्देष साबित हुआ।'

लोग भले रूड कहें, मगर अपना मुंह बंद नहीं करूंगी

हमेशा सुर्ख़ियों में रहने वाली शहनाज गिल फैंस ओर पैपराजी की फेवरेट हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज के तकरीबन 19 मिलियंस फॉलोवर्स हैं। इन दिनों वे ख़बरों में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म इश्कनामा से। इस मुलाकात में वे इश्क, शादी, फैंस और बेबाकी पर बिंदास होकर बात करती हैं।

इश्क में धूम मचा दो

आज प्यार को सिचुएशनशिप, होस्टिंग, बेंचिग, जॉम्बिंग जैसे टर्म्स से डिफाइन किया जाता है, जबकि एक जमाने में मोहब्बत, इश्क, उन्स जैसे लफ्ज हुआ करते थे, आपके लिए प्यार क्या है? इस सवाल पर शहनाज कहती हैं, 'इश्क को लेकर तो मुझे एक गाना याद आ रहा है। 'इश्क इश्क करना है कर ले, इश्क इश्क में जी ले मर ले, इश्क इश्क ना हो दोबारा, धूम मचा ले' मुझे लगता है इश्क धूम है, तो इश्क में धूम मचा दो। मगर मैं कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में नहीं पड़ी। मुझे वैसा वाला इश्क नहीं हुआ।'

पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शहनाज के लिए बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा। उसी के बाद शहनाज की मासूम, बेबाक और बिंदास इमेज बनी, जो लगातार आज भी जारी है। हमने उनसे जानना चाहा कि इस इमेज का उन्हें खामियाजा उठाना पड़ा है या फायदा हुआ है? इस पर उनका कहना है, 'नुकसान ज्यादा और फायदा कम होता है, मगर मुझे लगता है, दोनों बराबर ही होता है। कई लोग इस चीज को सपोर्ट करते हैं, तो कई लोग ये भी कहते हैं, 'क्या बोल रही है? क्यों बोल रही है, शी इज सो रूड,' मगर सॉरी लोगों के लिए मैं खुद को नहीं बदल सकती। मैं जो कुछ कहती हूं, मुंह पर कह देती हूं। मैं ऑनेस्ट हूं, मगर मैं किसी से हर्ट हूं, तो अपना हर्ट होना झट से बता देती हूं। उस वक्त मैं सामने वाले को हर्ट करने के चक्कर में अपने भीतर की सारी अच्छाई और कोमलता छुपा कर जाता देती हूं कि आपने मुझे दुख पहुंचाया है। ऐसा करके मुझे जवाब मिल जाता है कि सामने वाले ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। सच कहूं, तो मैं भले अपनी लाइफ में सॉर्टेड हूं। लेकिन मुंह बंद नहीं करूंगी।'

सच्चे फैंस को गले लगा लेती हूं

सोशल मीडिया हो या फैंस अथवा हो पैपराजी शहनाज गिल हर किसी की फेवरेट हैं। वे अपने फैंस और पैपराजी से बड़े प्रेम से पेश आती हैं। इस पर शहनाज कहती हैं, 'जो लोग मुझे जेनुइनली प्यार करते हैं, उनकी वाइब्स मुझे पता चल जाती हैं। जो मेरे सच्चे फैंस हैं, मैं उन्हें पहचान जाती हूं, तो जो वाकई मुझे प्यार करते हैं, मैं उन्हें पकड़ कर गले लगा लेती हूं।'

अपने परिवार में किसी एक को दोस्त बनाना जरूरी है

बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले शहनाज पर भी आम लड़कियों की तरह परिवार की तरफ से शादी का बहुत प्रेशर था। वे कहती हैं, 'मुझ पर काफी प्रेशर था शादी का। मैं जब भी शादियों में शामिल होती थी, तो मुझे रिश्तेदार पसंद कर लेते थे और रिश्ता भेज देते थे। मगर मैं उन रिश्तों को भगाने के लिए बहुत एटिट्यूड में रहती थी कि अगर मुझसे रिश्ता किया गया, तो मैं लड़के के घरवालों एक बैंड बजा दूंगी। इससे लड़के वाले भाग जाते थे।(हंसती हैं) मगर यहां मैं यही कहूंगी कि जब भी किसी लड़की पर शादी का दबाव बनाया जाए, तो उसे अपने दादा-दादी, मम्मी -पापा किसी से झिझकना नहीं चाहिए। अपनी बात बताना और रखना जरूरी है। आप इस बारे में बाहर बात करते हैं, अपने फ्रेंड्स से शेयर करते हैं, पर मैं कहूंगी कि अपने परिवार के अंदर दोस्त बनाओ। परिवार में कम से कम एक ऐसा दोस्त बनाओ, जो आपके इतना करीब हो कि उसे आप अपनी हर बात साझा कर सको।

....तब सोशल मीडिया से चार दिन की छुट्टी ले लेती हूं

अपने आसपास की नेगेटिव एनर्जी से डील करने के टिप्स देते हुए वे कहती हैं, 'मैं पॉजिटिव और हाइड्रेटेड रहती हूं। अपना मेकअप करती हूं। अगर मुझे अपने बारे में कुछ ज्यादा ही नेगेटिव दिख रहा है, तो फिर मैं थोड़ी देर के लिए फोन स्विच ऑफ कर लेती हूं। अपने करीबियों को बुलाती हूं और उनके साथ थोड़ी मौज -मस्ती करती हूं। फिर मैं चार दिन तक सोशल मीडिया देखती तक नहीं। इससे मेर दिमाग उन चीजों से दूर हो जाता है। वैसे भी चार दिन बाद कोई भी खबर ठंडी पड़ जाती है। मगर इन चार दिनों में मैं जम कर मजे करती हूं।'

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

20,000 मुफ्त टिकट दे रही इंडिगो

नई दिल्ली, एजेंसी। हवाई यात्रा करने वालों को लिए अच्छी खबर है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 20वीं सालगिरह के मौके पर एक खास ऑफर लेकर आई है। इसके तहत कंपनी ग्राहकों को 20,000 मुफ्त घरेलू फ्लाइट टिकट जीतने का मौका दे रही है। हैप्पी इंडिगो डे कैंपेन में एयरलाइन चुने हुए ग्राहकों को उनके किराए का पैसा रिफंड करेगी। यह रिफंड प्रति पीएनआर 10,000 रुपये तक होगा। यह उन घरेलू बुकिंग्स पर लागू होगा जो 4 अगस्त से 6 अगस्त, 2026 के बीच की गई हों। यह ऑफर सिर्फ इंडिगो के डायरेक्ट चैनलों जैसे वेबसाइट, मोबाइल ऐप और एआई वर्चुअल असिस्टेंट 'Eskai' के जरिए की गई बुकिंग्स पर ही मिलेगा। यह ऑफर इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर लाया गया है। इंडिगो ने 4 अगस्त, 2006 को गुवाहाटी होते हुए दिल्ली और इंफाल के बीच अपनी पहली फ्लाइट के साथ उड़ान भरना शुरू किया था। आज कंपनी के पास 430 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है और यह रोजाना लगभग 2,200 फ्लाइट ऑपरेट करती है। ऑफर के दौरान जो ग्राहक योग्य घरेलू फ्लाइट्स बुक करेंगे, उन्हें एक रैंडम सिलेक्शन प्रोसेस में शामिल किया जाएगा। चुने गए ग्राहकों को एक ईमेल और मैसेज भेजा जाएगा, जिसमें उनसे एक आसान सवाल का जवाब देने के लिए कहा जाएगा। हर चुने हुए ग्राहक को सही जवाब देने के लिए तीन मौके मिलेंगे। सही जवाब देने वाले ग्राहक को बुकिंग का किराया वापस मिल जाएगा। यह रकम प्रति अधिकतम 10,000 होगी और रिफंड तीन से पांच वर्किंग डेज में मिल जाएगा। यह ऑफर इकॉनमी क्लास और दोनों तरह की बुकिंग के लिए मान्य है। इसमें घरेलू रूट पर वन-वे और रिटर्न यात्राएं शामिल हैं। इंडिगो ने कहा है कि यह ऑफर कंपनी की वेबसाइट पर दी गई शर्तों और नियमों के अधीन है।

मणिपाल हेल्थ इंटरप्राइजेज के निवेशकों को पहले दिन ही मिला 11% का रिटर्न

मुंबई, एजेंसी। बेंगलुरु की हॉस्पिटल चेन चलाने वाली कंपनी मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज के शेयर आज इश्यू प्राइस से 11% प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए।

यह जहां बीएसई पर 655 रुपये में लिस्ट हुए वहीं एनएसई पर इसकी लिस्टिंग प्राइस 652 रुपये रही। मतलब कि जिन निवेशकों ने इस पर दांव खेला था, उन्हें एक दिन में ही 10 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न तो मिल ही गया। इसका आईपीओ इश्यू प्राइस 590 रुपये प्रति शेयर था। मणिपाल हेल्थ का आईपीओ पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इसमें निवेशकों ने बीते 29 जुलाई से 31 जुलाई तक बोली लगाई थी। इसमें सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक का एक्सपोजर है। साथ ही इसमें रंजन पई का भी सपोर्ट है। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए लगभग 9,275 करोड़ जुटाई है। इसमें 8,000 करोड़ रुपये के 13.56 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। साथ ही मौजूदा शेयरहोल्डर्स ने भी ओएफएस के जरिए लगभग 1,275 करोड़ के 2.16 करोड़ शेयर बेचा है। इश्यू के लिए 560 से 590 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया था। इश्यू से पहले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 2% चल रहा था।

सोने-चांदी के चढ़े भाव: 33 घंटे में सिल्वर 7000 उछली

गोल्ड 2287 हुआ महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में आज भी तेजी है। एमसीएक्स पर सुबह सवा नौ बजे के करीब सोना 0.62 प्रतिशत उछल कर 145187 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से ट्रेड कर रहा था। जहां तक चांदी की बात करें तो आज बुधवार 5 अगस्त की सुबह यह 1.01 प्रतिशत महंगी होकर 223850 रुपये प्रति किलो ग्राम के रेट से ट्रेड कर रही थी। सोमवार रात को सोना 142900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। जबकि, चांदी 216506 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। यानी पिछले 33 घंटे में सोना 2287 रुपये महंगा हुआ है। जबकि, चांदी के भाव इस अवधि में 7000 रुपये चढ़े हैं। प्रति औंस पर पहुंच गया। इससे पहले हफ्ते के पहले दो सत्रों में इसमें 0.8% का इजाफा हो चुका है। सिंगापुर में सुबह 9:45 बजे स्पॉट गोल्ड (तुरंत डिलीवरी वाला सोना) 0.4% बढ़कर 4,094.11 डॉलर प्रति औंस पर था। चांदी 0.6% बढ़कर 59.89 डॉलर प्रति औंस पर थी। फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से सोना 20 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। इस संघर्ष ने ऊर्जा की कीमतें आसमान पर पहुंचा दी हैं, इस आशंका को भी जन्म दिया है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। फिर भी, पिछले हफ्ते हुई फेड की बैठक में अधिकारियों ने लगातार पांचवीं बार नीतियों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया।

क्यों बढ़ रहे सोने-चांदी के दाम

ईरान-अमेरिका टेंशन: कतर ने कहा है कि होर्मुज के रास्ते सामान्य व्यापारिक शिपिंग को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। अमेरिका और ईरान के अधिकारियों ने भी बातचीत में तरक्की के संकेत दिए हैं। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का एलान कर सकता है। दूसरी ओर बाजार अब यह मानकर चल रहे हैं कि साल के अंत तक अमेरिका में ब्याज दरों में सिर्फ एक बार बढ़ोतरी होगी।

ईपीएफओ मेंबर्स सावधान! इस वायरल मैसेज से रहें दूर, जारी हुई अहम चेतावनी

__नईदिल्ली, एजेंसी।__ अगर आप की ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए एक अहम खबर है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर एक संदेश तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें दावा किया गया था कि प्लेटफॉर्म 5 अगस्त को सिस्टम अपग्रेड के कारण अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इतना ही नहीं, इस वायरल संदेश में यह भी कहा गया कि ऐप के जरिए मिलने वाली कुछ सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। अब इस पूरे मामले पर खुद सामने आकर सच्चाई बता दी है और साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा यह संदेश पूरी तरह फर्जी और भ्रामक है। अपने आधिकारिक ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर जो एडवाइजरी वायरल हो रही है, उसका संगठन से कोई संबंध नहीं है। अनुसार, यह संदेश न तो उसके द्वारा जारी किया गया है, न ही अधिकृत या अनुमोदित है। इसलिए कर्मचारी, पेंशनभोगी और नियोक्ता इस तरह के संदेशों पर भरोसा न करें। दरअसल, वायरल मैसेज में दावा किया गया था कि एप्लिकेशन निर्धारित सिस्टम अपग्रेड के चलते कुछ समय के लिए उपलब्ध नहीं रहेगी।

10 दिन की कश्मीर ट्रिप ने बदल दी जिंदगी, तमिलनाडु की सिंधु ने श्रीनगर में शुरू किया डोसा बिजनेस

रेस्टोरेंट बिजनेस तक का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीनगर के जवाहर नगर स्थित इडली एंड डोसा डिलाइट रेस्तरां में हर शाम गरम-गरम डोसा और इडली की खुशबू महकती है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि यहां स्थानीय कश्मीरी व्यंजनों के बजाय लोग 3000 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ऑथेंटिक स्वादों का लुत्फ उठाने आ रहे हैं। इस रेस्टोरेंट की फाउंडर 27 वर्षीय सिंधु हैं, जो मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली हैं। द बेटर इंडिया के मुताबिक फरवरी 2021 में वह सिर्फ 10 से 11 दिनों की सोलो बैकपैकिंग ट्रिप पर कश्मीर आई थीं, लेकिन यहां के लोगों की मेहमाननवाजी और सुरक्षा के अहसास ने उनकी जिंदगी का रुख बदल दिया।

सिंधु के पिता ट्रक ड्राइवर रहे हैं। उनका सपना था कि वे एक दिन कश्मीर जाएं, लेकिन साल 2018 में एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया। सिंधु जब खुद पहली बार कश्मीर आईं, तो उन्हें यहां के लोगों के आत्मीय व्यवहार ने बेहद प्रभावित किया।

उन्होंने कश्मीर यात्रा के वीडियो बनाए, जिन्हें दक्षिण भारत में काफी पसंद किया गया। साल 2022 में उन्होंने अपनी ट्रैवल कंपनी शुरू की, जो अब तक 1000 से अधिक तमिल और दक्षिण भारतीय परिवारों को कश्मीर घुमा चुकी है। पर्यटकों के साथ काम करते हुए सिंधु ने देखा कि दक्षिण भारतीय सैलानियों को ऑथेंटिक खाना मिलने में परेशानी होती थी। इसी जरूरत को देखते हुए सितंबर 2024 में उन्होंने खयाम इलाके में 120 स्क्वेयर फीट का पहला डोसा आउटलेट खोला।

90% ग्राहक स्थानीय कश्मीरी

शुरुआत में पर्यटकों के लिए खोला गया यह आउटलेट जल्द ही स्थानीय कश्मीरियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया। दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में पढ़ाई या नौकरी कर चुके कश्मीरी युवा अपने दोस्तों और परिवारों के साथ यहां आने लगे। इडली राइस, उड़द दाल, इमली और फिल्टर कॉफी पाउडर सीधे तमिलनाडु से मंगाए जाते हैं। तमिलनाडु के शेफ: डोसा मास्टर और मुख्य रसोइया तमिलनाडु से हैं ताकि प्रामाणिक स्वाद बना रहे। वर्तमान में श्रीनगर के खयाम और जवाहर नगर में 2 आउटलेट संचालित हैं। शादियों में भी उनके डोसा काउंटर बुक किए जा रहे हैं।

आईटीआर भर दिया, अब अकाउंट में कब आएगा टैक्स रिफंड देरी होने पर 3 चीजें जरूर चेक करें

नई दिल्ली, एजेंसी। आकलन वर्ष 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए वेतनभोगी करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 को समाप्त हो चुकी है। इनकम टैक्स विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स के अनुसार, आखिरी तारीख तक 5.9 करोड़ से अधिक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। रिटर्न दाखिल और ई-वेरिफिकेशन पूरा करने के बाद अब करदाताओं की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि उनका रिफंड बैंक अकाउंट में कब तक आएगा।

आयकर विभाग रिफंड तब जारी करता है जब करदाता द्वारा जमा किया गया कुल टैक्स (एडवांस टैक्स या सेल्फ-असेसमेंट टैक्स) उसकी वास्तविक टैक्स देनदारी से अधिक हो जाता है। अंतिम कर योग्य राशि का निर्धारण सभी पात्र कटौतियों और छूटों को जोड़ने के बाद किया जाता है।

आयकर विभाग की वेबसाइट के अनुसार, ई-वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद टैक्स रिफंड खाते में क्रेडिट होने में आमतौर पर 4 से 5 हफ्ते का समय लगता है। टैक्स एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि आपने जुलाई के अंतिम सप्ताह में आईटीआर दाखिल करने के बाद सफलतापूर्वक ई-वेरीफाई कर लिया है, तो रिफंड 2 से 6 सप्ताह के भीतर आ सकता है। अधिकांश करदाताओं के लिए रिफंड का पैसा अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य के बीच बैंक खाते में ट्रांसफर होने की संभावना है, बशर्ते डेटा में कोई मिसमैच या त्रुटि न हो।

ई-वेरिफिकेशन चेक करें: रिफंड प्रोसेस होने की पहली शर्त यह है कि ई-वेरिफिकेशन पूरा होना चाहिए।

ईमेल और पोर्टल चेक करें: यदि 4 से 5 सप्ताह बाद भी पैसा न आए, तो आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर जांचें और अपने रजिस्टर्ड ईमेल पर विभाग के किसी नोटिस या सूचना की जांच करें। बैंक अकाउंट प्री-वैलिडेट करें: सुनिश्चित करें कि आपका बैंक खाता ई-फाइलिंग पोर्टल पर सही तरीके से प्री-वैलिडेटेड और पैन से लिंक हो।

यार्न बनाने वाली कंपनी आस्था स्पिनटेक्स का शेयर पहुंचा अपर सर्किट में

मुंबई, एजेंसी। आप अपर सर्किट वाले शेयरों को ट्रैक करते हैं तो ऐसी ही गुजरात की एक कंपनी है आस्था स्पिनटेक्स लिमिटेड इंटीग्रेटेड कॉटन यार्न बनाने वाली इस कंपनी के शेयर आज अपर सर्किट में फंसे हैं। हम बता रहे हैं इसके अपर सर्किट में फंसने का कारण।

शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक कंपनी ने हाल ही में फाल्कन यार्न्स प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण किया था। इसी कंपनी को इस साल अगस्त से अक्टबर की तिमाही में करीब 51.46 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी के कन्फर्म ऑर्डर बुक में 10 से ज्यादा ग्राहकों से मिले 38 ऑर्डर शामिल हैं। यह कुल मिलाकर 17.35 लाख किलो कॉटन यार्न का ऑर्डर है। ये ऑर्डर कंपनी के वित्त वर्ष 2024-25 के रेवेन्यू का लगभग 20.62% हिस्सा हैं। आस्था स्पिनटेक्स के शेयर कल यानी मंगलवार को बीएसई में 83.74 रुपये पर बंद हुए थे। आज सुबह यह करीब 10 फीसदी चढ़ कर 92.09 रुपये पर बंद हुए। यही इसका न्यूनतम स्तर था। कुछ ही क्षण में यह बढ़ कर 92.11 रुपये पर पहुंच गया जो कि आज के लिए अपर सर्किट का लेवल था। इसमें 10 फीसदी का अपर सर्किट है। मजबूत ऑर्डर बुक: अगस्त और अक्टूबर 2026 के बीच पूरे किए जाने वाले 51.46 करोड़ रुपये के कन्फर्म ऑर्डर। मजबूत मंथली रन रेट: अगस्त (25.72 करोड़ रुपये) और सितंबर (24.42 करोड़ रुपये) की ऑर्डर बुक लगातार और ज्यादा वैल्यू वाली डिमांड दिखाती है। बड़े और अलग-अलग तरह के क्लाइंट: 10 से ज्यादा नामी क्लाइंट से ऑर्डर मिले हैं, जिनमें फेयर डील, एल्किन्स ट्रेडलिंक्स लिमिटेड, ए एम ट्रेडिंग, एसीएमई टेक्सटाइल, एलेक्सा निटफैब प्राइवेट लिमिटेड, अमित एक्सपोर्ट, अमिता यार्न फैब, अंकिता एक्सपोर्ट, निया टेक्सटाइल, शरवे एग्रोनिक्स एलएलपी और वेंटेक्स टेक्सटाइल शामिल हैं। बार-बार मिलने वाले ऑर्डर का मोमेंटम: मुख्य क्लाइंट ने तीन महीने की अवधि में कई बार ऑर्डर दिए जो प्रोडक्ट की क्वालिटी, भरोसे और क्लाइंट के विश्वास को मजबूती से दिखाता है। इस दौरान ए एम ट्रेडिंग को जोड़ा गया, जिससे मार्केट में पहुंच और बढ़ी और कस्टमर बेस और मजबूत हुआ। सभी ऑर्डर कंपनी के मुख्य कॉटन यार्न सेगमेंट से जुड़े हैं, जिन्हें गुजरात में मौजूद इसकी यूनिट्स में बनाया जाता है।

वी एक एक्सक्लुज़िव साझेदारी के साथ अपने प्रीपेड यूज़र्स के लिए लाया स्पॉटीफाय प्रीमियम

मुंबई, एजेंसी। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज तीन नए प्रीपेड रीचार्ज प्लान्स की घोषणा की है, जिसके साथ यूज़र बिना किसी अतिरिक्त लागत के स्पॉटीफाय प्रीमियम का लाभ उठा सकते हैं, ये प्लान एक ही रीचार्ज पर प्रीमियम युज़िक, एंटरटेनमेन्ट और डेटा के बेहतर फायदे- सभी एक साथ देते हैं। ऐसे में ये युज़िक के साथ आने वाले सबसे किफ़ायती प्रीपेड प्लान्स हैं। आज के दौर में, खासतौर पर युवा उपभोक्ताओं के लिए युज़िक, डिजिटल जुड़ाव का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए अपने प्रीपेड पोर्टफोलियो में स्पॉटीफाय प्रीमियम को शामिल कर वी ने प्रीमियम युज़िक स्ट्रीमिंग को और अधिक सुलभ बना दिया है, अब वी के यूज़र इसके मु य रीचार्ज प्लान्स के साथ बिना किसी रूकावट ऐड-फ्री युज़िक, ऑफलाईन डाउनलोड्स और ऑडियो की शानदार गुणवत्ता का आनंद उठा सकते हैं। यूज़र्स के लिए डिज़ाइन किए गए रु 435 के वी नॉन-स्टॉप हीरो प्रीपेड प्लान के साथ अब स्पॉटीफाय प्रीमियम भी मिलता है, जिसके लिए कोई अतिरिक्त कीमत नहीं चुकानी पड़ती, साथ ही अनलिमिटेड डेटा, अनलिमिटेड 4त्न/5जी कॉल्स, रोज़ाना 100 एसएमएस, जियोस्टार (मोबाइल) और 28 दिनों की वैलिडिटी तो है ही। यह प्लान एक ही रीचार्ज पर प्रीमियम युज़िक, एंटरटेनमेन्ट और निर्बाध कनेक्टिविटी- सभी कुछ एक साथ लेकर आता है, ऐसे में यह उन उपभोक्ताओं के लिए खासतौर पर फायदेमंद है जो कंटेंट का इस्तेमाल बहुत ज़्यादा करते हैं।

प्रीमियम युज़िक स्ट्रीमिंग को और भी सुलभ बनाते हुए अब रु 250 का प्रीपेड प्लान 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ 2त्नक्च डेटा, अनलिमिटेड कॉल्स, 300 एसएमएस और बिना किसी अतिरिक्त लागत के स्पॉटीफाय प्रीमियम के फायदे देता है।

यूपीआई चार्ज लगा तो 53% यूजर्स बदल सकते हैं पेमेंट का तरीका

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर केंद्र सरकार भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में प्रस्तावित संशोधनों को मंजूरी देती है, तो 3,000 रुपये से अधिक के लेन-देन के लिए आधे से अधिक यूपीआई यूजर्स दूसरे विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। इन संशोधनों से यूपीआई लेन-देन पर फिर से 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' लागू हो सकता है। संशोधन से सरकार को धारा 10 के तहत मौजूदा 'जीरो प्रावधान को हटाकर यूपीआई पर लागू करने का अधिकार मिल जाएगा। पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को अधिसूचित डिजिटल पेमेंट पर शुल्क लेने से रोकता है। गौरतलब है कि यह विधेयक यूपीआई का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर कोई शुल्क नहीं लगाने का प्रस्ताव रखता है।

एलजी ने नए अल्ट्रा-लार्ज एआई टीवी और नेक्स्ट-जेनरेशन मिनी एलईडी तकनीक के साथ अपने प्रीमियम टीवी पोर्टफोलियो का किया विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज अपने 2026 एआई टीवी लाइनअप की घोषणा की है, जिसमें अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन और मिनी एलईडी तकनीक को इसकी प्रीमियम टेलीविज़न रणनीति के केंद्र में रखा गया है। चूंकि भारतीय उपभोक्ता तेजी से ओटीटी स्ट्रीमिंग, लाइव स्पोर्ट्स और गेमिंग के लिए बड़ी स्क्रीन की ओर रुख कर रहे हैं, इसलिए एलजी की क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी रेंज इस लॉन्चिंग का मु य आकर्षण है। इसमें 292 सेमी (115-इंच) का लैगशिप मॉडल शामिल है, जो एलजी द्वारा भारतीय बाज़ार में अब तक पेश की गई सबसे बड़ी मिनी एलईडी स्क्रीन है।

एलजी की 2026 टीवी रेंज में चार डिस्प्ले तकनीकों - क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी, ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो / मिनी आरजीबी ईवो, और नैनो 4के यूएचडीके तहत 25 अल्ट्रा-लार्ज (190 सेमी (75-इंच) और उससे अधिक) मॉडल शामिल हैं। ये भारतीय घरों के लिए बेहतरीन पिक्चर क्वालिटी, इंटेलिजेंट पर्सनलाइज़ेशन, शानदार साउंड और बेहतरीन गेमिंग अनुभव का संयोजन पेश करते हैं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मीडिया एंटरटेनमेंट सॉल्यूशन के निदेशक, ब्रायन जंग ने कहा्भारत में बड़ी स्क्रीन की मांग पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ रही है, और मिनी एलईडी के ज़रिए हम इस मांग को बड़े पैमाने पर पूरा कर रहे हैं। इस साल की रेंज में हमारे 292 सेमी (115-इंच) के क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी लैगशिप टीवी के साथ-साथ ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो और नैनो 4क्य यूएचडी पोर्टफोलियो शामिल हैं। इनके ज़रिए हम स्टेडियम जैसे स्पोर्ट्स अनुभव, सिनेमाई डिटेल्स और नेक्स्ट-जेनरेशन एआई प्रोसेसिंग को देश भर के लिविंग रूम तक पहुंचा रहे हैं।

एलजी क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी- स्पोर्ट्स और गेमिंग के लिए अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन: 2026 के लाइनअप में सबसे आगे एलजी की क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी रेंज है, जिसका सबसे बड़ा साइज़ 292 सेमी (115-इंच) है और इसके चुनिंदा मॉडल्स अल्फा 8 एआई प्रोसेसर जेन3 द्वारा संचालित हैं। डायनामिक क्यूएनईडी कलर प्रोसर्टिफाइड 100 प्रतिशत कलर वॉल्यूम देता है।

संक्षिप्त समाचार

सेंट लुइस रैपिड-ब्लिट्ज प्रतियोगिता में शीर्ष पर प्रज्ञानंद

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने सेंट लुइस रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता के रैपिड वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 में से 12 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसके साथ ही वर्ष के अंत में होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें भी कायम रखी हैं। विश्व चैंपियनशिप 2026 की

दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानंद ने नौ दौर के रैपिड मुकाबलों में बेहतरीन तकनीक, सटीक चालों और जीत के जज्बे का परिचय दिया। उन्हें हालांकि के नौवें और अंतिम दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, फिर भी वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे।

सिंदारोव को पीछे छोड़ा

उन्होंने उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव (11 अंक) को पीछे छोड़ा, जो इस वर्ष विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में डी. गुकेश को चुनौती देंगे। प्रतियोगिता का परिणाम केवल रैपिड वर्ग से तय नहीं होगा। अब 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे, जिनके बाद कुल विजेता का फैसला होगा। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि दो लाख अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 50 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

मेसी की दरियादिली, आग प्रभावित क्षेत्रों के लिए दान दिए 80000 यूरो

मैड्रिड। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने स्पेनिश राजधानी मैड्रिड में हाल ही में जंगल में लगी भीषण आग से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के प्रयासों के लिए 80,000 यूरो (करीब 88 लाख रुपये) का दान दिया है। मैड्रिड क्षेत्रीय सरकार की प्रेसिडेंट इसाबेल डियाज अयुसो ने सोशल मीडिया पर इस अर्जेंटीना के स्टार के योगदान की घोषणा की और प्रभावित समुदायों के समर्थन में उनके इस उदार भाव के लिए धन्यवाद दिया।इसाबेल डियाज ने कहा, मेसी

ने मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए 80,000 यूरो दान किए हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि मैड्रिड के लोग जल्द ही उनका स्वागत करने और उन्हें वह सम्मान देने के लिए उत्सुक हैं जिसके वे हकदार हैं।

तेजी से फैली थी आग

यह दान ऐसे समय में आया है जब स्पेनिश अधिकारी मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र में तबाही मचाने वाली आग के बाद की स्थिति को संभालने के अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। इससे पहले, दक्षिणी यूरोप में जंगल की आग तेजी से फैलती रही, जिससे स्पेन, फ्रांस और इटली में बड़े पैमाने पर लोगों को वहां से निकालना पड़ा और आपातकालीन अभियान चलाने पड़े, क्योंकि अत्यधिक गर्मी और तेज हवाओं ने आग को और भड़का दिया था। यूरोन्यूज के अनुसार, स्पेन ने एक राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया था क्योंकि आग ने मैड्रिड के पास और अविला प्रांत में समुदायों को खतरे में डाल दिया था। मालूम हो कि मेसी ने अर्जेंटीना को 2026 फीफा विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था, जहां टीम को स्पेन से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

कई बार के चैंपियन ब्रॉक लेसनर का पेशेवर रेसलिंग से संन्यास

● समरस्लैम में फेमी से हार के बाद लिया फैसला

न्यूयॉर्क। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के दिग्गज ब्रॉक लेसनर ने पेशेवर रेसलिंग से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। ब्रॉक लेसनर को एक अगस्त को खेले गए समरस्लैम इवेंट में नाइजीरिया के उभरते हुए रेसलिंग स्टार ओबा फेमी के खिलाफ हार मिली थी। इसके बाद ही उन्होंने पेशेवर रेसलिंग छोड़ने का फैसला किया है। 49 साल के कई बार के डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ने एक शो पर अपने संन्यास लेने की पुष्टि की। कॉम्बैट स्पोर्ट्स में शानदार करियर के दौरान उन्होंने अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप और न्यू जापान प्रो रेसलिंग में भी हिस्सा लिया था।

लेसनर ने पुष्टि की है कि फेमी के खिलाफ उनका मुकाबला उनके करियर का आखिरी मैच है। उन्होंने यह भी माना कि अप्रैल में रेसलमेनिया 42 में फेमी से हारने के बाद उन्हें लगा था कि एक इन-रिंग परफॉर्मर के तौर पर उनका सफर खत्म हो गया है। उन्होंने अपने ग्लव्स और बूट्स रिंग में ही छोड़ दिए थे। लेकिन उन्होंने वापसी करने का फैसला किया और मई में 'क्लैश इन इटली' में 28 साल के इस रेसलर को हराया। हालांकि आखिर में समरस्लैम में 'हेल इन ए सेल' मैच में वे इस उभरते हुए स्टार से हार गए। मैच के बाद उन्होंने सम्मान के तौर पर ओबा का हाथ ऊपर उठाया और उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यू का भविष्य' बताया, जबकि खुद को बीता हुआ कल कहा।

लेसनर ने शो के दौरान कहा, मैं आज यहां दुनिया को बताने आया हूं कि मैंने संन्यास ले लिया है। शनिवार का दिन मेरे लिए काफी भावुक था। यह कुछ अजीब था। जब ओबा फेमी ने रेसलमेनिया में मुझे जोर से पटका तो मैंने कहा कि मैं अब और नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि मेरा काम हो गया है। लेकिन इस काम ने मुझे फिर से बुला लिया और मुझमें अभी भी थोड़ी हिम्मत बाकी थी। ब्रॉक लेसनर के लिए अब हो गया है। इस रिंग में मेरा काम खत्म हो चुका है।

शानदार रहा लेसनर का करियर

लेसनर की इस घोषणा के साथ ही कॉम्बैट स्पोर्ट्स के सबसे शानदार करियर में से एक का अंत हो गया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई से जुड़ने से पहले 49 साल के लेसनर दो बार ऑल-अमेरिकन और दो बार बिग टेन चैंपियन रहे थे। साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा का प्रतिनिधित्व करते हुए रेसलिंग में एनसीएए डिवीन 1 नेशनल चैंपियनशिप भी जीती थी। लेसनर की घोषणा के साथ ही पेशेवर स्पोर्ट्स के इतिहास में सबसे अनोखे और सफल करियर में से एक का अंत हो गया है।

बच्चों की दी मेहनत करने की सलाह

लेसनर ने कहा, मैं छोटे बच्चों से कहना चाहता हूं कि मैं भी एक छोटा सा किसान का बच्चा था, जिसकी जेब में बस कुछ धूल-मिट्टी के कण होते थे। मेरे बड़े सपने थे और मैंने बस मेहनत की। मुझे लगता है कि सोशल मीडिया पर बहुत से लोग एथलीट्स को कुछ करते हुए तो देखते हैं, लेकिन उनकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर बच्चे बस अपने काम पर ध्यान दें और मेहनत करें, तो अच्छी चीजें जरूर होंगी।

द्रविड़ से की अजिंक्य रहाणे की तुलना

गावस्कर बोले- उतना श्रेय नहीं मिला जिसके हकदार थे

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर का कहना है कि अजिंक्य रहाणे को उतना श्रेय नहीं मिला जिसके वह हकदार थे। गावस्कर ने रहाणे की तुलना राहुल द्रविड़ से की जिनकी कप्तानी में भारत ने कुछ शानदार जीत दर्ज की थी। रहाणे ने पिछले हफ्ते क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। रहाणे अक्सर एक शांत स्वभाव के खिलाड़ी रहे हैं जो बिना ज्यादा ध्यान आकर्षित किए अपना काम चुपचाप करते थे। उन्होंने अपनी कप्तानी का लोहा भी मनवाया था और जब विराट कोहली उपलब्ध नहीं होते थे, तो उन्होंने टेस्ट कप्तानी संभाली थी। रहाणे की सबसे बड़ी उपलब्धि 2020-21 की ऐतिहासिक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत है।

ऑस्ट्रेलिया में रहाणे की कप्तानी में जीती थी सीरीज

2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज के शुरुआती मैच में भारत मात्र 36 रन पर आउट हो गया था, जिसके बाद कोहली निजी कारणों के चलते स्वदेश लौट आए थे। इसके बाद मेहमान टीम एक के बाद एक चोटों से जूझती रही, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 0-1 से पिछड़ने के बाद सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। गावस्कर ने कहा, 2021 की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 36 रन पर ऑलआउट होने के बाद, रहाणे ने रवि शास्त्री के साथ मिलकर टीम को इस मुश्किल दौर से बाहर निकाला। उन्होंने एक ऐसी डूबती हुई नाव की कमान संभाली जो डूबने के लिए तैयार थी और न केवल इसे मुश्किल से निकाला, बल्कि भारत को ऑस्ट्रेलिया के गढ़ गाबा में एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक जीत दिलाई और इसके साथ ही सीरीज पर भी कब्जा किया।

गावस्कर बोले- हारने पर कप्तान-कोच को दिया जाता है दोष

एक अखबार के लिए लिखे कॉलम में गावस्कर ने लिखा, एक कप्तान के रूप में रहाणे का रिकॉर्ड असाधारण है, जिसमें छह में से चार जीत और कोई हार शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ की तरह, जिनकी कप्तानी में भी कुछ शानदार जीतें दर्ज हुईं, लेकिन उन्हें कभी वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। रहाणे के नेतृत्व को भी शायद ही वह सराहना मिली जिसके वह पात्र थे। यह भारतीय क्रिकेट की एक आम बात है। जब टीम जीतती है, तो सारा श्रेय व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वालों को मिलता है, चाहे वे बल्लेबाज हों या गेंदबाज। लेकिन जब टीम हारती है, तो कप्तान और कोच को दोष दिया जाता है।

ब्रेट ली ने प्रीति जिंटा से प्रेम संबंधों पर तोड़ी चुप्पी कहा- हम केवल दोस्त हैं

नई दिल्ली। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली ने आखिरकार बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ दी है। ली 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) फ्रेंचाइजी से जुड़े थे जिसकी को-ओनर जिंटा थीं। वह 2010 तक इस फ्रेंचाइजी के साथ रहे और फिर 2011 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें खरीद लिया। इतने सालों में दोनों के बीच डेटिंग की खबरें कई बार सामने आईं, लेकिन ना ही ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज और ना ही प्रीति ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी।

अब एक इंटरव्यू में ली ने आखिरकार इन अटकलों पर बात करते हुए कहा कि वह और प्रीति सिर्फ दोस्त थे और आज भी हैं।उन्होंने बॉम्बे टाइम्स को बताया, 'आपके लिए यह रही असली बातः मैंने कभी किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस को डेट नहीं किया। प्रीति जिंटा और मैं बहुत अच्छे दोस्त थे और आज भी हैं। उस समय वह पंजाब टीम की बॉस थीं। वह बहुत समझदार महिला हैं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानियों से मुझे कभी कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि मुझे हमेशा सच पता था। लोग चाहे जो भी अंदाजा लगाएं, मैंने कभी इसे खुद पर असर नहीं करने दिया।'

जहां ली लगभग दो दशकों तक चुप रहे, वहीं जिंटा ने 2010 में इन अटकलों पर बात की थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे लगता है कि हर साल ब्रेट के साथ डेटिंग की बात करना अब पुरानी और घिसी-पिटी खबर हो गई है! दोस्तों, यह कहते हुए अफसोस हो रहा है कि यहां कोई खबर नहीं है! हां, हम दोस्त जरूर हैं।'

सिनसिनाटी ओपन में साथ दिखेंगी विलियम्स बहनें

नई दिल्ली। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर डबल्स कोर्ट पर साथ उतरने के लिए तैयार हैं। यूएस ओपन से पहले होने वाले प्रतिष्ठित सिनसिनाटी ओपन में दोनों को डबल्स ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहला अवसर होगा, जब दोनों बहनें किसी आधिकारिक मुकाबले में डबल्स जोड़ी के रूप में खेलती नजर आएंगी। वहीं, सिनसिनाटी ओपन में दोनों पहली बार एक साथ डबल्स खेलने उतरेंगी। इस साल विंबलडन में भी दोनों को डबल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन सेरेना विलियम्स की चोट के कारण यह जोड़ी कोर्ट पर नहीं उतर सकी थी।

वापसी की राह पर सेरेना

44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने हाल ही में लगभग चार साल बाद विंबलडन में सिंगल्स मुकाबले के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की थी। हालांकि उन्हें पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सिनसिनाटी ओपन में वीनस के साथ डबल्स खेलना उनकी वापसी की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है।

यूएस ओपन में भी दिखेंगी वीनस

वीनस इस महीने के अंत में शुरू होने वाले यूएस ओपन में मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में अलेक्जेंडर बब्लिक के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगी। यूएस ओपन से पहले सिनसिनाटी ओपन में विलियम्स बहनों की वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

सिनसिनाटी ओपन से हटे स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज

दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज दाईं कलाई की चोट के कारण मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्कारेज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे। यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है।टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्कारेज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था। इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं। हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे।

एशियन लीजेंड्स कप विवादः मोहम्मद इरफान समेत कई पूर्व पाक खिलाड़ियों पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनधिकृत टूर्नामेंट एशियन लीजेंड्स कप में हिस्सा लेने वाले अपने पूर्व खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों पर दो साल तक पीसीबी और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से जुड़े किसी भी क्रिकेट, कोचिंग या अन्य असाइनमेंट में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पीसीबी के अनुसार, जाम्बिया के लुसाका में आयोजित एशियन लीजेंड्स कप को न तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंजूरी प्राप्त थी और न ही जाम्बिया क्रिकेट यूनियन (जेडसीयू) ने इसे स्वीकृति दी थी। ऐसे में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। बोर्ड के बयान के मुताबिक, दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों को दो वर्षों तक पीसीबी और पीएसएल से जुड़े किसी भी क्रिकेट, कोचिंग, कंसल्टेंसी, मेंटरिंग या अन्य आधिकारिक असाइनमेंट के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

अनधिकृत लीग में पाकिस्तान पैंथर्स टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में मोहम्मद इरफान, इमरान नजीर, तौफीक उमर, राहत अली, यासिर शाह, जाहिद महमूद, हसन रजा और इबरार हुसैन शामिल थे। इनमें तौफीक उमर हाल तक पाकिस्तान महिला टीम के बल्लेबाजी कोच भी रह चुके हैं, जबकि अन्य खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट से जुड़े रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में पाकिस्तान पैंथर्स टीम में कई बड़े पूर्व खिलाड़ियों के नाम शामिल थे, लेकिन टूर्नामेंट के अधिकृत न होने की जानकारी मिलने के बाद मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, वहाब रियाज, सोहेल तनवीर और उमर अकमल ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

एशियन लीजेंड्स कप का आयोजन मंगलवार को आयोजकों ने बीच में ही समाप्त कर दिया। इसके बाद पीसीबी ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि वह अनधिकृत प्रतियोगिताओं में भागीदारी को गंभीर अनुशासनहीनता मानता है और संबंधित खिलाड़ियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में जमकर गरजा नगर निगम का बुलडोजर, 50 अवैध झुग्गियों को किया ध्वस्त

गुरुग्राम, एजेंसी। नगर निगम मानेसर ने अवैध कब्जों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए गांव नौरंगपुर में 50 अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई करीब आधा एकड़ निजी भूमि पर की गई और म्युनिसिपल कार्पोरेशन एक्ट की धारा 261 के तहत संपन्न हुई। निगम आयुक्त प्रदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों के अनुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई का नेतृत्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ शशिकांत ने किया। कार्रवाई के दौरान एसडीओ विकास शर्मा, जेई देवेंद्र कुमार, मंदीप, और तकनीकी सुपरवाइजर धीरज कुमार सहित नगर निगम की प्रवर्तन शाखा के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। टीम ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से अंजाम दिया। आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य आमजन को परेशानी देना नहीं, बल्कि कानून का पालन सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि निजी भूमि पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार का स्थायी या अस्थायी निर्माण करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में निगम कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्रवाई करेगा। आयुक्त ने यह भी कहा कि निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रवर्तन शाखा को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी नियमों के विरुद्ध निर्माण या कब्जे की सूचना मिले, वहां तुरंत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार का निर्माण शुरू करने से पहले निगम और संबंधित विभागों से आवश्यक स्वीकृति जरूर प्राप्त करें। बिना अनुमति निर्माण करने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम क्षेत्र में जहां भी नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की नसीहत, जनसेवा पर जोर दें जनप्रतिनिधि

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को निर्वाचित अधिकारियों को विनम्र लोक सेवक के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कल्याण–डोंबिवली नगर निगम के शिवसेना प्रतिनिधियों से जनसेवा और जमीनी नेतृत्व को प्राथमिकता देने को कहा। शिंदे ने कहा, 'मेरे लिए, 'मुख्यमंत्री' का अर्थ 'मुख्य सेवक' है।' उन्होंने प्रतिनिधियों को सुलभ रहने और नागरिकों की शिकायतों का तुरंत समाधान करने की याद दिलाई। शिंदे ने जोर देकर कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि लोगों के सेवक हैं, सत्ता के मालिक नहीं। उन्होंने सतत शहरी विकास पर भी बात की। शिंदे ने नगर निकायों से बुनियादी ढांचे के विस्तार को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करने का आग्रह किया। उन्होंने विकास परियोजनाओं में अनावश्यक पेड़ काटने से बचने और वृक्षारोपण अभियान शामिल करने पर जोर दिया। इसमें च्ष्ठस्ष्ट अधिकारी, स्थानीय विधायक और पदाधिकारी शामिल हुए।

आपकी बेटी का वीडियो है मेरे पास...पार्क में दोस्त संग बैठी युवती का वीडियो बनाकर पिता को दी धमकी

साहिबाबाद, एजेंसी। टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में दोस्त संग पार्क में बैठी युवती का वीडियो बनाने, पीड़िता के पिता को फोन कर धमकी ने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने एओए अध्यक्ष समेत दो पर केस दर्ज कराया है। एक सोसायटी निवासी युवती सोमवार शाम अपने मित्र के साथ पार्क में बैठी थी। आरोप है कि सोसायटी के सुरक्षा सुपरवाइजर सुनील ने दोनों की वीडियो बनाकर एओए अध्यक्ष जय प्रकाश ठाकुर को भेजी। जिसके बाद एओए अध्यक्ष ने उन्हें फोन कर बेटी को समझाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि बेटी के फोटो, वीडियो उनके पास है। युवती के पिता ने अकारण मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए सुरक्षा सुपरवाइजर और एओए अध्यक्ष के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मिसिर के बाद बड़ा झटका: 15 लाख का इनामी नक्सली मदन महतो पत्नी सहित गिरफ्तार

कुख्यात रवि सरदार भी हत्थे चढ़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सलियों का अंतिम अध्याय भी लगभग खत्म होने चला है. सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में 15 लाख का इनामी मदन महतो, 5 लाख का रवि सरदार और 2 लाख की इनामी मीना, जो मदन महतो की पत्नी है, को गिरफ्तार कर लिया गया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गिरफ्तारी की पुस्टि की है. गिरफ्तार नक्सलियों के पास से तीन एक-47 राइफल भी बरामद किए गए हैं.

झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है. सरायकेला-खरसावां जिले में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने कुल 22 लाख रुपये के इनामी तीन हार्डकोर माओवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार माओवादियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो, 5 लाख रुपये का इनामी रवि सरदार तथा मदन महतो की पत्नी और 2 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी मीना शामिल हैं.

जानकारी के अनुसार, झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के सक्रिय सदस्य सरायकेला-खरसावां क्षेत्र में मौजूद हैं. सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने तीनों माओवादियों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है. गिरफ्तार मदन महतो लंबे समय से माओवादी संगठन का सक्रिय सदस्य रहा है और उस पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं, रवि सरदार पर 5 लाख रुपये और महिला माओवादी मीना पर 2 लाख रुपये का इनाम था. तीनों पर नक्सली हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, लेवी वसूली और अन्य गंभीर मामलों में संलिप्त रहने के आरोप हैं.

चतरा में मॉब लिंचिंग! नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में भीड़ द्वारा युवक की पीट-पीटकर हत्या

चतरा, एजेंसी। जिला के टंडवा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई. जहां आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी. गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है. परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले शौच के लिए घर से निकली एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म का आरोप युवक पर लगाया गया. मंगलवार सुबह लड़की के घर लौटने और परिजनों को आपबीती बताए जाने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए. आरोप है कि लोगों की भीड़ ने युवक को घर से बाहर निकालकर सड़क पर लाठी–डंडों और पत्थरों से जमकर पीटा. युवक के पिता के साथ भी मारपीट किए जाने का दावा किया जा रहा है. वहीं इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है. जिसमें मॉब लिंचिंग की इस घटना में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हमलावरों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है. वहीं, अफवाहों के जरिए तनाव फैलाने की कोशिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और बिना पुष्टि किसी सूचना पर विश्वास नहीं करने की अपील की है. इससे पहले स्थानीय लोगों का आरोप था कि पुलिस के सामने भी युवक की पिटाई जारी रही.

गुटखा देने में देरी करने पर दुकानदार को गोली मार दी

आईटीबीपी का हवलदार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र के खेड़ी भनौता गांव में छुट्टी पर आए आईटीबीपी के हवलदार ने जल्दी गुटखा न देने पर दुकानदार को गोली मार दी। घायल दुकानदार का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी पिस्तौल बरामद कर ली है।

पुलिस के मुताबिक खेड़ी भनौता गांव में उदय प्रताप सिंह दुकान चलाते हैं। उदय प्रताप के पड़ोस में सुरेंद्र सिंह परिवार के साथ रहते हैं। सुरेंद्र आइटीबीपी में हवलदार हैं। वह फिलहाल छुट्टी पर घर आया था। आरोपी सुरेंद्र सोमवार को पड़ोसी उदय प्रताप की दुकान पर पहुंचा और गुटखा मांगने लगा। दुकान पर ग्राहकों की भीड़ थी, इसलिए दुकानदार को गुटखा देने में देरी हो गई। इसी बात पर हवलदार सुरेंद्र भड़क गया और दुकानदार से गाली-गलौज करने लगा। दुकानदार ने विरोध किया तो गुस्से में आकर हवलदार सुरेंद्र ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल निकाली और दुकानदार पर फायर कर दिया। गोली उदय प्रताप के पेट को छू कर निकल गई। इस बीच आरोपी मौके से भाग गया। आसपड़ोस के लोगों ने घायल दुकानदार को अस्पताल पहुंचाया, जहां घायल का इलाज चल रहा है। घायल उदय प्रताप की हालत खतरे से बाहर है।

सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपी सुरेंद्र हवलदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। सोमवार को आरोपी घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को रूपवास बाईपास के समीप से गिरफ्तार किया है। आरोपी की लाइसेंस से पिस्तौल बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी हवलदार ने बताया कि गुस्से में आकर उसने डराने के लिए दुकानदार की तरफ पिस्टल की थी। इसी बीच अचानक गोली चल गई। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जिला प्रशासन को आरोपी हवलदार की पिस्टल के लाइसेंस को निरस्त करने के लिए पत्र लिखा है। पुलिस की तरफ से जिला प्रशासन को पत्र भेजा जाएगा। प्रशासन द्वारा लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई जाएगी।

महबूबा मुफ्ती ने उल्टा पकड़ा झंडा

महबूबा ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (क्कष्ठक्क) की प्रेसिडेंट महबूबा मुफ्ती ने

आर्टिकल 370 हटाए जाने की सातवीं सालगिरह से एक दिन पहले मंगलवार रात श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया.

महबूबा मुफ्ती ने धरना प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा पकड़ा. उनकी इस हरकत को लेकर वह विवादों में आ गई. हालांकि बताया जा रहा है कि महबूबा ने बाद में राष्ट्रीय ध्वज को ठीक से पकड़ लिया. महबूबा की लीडरशिप में दर्जनों पीडीपी कार्यकर्ताओं ने श्रीनगर में पार्टी के हेडक्वार्टर पर विरोध प्रदर्शन किया. महबूबा ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अपने ऑफिस के बाहर मोमबत्तियां जलाकर धरना दिया. उन्होंने कहा, 'भारत सरकार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से बातचीत करनी चाहिए और उनके अधिकार और संवैधानिक दर्जा वापस दिलाना चाहिए जो 5 अगस्त, 2019 को उनसे छीन लिया गया.' महबूबा ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 जम्मू-कश्मीर के लोगों को 'मंजूर नहीं' है. उन्होंने कहा, 'पीडीपी लोगों की इज्जत के साथ-साथ आर्टिकल 370 को वापस लाने की मांग करती है.' और कहा कि उस दिन की घटनाओं को लोग भूल नहीं सकते. महबूबा ने कहा कि धरने के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ 'मारपीट' की, जो पार्टी ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहती थी. पीडीपी और अपनी पार्टी ने आर्टिकल 370 हटाए जाने की सातवीं सालगिरह पर मंगलवार को कश्मीर में विरोध प्रदर्शन करने का प्लान बनाया था. 5 अगस्त, 2019 को, केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आर्टिकल 370 और 35 को हटा दिया था और पुराने राज्य को लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया. सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस भी विरोध प्रदर्शन में शामिल है. दोनों पार्टियों ने कहा कि वे इस दिन को 'ब्लैक डे' के तौर पर मनाएंगी. हालांकि, बीजेपी नेता मंगलवार को अपने श्रीनगर ऑफिस में एक जश्न का कार्यक्रम कर रहे हैं, जो सत्ताधारी नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी के 'ब्लैक डे' विरोध प्रदर्शनों का मुकाबला करेगा.।

नतीजों से मायूस डीएमके को ऑक्सीजन, डीएमके ने दिखाया दम

थलपति विजय का दांव पड़ा उल्टा? कैसे स्टालिन की गिरफ्तारी से डीएमके को मिली संजीवनी

चेन्नई, एजेंसी। क्या तृषा पर टिप्पणी को लेकर विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी का दांव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय पर

उल्टा पड़ गया है। मंगलवार को स्टालिन की गिरफ्तारी और उसके बाद छ्वरूद्म के रिएक्शन को लेकर यह चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में यह कहा जा रहा है कि इस मुद्दे ने हाल ही में सत्ता गंवाने वाली द्रमुक को संजीवनी बूटी दे दी है। इससे पहले मंगलवार को तमिलनाडु में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुख्यमंत्री विजय की दोस्त एक्ट्रेस तृषा पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने डीएमके नेता उदयनिधि को गिरफ्तार कर लिया। उन पर महिलाओं के प्रति अपमानजनक और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी करने के आरोप लगाए गए। मंगलवार सुबह तंजावुर पुलिस की एक टीम चेन्नई में उनके ईसीआर नीलांकरई स्थित घर पहुंची और स्टालिन को आठ घंटे से ज्यादा के सफर के बाद तंजावुर ले जाया गया। हालांकि देर रात मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशानुसार बेल पर उन्हें रिहा कर दिया गया।

तृषा पर की थी अभद्र टिप्पणी: इससे पहले स्टालिन ने कावेरी और मेकेदातु विवाद पर द्रमुक की विरोध रैली में तृषा पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। रैली में भाषण देते वक्त जब कुछ लोगों ने तृषा-तृषा के नारे लगाए तब उदयनिधि स्टालिन ने विजय और तृषा को लेकर अपमानजक बाते कहीं। इस दौरान वे मुस्कुराते हुए भी नजर आए। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी थी। फिलहाल पूछताछ के बाद उन्हें स्टेशन बेल पर रिहा कर दिया गया है। चेंगीपट्टी पुलिस स्टेशन से बाहर निकलने पर सैकड़ों द्रमुक कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बीते मई महीने में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके को बड़ी हार मिली। इस चुनाव में थलपति विजय ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाई और द्रमुक को करारा झटका लगा था। हालांकि अब नतीजों के बाद बैकफुट पर दिख रही डीएमके को उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के बाद अचानक एक नया राजनीतिक मुद्दा मिल गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम ने काफी दिनों से निराश बैठे डीएमके कैडर में ऑक्सीजन फूंकने का काम किया है।

केरल के मंत्री ने महिलाओं के मुफ्त बस यात्रा को लेकर दिया विवादित बयान, भड़के महिला संगठन

पलक्कड़ , एजेंसी। सूबे के परिवहन मंत्री सी पी जॉन के एक बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना को निजी स्कूलों और निजी अस्पतालों को चुनने की उनकी आदत से जोड़ा है, जिसकी महिला संगठनों ने कड़ी आलोचना की है. केरल बस परिवहन संघ के राज्य सम्मेलन में बोलते हुए मंत्री ने जनता के इस व्यवहार पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा– 'महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर रही हैं, लेकिन अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों के बजाय पैसे देकर निजी स्कूलों में भेजती हैं. यहां तक कि क्षमता न होने पर भी वे सरकारी अस्पतालों के मुकाबले निजी अस्पतालों को चुनती हैं. केरल के लोगों का यह व्यवहार हैरान करने वाला है.' उन्होंने यह भी कहा कि मुफ्त यात्रा योजना से बसों में बहुत भीड़ हो गई है. इन बयानों का 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमेंस एसोसिएशन' की केरल राज्य समिति ने कड़ा विरोध किया है. संगठन ने इन टिप्पणियों को महिला–विरोधी और महिलाओं का अपमान करने वाला बताया. उन्होंने मांग की कि मंत्री अपने शब्द वापस लें और बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें. संगठन का कहना है कि इन बयानों ने महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई है और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों का मज़ाक उड़ाया है. आलोचनाओं का जवाब देते हुए जॉन ने कहा कि उनके बयानों को गलत समझा गया. उनका मकसद महिलाओं पर हमला करना नहीं, बल्कि समाज की कमियों को सामने रखना था. उन्होंने यह भी कहा कि बसों में मुफ्त यात्रा करना महिलाओं का कानूनी अधिकार है और वे अपनी बात पर कायम हैं. इसके बाद से इन बयानों पर काफी बहस छिड़ गई है. आलोचकों ने मंत्री पर महिलाओं को लेकर एक जैसी सोच (रूढ़िवादिता) रखने का आरोप लगाया, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि इन टिप्पणियों ने सरकारी स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थाओं पर जनता के भरोसे से जुड़े बड़े सवाल खड़े किए हैं.

शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश चुनौतियों में घिरा

ढाका, एजेंसी। 5 अगस्त 2024, यह वह तारीख थी, जब बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन इस कदर बढ़ चुका था कि इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। प्रदर्शनों के दौरान फैली हिंसा और युवाओं के सरकार के खिलाफ गुस्से के चलते आखिरकार शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए उन्हें भारत में शरण तक लेनी पड़ी। तब से लेकर अब तक पद्मा नदी में काफी पानी बह चुका है। इस दौरान बांग्लादेश में दो सरकारें बन चुकीं, जिनमें एक अंतरिम सरकार और एक जनता की ओर से चुना हुआ शासन है। दोनों ही सरकारों की तरफ से आवाम के लिए कई बड़े फैसले लिए जा चुके हैं और यह देश दो साल पहले की क्रांति से काफी आगे बढ़ चुका है।

5 अगस्त 2024 को छात्रों (जेन-जी) के नेतृत्व में आरक्षण के मुद्दे पर भड़का जन-आक्रोश शेख हसीना सरकार की सख्ती के बाद नियंत्रण के बाहर हो गया। इसका असर यह हुआ कि हसीना को प्रधानमंत्री होने के बावजूद सैन्य विमान से भारत भागना पड़ा। इसके साथ ही उनके 15 साल के सत्तावादी शासन का अंत हो गया। शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसने देश में स्थिरता बहाल करने और संस्थागत सुधारों की नींव रखने की कोशिश की। हालांकि, लगातार बढ़ती धार्मिक हिंसा और शेख हसीना के राजनीतिक दल और कार्यकर्ताओं के खिलाफ बर्बर हमलों को रोकने में वे असफल रहे,

जिसकी काफी आलोचना हुई। इसके अलावा उन्होंने बांग्लादेश को भारत से दूर करने में भी बड़ी भूमिका निभाई।

12 फरवरी 2026 को देश में संसदीय चुनाव कराए गए, जिन्हें पिछले दो दशकों में सबसे विश्वसनीय चुनाव माना गया। हालांकि, इसमें भी शेख हसीना की आवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया। यानी उनका एक भी प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं उतर पाया, जिससे बांग्लादेश के इन चुनावों की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल उठे। इन चुनावों में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनेलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 300 में से 209 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया और सरकार बनाई। जमात-ए-इस्लामी 68 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल बनी, जबकि छात्रों की नई नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी) को छह सीटें मिलीं।

सांविधानिक सुधारों की कोशिश

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की तरफ से एक जुलाई नेशनल चार्टर तैयार किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल को अधिकतम 10 वर्ष करने, न्यायपालिका और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को बढ़ाने और दो सदन वाली संसद जैसे बड़े सुधार शामिल थे। हालांकि, इसी दौरान बांग्लादेश में आवामी लीग पार्टी को प्रतिबंधित करने का फैसला किया गया और उसके प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने तक पर रोक लगा दी, जिससे यूनुस की निष्पक्ष छवि को बड़ा झटका लगा।

आर्थिक उतार–चढ़ाव का दौर: शेख हसीना के जाने के समय देश की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में थी। मुद्रास्फीति करीब 12% थी और विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 20 अरब डॉलर रह गया था। उधर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बैंकों के बोर्ड भंग किए, मुद्रा विनिमय दर को बाजार आधारित किया और आईएमएम और विश्व बैंक से वित्तीय कर्ज लिया। हालांकि, इसके बावजूद पहले अमेरिका की तरफ से लगाए गए आयात शुल्क और फिर अमेरिका-ईरान युद्ध से बांग्लादेश को भारी नुकसान हुआ है। बांग्लादेश में जुलाई 2024 की क्रांति के बाद शासन तो बदल गया, लेकिन इस बदलाव के बीच कई पुरानी चुनौतियां बरकरार रही हैं और कुछ नए गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट भी उभर कर सामने आए हैं।

व्यवस्था परिवर्तन और सांविधानिक सुधारों की चुनौती

द डिप्लोमैट मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में शासक भले ही बदल गए हों, लेकिन पूरी व्यवस्था को बदलने का ऐतिहासिक और बुनियादी काम दो साल बाद भी अधूरा है। फरवरी 2026 के चुनावों के साथ हुए जनमत संग्रह में लगभग 68% जनता ने इन सुधारों के पक्ष में हां का वोट दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद बीएनपी ने इस जनमत संग्रह के नतीजों को लागू करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है और संविधान सुधार परिषद की शपथ लेने से इनकार कर दिया। बीएनपी न्यायपालिका पर अपना कार्यकारी नियंत्रण और प्रभाव बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के अलग सचिवालय के उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल रही है, जिसका उसने पहले समर्थन किया था।

दुबई में एक और भारतीय युवक की दर्दनाक मौत, कार शोरूम में ब्लास्ट से गई जान

दुबई एजेंसी। दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर फटने से केरल के रहने वाले एक प्रवासी भारतीय की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 800 से अधिक भारतीय नागरिकों की मौत हुई, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत मौतें खाड़ी देशों में हुईं। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, सोमवार को हुए इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हुई और पांच अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को शिजिन पॉल की मौत की पुष्टि की और कहा कि वह उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए परिजनों तथा स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉल उस कार शोरूम में सोशल मीडिया प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे, जहां यह विस्फोट हुआ। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक सहकर्मी ने अखबार को बताया कि आग लगने का पता चलते ही कर्मचारी शोरूम से बाहर निकल गए। कुछ लोगों ने अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले कि आग पर काबू पाया जाता, गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,